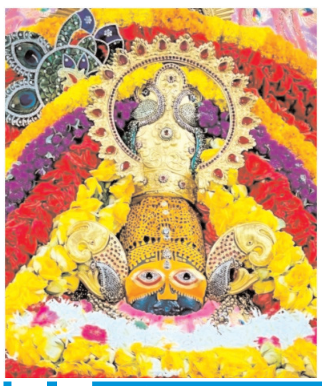

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:231। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (सोमवार) 13 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

डिजिटल षड्यंत्र
सच की पड़ताल

सावधान! सूरत के जैन मुनि को बदनाम करने की बड़ी साजिश, हनीट्रैप के मास्टरमाइंड फिर सक्रिय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। जैन धर्म की पावन धरा सूरत में इन दिनों धर्म और अधर्म के बीच एक जंग छिड़ गई है। समाज को एकता की राह दिखाने वाले और अपने 'तीखे प्रवचनों' से कुरीतियों पर प्रहार करने वाले एक प्रतिष्ठित जैन मुनि को बदनाम करने का घिनौना खेल खेला जा रहा है। जैसे-जैसे सूरत में एक नए जैन उपाश्रय के उद्घाटन की घड़ियाँ नजदीक आ रही हैं, विरोधियों और हनीट्रैप के मास्टरमाइंड्स ने अपनी गंदी चालें चलना शुरू कर दिया है।

वही पुराना पैंतरा, वही झूठे वीडियो

हैरानी की बात यह है कि यह साजिश नई नहीं है। करीब डेढ़ साल पहले भी इन्हीं असामाजिक तत्वों ने मुनि श्री और संघ के ट्रस्टियों को फर्जी वीडियो और तस्वीरों के जरिए डराने-धमकाने की कोशिश की थी। उस समय संघ की जांच में यह साफ हो गया था कि वे सभी फोटो और वीडियो एडिटेड (फर्जी) थे। अब एक बार फिर, उद्घाटन कार्यक्रम में बाधा डालने के लिए उन्हीं पुराने वीडियो को नया रूप देकर वायरल किया जा रहा है।

साध्वी जी को आत्महत्या के कगार पर धकेला

बदनाम करने की इस आग में इन अपराधियों ने मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ दी हैं। एक साध्वी जी की तस्वीर के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें बदनाम किया गया, जिससे आहत होकर उन्होंने डिप्रेशन में आकर आत्महत्या की कोशिश की थी। गनीमत रही कि उन्हें बचा लिया गया। सवाल यह उठता है कि क्या समाज के ये 'दीमक' अपने स्वार्थ के लिए किसी की जान लेने से भी पीछे नहीं हटेंगे?

प्रमुख बिंदु: जो समाज को जानना जरूरी है

प्रवचनों का प्रभाव: मुनि श्री के प्रवचन समाज को एकजुट कर रहे हैं, जिससे कुछ स्वार्थी लोगों की दुकानें बंद हो रही हैं।

डिजिटल षड्यंत्र: AI और एडिटिंग टूल्स का सहारा लेकर समाज को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है।

उद्घाटन पर नजर: नए उपाश्रय के निर्माण से बौखलाए लोग इस पवित्र कार्य में विघ्न डालना चाहते हैं।

महानगर मेट्रो की जैन समाज से अपील

'सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। जैन समाज के गौरव और मुनि भगवंतों के चरित्र पर कीचड़ उछालने वाले इन हनीट्रैप गिरोहों से सावधान रहें। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले किसी भी भ्रामक संदेश या वीडियो पर विश्वास न करें। यह समय एकजुट होकर अपनी आस्था की रक्षा करने और ऐसे अपराधियों को कानून के कटघरे तक पहुँचाने का है।

सूरत का जैन समाज अपनी जागरूकता के लिए जाना जाता है। मुनि श्री के तप और उनकी सेवा पर किए गए ये झूठे आक्षेप टिकने वाले नहीं हैं। 'महानगर मेट्रो' इस मामले की तह तक जाकर दोषियों को बेनकाब करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महानगर मेट्रो - निर्भीक कलम, निष्पक्ष खबर।

• सिलीगुड़ी में पीएम मोदी की हुंकार

चार मई के बाद बनेगी भाजपा सरकार : मोदी

• टीएमसी को देना होगा पाई-पाई का हिसाब

एजेंसी

सिलीगुड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिलीगुड़ी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी के लोगों ने हमेशा उन्हें भरपूर प्यार दिया है और कल के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब यह साफ करता है कि बंगाल अब परिवर्तन का मन बना चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार बंगाल से टीएमसी का जाना तय है।प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी सरकार के 15 साल के शासन में बंगाल सिर्फ बर्बाद हुआ है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि जो युवा आज पहली बार वोट देने जा रहे हैं, वे बंगाल का भविष्य तय करें। ये किसी के भी काम के मूल्यांकन का बहुत बड़ा समय है। पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने 15 वर्षों में कोई काम नहीं किया, बल्कि सिर्फ काले कारनामे किए हैं। उन्होंने सिलीगुड़ी को नॉर्थ बंगाल का

प्रवेश द्वार बताते हुए कहा कि टीएमसी ने जान-बूझकर यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्री और टूरिज्म को पीछे रखा। केंद्र सरकार ने जो पैसा भेजा, उसे सिंडिकेट वाले हजम कर गए। पीएम मोदी ने टीएमसी पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि इस निर्मम सरकार ने मदरसों के लिए तो 6,000 करोड़ रुपये का बजट दिया, लेकिन नॉर्थ बंगाल के विकास के लिए पर्याप्त पैसा नहीं दिया। भ्रष्टाचार पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी, टीएमसी वाले कान खोलकर सुन लें, चार मई के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और उन्हें पिछले 15 वर्षों के पल-पल और पाई-पाई का हिसाब देना होगा।

• उन्होंने कहा कि जब नॉर्थ बंगाल बारिश और तबाही से जूझ रहा था, तब टीएमसी सरकार कोलकाता में जश्न मना रही थी। पीएम ने टीएमसी को नॉर्थ बंगाल, आदिवासी, चाय-बागान, महिला और युवा विरोधी पार्टी बताया।

'वंदे मातरम का विरोध करने वालों को देश छोड़ देना चाहिए'

"वंदे मातरम' के विषय में बंगाल की विधानसभा में ममता दीदी ने कोई चर्चा नहीं करवाई'

एजेंसी

कोलकाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मिदनापुर जिले की नंदकुमार विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जो

• *'यह वह भूमि है, जो कई वैज्ञानिकों और महान व्यक्तित्वों को जन्म देती है, जिनमें रवींद्र नाथ टैगोर भी शामिल हैं।'*

लोग 'वंदे मातरम' का विरोध करते हैं, उन्हें देश छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश की धरती से, भगवान राम, महादेव और कृष्ण की पवित्र भूमि से, मैं उस भूमि पर आया हूं, जहां राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान है। जो लोग 'वंदे मातरम' का विरोध करते हैं, उन्हें देश छोड़ देना चाहिए।'' सीएम योगी ने कहा कि 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने संसद का विशेष सत्र बुलाया था। हमने भी उत्तर प्रदेश विधानसभा में विशेष सत्र का आयोजन किया था। जिस बंगाल से बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की अमर और कालजयी कृति 'आनंदमठ' के

गीत ने भारत के अंदर आजादी का बिगुल फूंका था, उसी 'वंदे मातरम' के विषय में बंगाल की विधानसभा में ममता दीदी ने कोई चर्चा नहीं करवाई। उन्हें भय था कि उनका वोट बैंक 'वंदे मातरम' का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि मैं कहता हूं, भारत की धरती पर जो कोई 'वंदे मातरम' गाने में परहेज करता है, उसे भारत की धरती छोड़कर वहां जाना चाहिए, जहां उसके लिए स्थान हो। यह तो राष्ट्र वंदना का गीत है, हर भारतवासी को गाना चाहिए। अगर कोई 'वंदे मातरम' का विरोध करता है, तो फिर भारत उसे स्वीकार नहीं कर सकता है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कई प्रमुख बंगाली हस्तियों का उल्लेख किया, जैसे स्वामी विवेकानंद, खुदीराम बोस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, और राष्ट्रीय भावना पर उनके प्रभाव के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो कानून नहीं हो सकते, और वह सपना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरा हुआ है। अनुच्छेद 370 को हटाना एक लंबे समय से वैचारिक लक्ष्य था, जो अब पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

हुगली की जनसभा में अभिषेक बनर्जी की भाजपा को खुली चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हुगली: बिहार चुनावों से पहले एनडीए सरकार ने महिलाओं को 10,000 रुपये दिए थे। अब चुनाव जीतने के बाद वे अपना पैसा वापस मांग रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया है कि यदि लाभार्थी पैसा लौटाने में विफल रहते हैं, तो उनके घरों को बुलडोजर से ढहाया जा रहा है। बंगाल में भाजपा ने घोषणा की है कि यदि वे सत्ता में आते हैं, तो वे महिलाओं को 3,000 रुपये का मासिक भत्ता देंगे। यह राशि तृणमूल कांग्रेस द्वारा वर्तमान में दी जा रही नकद सहायता से दोगुनी है। इस मुद्दे पर बोलते हुए, अभिषेक ने बिहार की स्थिति से इसकी तुलना की और सीधे भाजपा खेमे को चुनौती दी। उन्होंने कहा, 'अगर भाजपा बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' जैसी योजना लागू कर सकती है, तो मैं राजनीति छोड़ दूँगा।' उन्होंने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया: भाजपा वर्तमान में देश के कई राज्यों में सत्ता में है; तो वे उन क्षेत्रों में महिलाओं को बिना शर्त भत्ता देने में असमर्थ क्यों हैं? उन्होंने कहा कि दिल्ली में उन्होंने सरकार बनाने पर बैंक खातों में 2,500 रुपये जमा

करने का वादा किया था। तब से चौदह महीने बीत चुके हैं, फिर भी किसी को एक पैसा नहीं मिला है। भाजपा ने अपने वादों का विस्तार करते हुए राज्य के युवाओं को 3,000 रुपये मासिक भत्ता देने का वादा किया है। इस पर कटाक्ष करते हुए अभिषेक ने कहा, 'भाजपा का चुनावी घोषणापत्र एक चिट-फंड पैम्फलेट से ज्यादा कुछ नहीं है।' रविवार दोपहर हुगली के डनलप मैदान में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल सांसद ने भाजपा को चुनौती दी और कहा, 'मोदी बाबू 12 साल से सत्ता में हैं, जबकि ममता बनर्जी ने बंगाल पर 15 साल शासन किया है। आइए हमारे 'रिपोर्ट कार्ड' की तुलना करें। आइए बहस करें। अगर भाजपा यह साबित कर दे कि उन्होंने आवास सहायता के लिए किसी के बैंक खाते में एक पैसा भी जमा किया है, तो मैं फिर कभी हुगली में कदम नहीं रखूँगा। अगर वे यह साबित कर सकें कि उन्होंने मनरेगा (100-दिवसीय कार्य योजना) के लिए धन जारी किया है, तो मैं तृणमूल के लिए प्रचार करना बंद कर दूँगा।' अभिषेक ने आगे दावा किया कि मोदी सरकार ने बंगाल के लोगों को मिलने वाली विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में 10 पैसे का भी योगदान नहीं दिया है। तृणमूल के 'युवराज' ने कहा, 'हमारी राजनीति प्रदर्शन और काम पर आधारित है, जबकि भाजपा की राजनीति धर्म पर आधारित है। भाजपा का मतलब 'डिटेंशन' (हिरासत) है, जबकि तृणमूल का मतलब 'नो टेंशन' (कोई तनाव नहीं) है।' अभिषेक ने भाजपा की तुलना अफगानिस्तान के तालिबान से भी की। उन्होंने टिप्पणी की, 'भाजपा और तालिबान के बीच कोई अंतर नहीं है। तालिबान बौद्ध मूर्तियों को नष्ट करता है, और भाजपा के गुंडे विद्यासागर की मूर्ति को खंडित करते हैं।'

पश्चिम बंगाल चुनाव : एआई वीडियो विवाद पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पलटवार

एजेंसी

बांकुड़ा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वीडियो विवाद ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को बांकुड़ा के ओंदा में आयोजित चुनावी सभा में बिना नाम लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि 2026 के विधानसभा चुनाव में संभावित हार को देखते हुए तृणमूल कांग्रेस ने एआई की मदद से फर्जी वीडियो तैयार किया है। इस आरोप पर पलटवार करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि जिस व्यक्ति का वीडियो बताया जा रहा है, वह खुद उसकी सत्यता स्वीकार कर रहा है, जबकि कुछ लोग उसे एआई से बना बता रहे हैं। हालांकि, उन्होंने सीधे नाम नहीं लिया, लेकिन यह विवाद हुमायूं कबीर से जुड़े वीडियो को लेकर है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मुस्लिम मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बड़े स्तर पर साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि 'एक तरफ हिंदुओं को और दूसरी तरफ मुसलमानों

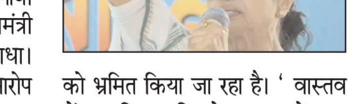

को भ्रमित किया जा रहा है।' वास्तव में यह विवाद पिछले गुरुवार से शुरू हुआ, जब तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं कबीर और भाजपा के बीच कथित 'गुप्त समझौते' का आरोप लगाते हुए 19 मिनट का एक वीडियो जारी किया। पार्टी का दावा था कि वीडियो में कबीर भाजपा से 1000 करोड़ रुपये की मांग करते दिखाई दे रहे हैं, जिसमें से 200 करोड़ रुपये तत्काल देने की बात कही गई है और बदले में राज्य में भाजपा सरकार को समर्थन देने का आश्वासन दिया गया है।

• चीन को भारत की दो टूक

अरुणाचल के कुछ स्थानों का नाम बदलने के दावे को किया खारिज, बताया भ्रामक और निराधार

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने चीन की उन कोशिशों को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिनमें उसने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की हरकतें भ्रामक और निरर्थक हैं और भारत इन्हें पूरी तरह अस्वीकार करता है। मंत्रालय के अनुसार, चीन की तरफ से किया गया यह कदम गलत और बिना आधार का है। भारत का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। चीन के किसी भी तरह के नाम बदलने या झूठे दावे करने से जमीनी हकीकत

नहीं बदलती। उन्होंने यह भी कहा कि चीन की इस तरह की कोशिशें भ्रामक और बिना आधार की हैं, जिन्हें भारत पूरी तरह खारिज करता है। जायसवाल ने दोहराया कि भारत अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर कोई समझौता नहीं करेगा।

रणधीर जायसवाल ने क्या कहा?

रणधीर जायसवाल ने क्या कहा? जायसवाल ने आगे कहा कि भारत ऐसे सभी भ्रामक और गलत प्रयासों को पूरी तरह अस्वीकार करता है। उन्होंने साफ कहा कि चीन द्वारा किए जा रहे झूठे दावे और मनगढ़ंत कहानियां किसी भी तरह की सच्चाई को नहीं बदल सकतीं। अरुणाचल प्रदेश समेत भारत के सभी क्षेत्र हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहे हैं और आगे भी रहेंगे।

बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर सरगर्मियां तेज

• भाजपा ने शिवराज को बनाया पर्यवेक्षक

एजेंसी

नई दिल्ली । जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के राज्यसभा का सदस्य बनने के बाद बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए सरगर्मियां तेज हो गई हैं। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नए नेता के चयन के लिए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक बनाया है। उनकी मौजूदगी में विधायक दल की बैठक होगी, जहां नए नेता के नाम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

भाजपा ने रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी ने उनके अनुभव और सबको साथ लेकर चलने की क्षमता को देखते हुए

यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। वे जल्द ही पटना पहुंच कर भाजपा विधायक दल की अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मुख्यमंत्री आवास पर आज भाजपा और जनता दल यूनाइटेड के विधायकों की बैठक बुलाई गई है।

उल्लेखनीय है कि जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली है, जिसके बाद वे सोमवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद पहले कमांडर सम्मेलन में तैयारियों की समीक्षा करेगी नौसेना

पहला हिस्सा 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक नई दिल्ली में होगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। साल में दो बार होने वाले नौसेना के कमांडर सम्मेलन का पहला हिस्सा 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक नई दिल्ली में होगा। नौसेना भवन में होने वाले इस शीर्ष सम्मेलन में राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा, क्षमता विकास और सुरक्षा लक्ष्यों के साथ सामरिक तालमेल के कमांडर सम्मेलन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन का ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद नौसेना के ऑपरेशनल सिद्धांत, इंटर-सर्विसेज कोआर्डिनेशन और तकनीक से चलने वाले प्रतिक्रिया तंत्र को फिर से मजबूत करने में भी खास महत्व है। कॉन्फ्रेंस में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान,

लिए नौसेना के ऑपरेशनल रुख की पूरी समीक्षा की जाएगी। कॉन्फ्रेंस के दौरान होने वाली बातचीत का मकसद भारतीय नौसेना को हिंद महासागर क्षेत्र और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 'पसंदीदा सुरक्षा भागीदार' के तौर पर प्रचारित करना है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और हिंद महासागर क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय ताकतों के मिलने के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षित रखने के लिए तेजी से नौसेना की तैनाती को देखते हुए इस गृह सचिव और नौसेना के वरिष्ठ शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करेंगे। इसका मकसद इंटर ऑपरेबिलिटी और तालमेल को बढ़ाना, राष्ट्रीय स्थिरता, सुरक्षा वास्तुकला और भविष्य की समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने के तरीके पर एक बड़ा नजरिया बनाना है। यह फोरम राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ करीबी बातचीत के लिए एक प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करता है, जो नौसेना योजना के लिए सामरिक दिशा तय करता है।

सुर-साम्राज्ञी आशा भोंसले: एक स्वर-युग का अस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारतीय संगीत जगत के लिए आज का दिन किसी गहरे शोक से कम नहीं है। 92 वर्ष की आयु में सुर-साम्राज्ञी आशा भोंसले के निधन से न केवल एक महान गायिका का अंत हुआ है, बल्कि भारतीय सिनेमा के एक स्वर्ण युग का समापन हो गया है। सात दशकों से भी अधिक समय तक अपनी आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली 'आशाताई' अब अनंत की यात्रा पर निकल गई हैं। 8 सितंबर, 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी आशाजी के खून में ही संगीत था। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, जबकि उनकी माता शेवंतीजी गुजराती थीं। वे लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। मात्र 9 वर्ष की आयु में पिता की छत्रछाया खो

देने पर परिवार पर आर्थिक संकट आ गया, जिसके कारण उन्हें छोटी उम्र में ही गायन के क्षेत्र में कदम रखना पड़ा। 1943 में मराठी फिल्म 'माझा बाळ' से शुरू हुआ यह सफर 1948 में हिंदी सिनेमा तक जा पहुँचा। आशाजी का जीवन संघर्ष और साहस की एक मिसाल था। 16 साल की उम्र में गणपतराव भोंसले के साथ विवाह और उसके बाद हुए अलगाव ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से बहुत मजबूत बनाया। 1980 में उन्होंने संगीतकार आर.डी. बर्मन (पंचम दा) से विवाह किया और इस जोड़ी ने हिंदी संगीत में एक क्रांति ला दी। 'पिया तू अब तो आजा', 'चुरा लिया है तुमने' और 'दम मारो दम' जैसे गीतों ने उन्हें एक 'वर्सटाइल' (बहुमुखी) गायिका के रूप में स्थापित किया। उन्होंने 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से अधिक गीत गाए हैं। उनकी उपलब्धियों की झोली में दादा साहब फाल्के पुरस्कार, पद्म विभूषण, 7 फिल्मफेयर पुरस्कार और 2 राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। वे ग्रैमी अवार्ड के लिए नामांकन पाने वाली भारत की पहली महिला गायिका थीं। आज भले ही आशाताई हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी सुरीली और रसीली आवाज आने वाली कई पीढ़ियों तक गूँजती रहेगी। उनके जाने से संगीत जगत में जो खालीपन पैदा हुआ है, उसे कभी भरा नहीं जा सकेगा।

लेखक-अश्विन गोहिल

कांग्रेस बोली-सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती

• जयराम रमेश ने कहा- महिला आरक्षण में बदलाव से देश को गुमराह किया जा रहा

एजेंसी

बांकुड़ा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। साथ ही महिला आरक्षण कानून में बदलाव के जरिए देश को गुमराह कर रही है।जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- सरकार अनुच्छेद 334-A में संशोधन की बात कर रही है। यह तर्क दे रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में समय लगेगा। लेकिन बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने से कम समय में जाति सर्वे पूरा किया है। उन्होंने कहा कि ये सरकार का छिपा हुई एजेंडा है। सरकार का असल मकसद जाति जनगणना नहीं कराना है। अनुच्छेद 334-A में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है। सरकार अब इसे अलग करने की कोशिश कर रही है, ताकि इसे जल्द लागू किया जा सके।

महिला आरक्षण बिल के लिए 3 दिन का विशेष सत्र

जयराम रमेश का बयान ऐसे समय आया है, जब 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र प्रस्तावित है। इसमें महिला आरक्षण कानून लागू करने और लोकसभा सीटें बढ़ाने से जुड़े बिल लाए जा सकते हैं। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

केजरीवाल का 'बंगाल बाण': मोदी जी, अगर हार गए तो क्या होगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला है। केजरीवाल ने आगामी चुनावों को लेकर एक ऐसा सवाल उछाला है, जिसने सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

'पूरी ताकत झोंकने के बाद भी मिली हार... तो क्या ? '

केजरीवाल ने भाजपा की रणनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पूरी मशीनरी पश्चिम बंगाल में एड़ी–चोटी का जोर लगा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने प्रयासों और संसाधनों के इस्तेमाल के बाद भी अगर मोदी जी बंगाल चुनाव हार जाते हैं, तो देश की राजनीति का रुख क्या होगा ?

केजरीवाल के वार के मुख्य बिंदु

संसाधनों का खेल: केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावों में सरकारी तंत्र और भारी धनबल का उपयोग कर रही है।

अहंकार बनाम जनता: उन्होंने संकेत दिया कि बंगाल की जनता का मिजाज भाजपा की उम्मीदों के विपरीत हो सकता है।

साख का सवाल: 'आप' प्रमुख के अनुसार, यह हार केवल एक राज्य की हार नहीं होगी, बल्कि प्रधानमंत्री की 'अजेय' छवि पर सबसे बड़ा प्रहार होगा।

'सत्ता का अहंकार जब चरम पर होता है, तो जनता खामोशी से अपना फैसला सुनाती है। बंगाल का नतीजा सिर्फ एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि देश के भविष्य का संकेत होगा। '

— अरविंद केजरीवाल (राष्ट्रीय संयोजक, AAP)

महानगर विश्लेषण: क्या यह मनोवैज्ञानिक युद्ध है ?

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि केजरीवाल का यह बयान विपक्षी दलों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और भाजपा के खिलाफ एक मनोवैज्ञानिक माहौल तैयार करने की कोशिश है। दिल्ली की सत्ता छोड़ने के बाद केजरीवाल अब राष्ट्रीय स्तर पर 'एंटी–मोदी' कैंपेन को धार देने में जुटे हैं।

अगला पड़ाव क्या ?

अब देखना यह होगा कि भाजपा केजरीवाल के इस चुभते हुए सवाल का जवाब किस अंदाज में देती है। क्या बंगाल की रणभूमि भाजपा के लिए 'विजयरथ' बनेगी या विपक्ष के लिए 'संजीवनी'?

जनता भाजपा का घमंड तोड़ेगी, इस बार झाड़ू से होगी धुलाई!' – गोपाल इटालिया

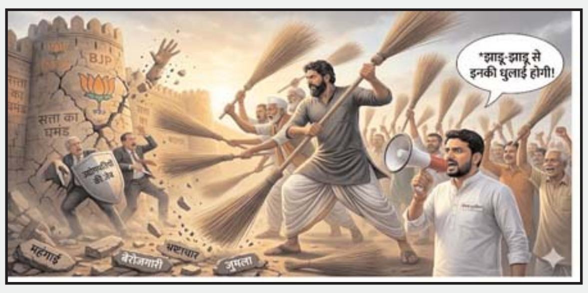

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति में चुनावी सरगर्मी के बीच आम आदमी पार्टी के विधायक और फायरब्रैंड नेता गोपाल इटालिया ने सत्ताधारी भाजपा पर अब तक का सबसे बड़ा और सीधा हमला बोला है। इटालिया ने दावा किया है कि इस बार गुजरात की जनता 'बदलाव' के मूड में है और भाजपा को करारा जवाब देने की तैयारी कर चुकी है।

'इस बार झाड़ू से होगी 'जुड़ाई'! '

गोपाल इटालिया ने जनसभा को संबोधित करते हुए ठेठ गुजराती अंदाज़ में कहा कि भाजपा का अहंकार अब अपनी सीमा पार कर चुका है। उन्होंने कहा, 'चुनावों में जनता भाजपा को ऐसी पटकनी देगी कि उन्हें संभलने का मौका नहीं मिलेगा। इस बार जनता ने मन बना लिया है कि झाड़ू उठाना है और भ्रष्टाचार को जड़ से साफ़ करना है। झाड़ू-झाड़ू से इनकी धुलाई होगी! '

इटालिया के वार के 3 बड़े केंद्र

1. **बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी:** इटालिया ने आरोप लगाया कि भाजपा ने केवल उद्योगपतियों की जेब भरी है, जबकि आम आदमी महंगाई के बोझ तले दब गया है।
2. **सत्ता का अहंकार:** उन्होंने कहा कि वर्षों से सत्ता में रहने के कारण भाजपा नेता जनता को तुच्छ समझने लगे हैं, जिसका हिसाब इसी चुनाव में होगा।
3. **आम आदमी पार्टी का बढ़ता प्रभाव:** इटालिया ने विश्वास जताया कि दिल्ली और पंजाब के बाद अब गुजरात में 'झाड़ू' का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है।

महानगर विश्लेषण: क्या गोपाल इटालिया का 'आक्रामक कार्ड' काम आएगा? राजनीतिक पंडितों का मानना है कि गोपाल इटालिया के इस बयान से 'आप' कार्यकर्ताओं में जोश भर गया है। 'झाड़ू से धुलाई' और 'घोषणा पत्र बनाम जुमला' की इस जंग में इटालिया ने सीधा जनता की भावनाओं को छूने की कोशिश की है।

क्या कहती है जनता?

ग्राउंड जीरो पर लोगों के बीच चर्चा है कि क्या वाकई इस बार गुजरात का चुनावी गणित बदलेगा? इटालिया का यह तीखा तेवर भाजपा के 'गढ़' में कितनी सेंध लगा पाता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

फरार भू-माफिया और 'पॉपुलर बिल्डर' दशरथ पटेल पुलिस की गिरफ्त में, लंबे समय से था फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के रियल एस्टेट जगत में हड़कंप मचाने वाले चर्चित नाम और लंबे समय से फरार चल रहे भू-माफिया 'पॉपुलर बिल्डर' दशरथ पटेल को आखिरकार पुलिस ने धर दबोचा है। प्रशासन की विभिन्न टीमों द्वारा की गई सघन तलाश के बाद यह बड़ी कामयाबी मिली है।

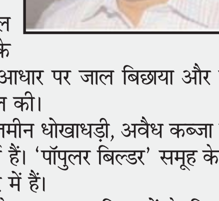

मुख्य विवरण:

* **गिरफ्तारी की कार्रवाई:** दशरथ पटेल पिछले काफी समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए भूमिगत था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जाल बिछाया और फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।
* **अपराधिक पृष्ठभूमि:** दशरथ पटेल पर जमीन धोखाधड़ी, अवैध कब्जा करने और डराने-धमकाने के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। 'पॉपुलर बिल्डर' समूह के नाम पर किए गए कई प्रोजेक्ट्स अब जांच के घेरे में हैं।
* **प्रशासनिक सख्ती:** यह गिरफ्तारी शहर के अन्य भू-माफियाओं के लिए एक कड़ा संदेश मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान जमीन घोटाले से जुड़े कई और सफेदपोश चेहरों के नाम सामने आ सकते हैं।

महानगर मेट्रो की विशेष रिपोर्ट

दशरथ पटेल की गिरफ्तारी के बाद अब उन पीड़ितों को न्याय की उम्मीद जगी है जिनकी जमीनों पर कथित तौर पर अवैध तरीके से कब्जा किया गया था। पुलिस अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही कर रही है और कोर्ट से रिमांड की मांग की जा सकती है ताकि इस पूरे सिंडिकेट की गहराई तक पहुंचा जा सके। बने रहिए महानगर मेट्रो के साथ, पल-पल की अपडेट के लिए।

वडोदरा भाजपा में 'कमल' नहीं, 'कुनबा' खिला!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात की राजनीति में 'कार्यकर्ता आधारित पार्टी' का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिए वडोदरा स्थानीय निकाय चुनाव का टिकट बंटवारा इस बार बड़ा चर्चा का विषय बन गया है। पार्टी की जारी सूची ने यह साफ संकेत दिया है कि संगठन के पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं से ज्यादा चर्चा 'नेताओं के घरानों' को मिले महत्व की हो रही है। वडोदरा नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा ने 76 उम्मीदवारों की सूची जारी की है, जिसमें केवल 15 पुराने चेहरों को दोबारा मौका मिला है, जबकि बाकी नए नाम शामिल किए गए हैं।

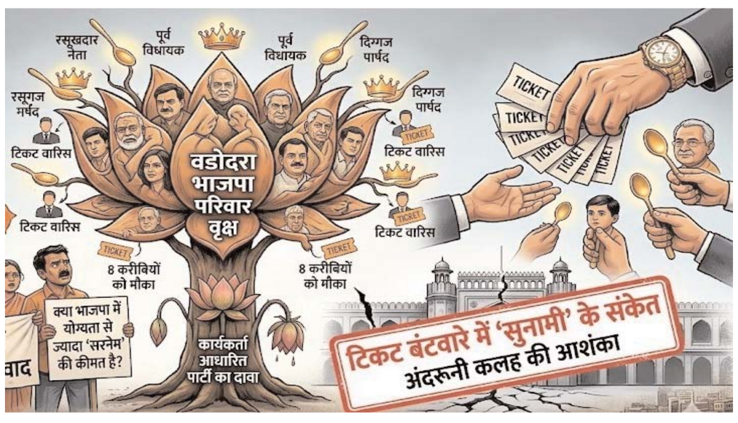

कुर्सी पर 'वारिसों' का कब्ज़ा: 8 करीबियों को मिला मौका

टिकट वितरण को लेकर पार्टी के भीतर परिवारवाद की चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय राजनीतिक हलकों में यह माना जा रहा है कि कई प्रभावशाली पूर्व विधायकों, पूर्व पार्षदों और रसूखदार नेताओं के बेटे, बेटियों और बहुओं को प्राथमिकता दी गई है।

दिग्गजों के उत्तराधिकारी: पूर्व विधायकों और रसूखदार पूर्व पार्षदों के बेटे, बेटियों और बहुओं को चुनावी रण में उतारा गया है।

8 खास चेहरे: कुल उम्मीदवारों में से लगभग 8 ऐसे नाम बताए जा रहे हैं, जिनका सीधा संबंध पार्टी के प्रभावशाली परिवारों से माना जा रहा है।

कार्यकर्ताओं की उपेक्षा: वर्षों से झंडा उठाने वाले और जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की तुलना में

टिकट बंटवारे में हावी हुआ परिवारवाद

राजनीतिक वारिसों को तरजीह मिलने की चर्चा संगठन के भीतर असंतोष बढ़ा रही है।

महानगर मेट्रो का सवाल: क्या खत्म हो गई आंतरिक लोकतंत्र की परंपरा?

भाजपा हमेशा कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाती रही है, लेकिन वडोदरा की यह तस्वीर कई सवाल खड़े कर रही है।

1. क्या भाजपा में अब योग्यता से ज्यादा 'सरनेम' की कीमत बढ़ गई है?
2. क्या आम कार्यकर्ता केवल बड़े नेताओं के बच्चों की जीत सुनिश्चित करने तक सीमित हो गया है?
3. क्या पूर्व दिग्गजों का यह दबदबा पार्टी के भीतर असंतोष की चिंगारी को हवा देगा?

अंदरूनी कलह की आशंका: नाराज़ कार्यकर्ताओं का क्या?

सूत्रों के अनुसार टिकट बंटवारे के बाद कई वॉर्डों में स्थानीय स्तर पर विरोध के स्वर सुनाई देने लगे हैं। कुछ जगहों पर असंतोष इतना बढ़ा कि नामांकन के अंतिम दिन तक बगावती तेवर देखने को मिले। हाल ही में वडोदरा में एक भाजपा उम्मीदवार का नाम वोटर लिस्ट में न मिलने से अंतिम समय पर बदलाव भी करना पड़ा, जिसने अंदरूनी प्रबंधन पर सवाल खड़े किए। वडोदरा की जनता अब यह देख रही है कि उसे 'काम' के आधार पर वोट देना है या 'खानदान' के आधार पर। भाजपा का यह 'परिवार प्रेम' उसे सत्ता तक ले जाएगा या अपनों की नाराज़गी भारी पड़ेगी, इसका फैसला अब 26 अप्रैल के मतदान और 28 अप्रैल की मतगणना में सामने आएगा।

भ्रष्टाचार की 'अंधेर नगरी': कहीं चूहे डकार रहे ड्रग्स, तो कहीं नेता निगल रहे पहाड़!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति में इन दिनों आरोपों की ऐसी आंधी चली है, जिसने सत्ताधारी दल की नींद उड़ा दी है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष ने अब तक का सबसे तीखा हमला बोलते हुए 'भ्रष्टाचार की भूख' पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यह हमला केवल कागजी नहीं, बल्कि उन विसंगतियों पर है जो आम जनता की समझ से परे हैं।

विपक्ष का हल्लाबोल: 'अब तो चूहे भी 'नशे' में हैं! '

हाल ही में सामने आए बयानों ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। विपक्ष का सीधा और तंजिया आरोप है कि–

ड्रग्स और चूहे: पुलिस मालखानों से ड्रग्स गायब होने की खबरों पर चुटकी लेते हुए कहा जा रहा है कि, 'अब तो भाजपा के राज में चूहे भी ड्रग्स खा जाते हैं।' यह तंज कानून व्यवस्था और साठगांठ की ओर इशारा करता है।

खनन माफिया और पहाड़: प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर हमला करते हुए आरोप लगाया गया है कि, 'भाजपा के नेताओं की भूख इतनी बढ़ गई है कि वे पूरे के पूरे पहाड़ (डोंगर) निगल रहे हैं।' अवैध खनन की बढ़ती घटनाओं को लेकर यह तीखा प्रहार किया गया है।

वर्षों का शासन, फिर भी भूख बाकी?

महानगर मेट्रो की पड़ताल पूछती है कि दशकों तक सत्ता में रहने के बाद भी भ्रष्टाचार की खबरें कम होने का नाम क्यों नहीं ले रही हैं। जनता के बीच यह चर्चा आम है कि–

1. आखिर विकास की चमक के पीछे भ्रष्टाचार का यह 'अंधेरा' कितना गहरा है?
2. क्या सत्ता का संरक्षण ही इन 'सफेदपोश' शिकारियों को पहाड़ निगलने की शक्ति दे रहा है?
3. सरकारी तंत्र की नाक के नीचे करोड़ों का माल गायब होना महज लापरवाही है या सोची-समझी साजिश?

महानगर मेट्रो विशेष: जनता के टैक्स पर किसका डाका?

आम आदमी का कहना है कि वह ईमानदारी से टैक्स भरता है ताकि राज्य का विकास हो, लेकिन जब भ्रष्टाचार की खबरें आती हैं तो लगता है कि यह सारा पैसा कुछ चुनिंदा लोगों की तिजोरियों में जा रहा है।

'पहाड़ गायब हो रहे हैं, नदियाँ छलनी हो रही हैं और मालखानों से माल गायब है। यह भूख विकास की नहीं, विनाश की है। '

— राजनीतिक विश्लेषक

जवाबदेही की दरकार

भ्रष्टाचार के इन आरोपों ने आगामी चुनावों से पहले एक बड़ा मुद्दा खड़ा कर दिया है। सवाल यह नहीं है कि किसने क्या खाया, सवाल यह है कि 'जनता के हक की चौकीदारी' करने वाले इस लूट पर खामोश क्यों हैं? क्या वाकई सत्ताधारी नेताओं की भ्रष्टाचार की भूख कभी शांत होगी? क्या आपको लगता है कि बढ़ते अवैध खनन और सरकारी तंत्र की ढिलाई राज्य के भविष्य को खोखला कर रही है? हमें अपनी प्रतिक्रिया दें।

धर्म की राजनीति तो खूब हुई, अब छात्रों के भविष्य का हिसाब कौन देगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/वडोदरा। हमारे देश में जब भी चुनाव आते हैं, धर्म, जाति और भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ता है। खुद को 'धर्म प्रेमी' बताने वाली सरकारें बड़े-बड़े महोत्सवों और आयोजनों में व्यस्त रहती हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि देश के करोड़ों विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के लिए ठोस निर्णय लेने का समय सरकार के पास कब आएगा? शिक्षा, रोजगार और छात्र हित के मुद्दों पर सरकार की यह चुप्पी अब एक बड़ा सवाल बन चुकी है।

सरकार मेहरबान–पर किस पर?

देश के लाखों छात्र अपनी डिग्री हाथ में लेकर दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। पेपर लीक की घटनाएं हों, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी हो या शिक्षा का बढ़ता निजीकरण–छात्रों का हित कहीं हाशिए पर धकेल दिया गया है।

'क्या धर्म प्रेम केवल प्रतीकों में है? असली धर्म तो युवा शक्ति को सही दिशा और अवसर देना है। आखिर छात्रों के हक में बड़े फैसले लेने से सरकार क्यों कतरा रही है? '

मतदाताओं के पास बड़ा मौका

अब स्थानीय स्वराज्य (नगर निगम/नगर पालिका) के चुनाव नजदीक हैं। राजनेता फिर से आपके दरवाजों पर 'विकास' और 'धर्म' का झंडा लेकर आएंगे। लेकिन इस बार मतदाताओं को सतर्क रहने की जरूरत है।

महानगर मेट्रो की अपील—

नेताओं से ये सवाल जरूर पूछें:

1. शिक्षा का स्तर: हमारे इलाके के सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की हालत सुधरने के बजाय बिगड़ क्यों रही है?
2. **स्थानीय रोजगार:** हमारे युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार या नौकरियों के क्या अवसर पैदा किए गए?
3. **छात्र सुरक्षा:** लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और सस्ती शिक्षा के वादे चुनाव के बाद कागजों तक ही क्यों सीमित रह जाते हैं?

पवन माकन का बेबाक विश्लेषण: वोट की चोट ही सही रास्ता

जब तक जनता बुनियादी मुद्दों पर सवाल नहीं पूछेगी, तब तक राजनेता हमें धर्म और भावनाओं के जाल में उलझाकर अपनी कुर्सी सुरक्षित करते रहेंगे। अगर सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है, तो जनता को भी चुनाव के दिन अपनी ताकत दिखाने की जरूरत है।

सत्ता के 'खुरशीदास' और धर्म का अफीम—क्या बिक रहा है देश ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आजकल सोशल मीडिया पर एक गीत की पंक्तियाँ आग की तरह फैल रही हैं– 'ये कुरसी के भूखे, देश बेच खाएंगे!' यह महज एक गीत नहीं, बल्कि उस कड़वी हकीकत का आईना है, जिसे आज का आम नागरिक महसूस कर रहा है। जब राजनेताओं के लिए विचारधारा केवल बदलने वाले कपड़ों जैसी हो जाए और जनता के लिए धर्म अफीम का नशा बन जाए, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।

मलाई संसद में, लाठी सड़क पर!

गीत के बोल चीख-चीख कर कह रहे हैं कि जनता को राम और रहीम के नाम पर आपस में लड़ाया जा रहा है। एक तरफ मंदिर-मस्जिद के नाम पर भावनाओं का सैलाब उमड़ता है, तो दूसरी तरफ सत्ता की बंद गलियों में मलाई बांटी जाती है। अमीरों का साथ: बड़े सेठों और कॉर्पोरेट मित्रों के हजारों करोड़ के कर्ज माफ कर दिए जाते हैं। गरीबों पर प्रहार: रोजगार मांगने वाले युवाओं और हक मांगने वाले किसानों पर लाठियों की बौछार होती है। यह कैसा लोकतंत्र है जहाँ तिजोरी अमीरों की भरती है और आंसू गरीबों के हिस्से आते हैं?

'बिन पेंदे के लोटे' और दल-बदल का खेल

आजकल राजनीति में पालाबदल का एकतरफा प्रवाह चल रहा है। ताज्जुब की बात यह है कि यह प्रवाह हमेशा विपक्ष से सत्तापक्ष की ओर ही क्यों होता है? इन्हें नेता कहना नीति का अपमान है; ये तो बिना आत्मा के लोटे हैं।

जिन्हें कल तक तड़ीपार, हिटलर या भ्रष्ट कहा जाता था, सत्ता मिलते ही वे अवतारी पुरुष लगने लगते हैं। शर्म और संकोच इन नेताओं के शब्दकोश से मिट चुके हैं। सत्ता पाने के लिए ये अपना थूका हुआ चाटने में भी गुरेज नहीं करते।

प्रचार तंत्र की फौज: कथाकार से लेकर मोटिवेटर तक!

सत्ता के इन भूखों ने अपना एक सुरक्षा कवच तैयार कर लिया है। इसमें बिकाऊ मीडिया, दरबारी कलाकार, कॉर्पोरेट कथाकार और तथाकथित धर्मगुरु शामिल हैं। 'जब धर्मगुरु राजनीति करने लगें और राजनेता धर्म का उपदेश देने लगें, तो समझ लेना चाहिए कि लूट की योजना बहुत बड़ी है।' आम जनता को धार्मिक महोत्सवों, भव्य कथाओं और फर्जी राष्ट्रवाद में उलझाकर रखा जाता है ताकि कोई महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा जैसे बुनियादी सवाल न पूछ ले। जो नेता अपनी कुर्सी बचाने के लिए अपनी आत्मा का सौदा कर सकता है, उसे देश बेचने में एक सेकंड भी नहीं लगेगा। अगर हम आज भी धर्म के नशे में नाचते रहे, तो कल हमारे बच्चों का भविष्य चंद पूंजीपतियों की तिजोरियों में कैद होगा। महानगर मेट्रो की अपील: धर्म को दिल में रखिए, लेकिन दिमाग में रोटी, कपड़ा और मकान का हिसाब रखिए। याद रखिए, ये कुर्सी के भूखे तभी तक ताकतवर हैं, जब तक आप बंटे हुए हैं। बड़ा सवाल: क्या आप मंदिर-मस्जिद की बहस में उलझकर अपने बच्चों के स्कूल और अस्पताल की बलि देने को तैयार हैं? अपनी राय हमें साझा करें।

चुनावी 'रेवड़ी' या अर्थव्यवस्था की बर्बादी ? जनता पूछ रही है—'साहब, पैसा आएगा कहाँ से?'

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

अहमदाबाद। देश की राजनीति में इन दिनों 'मुफ्त' योजनाओं की बाढ़ सी आ गई है। कहीं महिलाओं के खाते में सीधे 10,000 रुपये भेजने का वादा किया जा रहा है, तो कहीं छात्राओं को मुफ्त स्कूटी देने जैसे लुभावने ऑफर सामने रखे जा रहे हैं। लेकिन इस चुनावी चमक-धमक के बीच एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है, जिसे खास तौर पर आत्मनिर्भरता में विश्वास रखने वाला गुजराती समाज पुरजोर तरीके से उठा रहा है।

हमें मुफ्त की 'रेवड़ी' नहीं, ठोस नीति चाहिए!

गुजरात के मेहनतकश नागरिकों और जागरूक करदाताओं का स्पष्ट मानना है कि सरकारें जो 'मुफ्त' बांटने का दावा करती हैं, वह पैसा उनका अपना नहीं, बल्कि आम जनता की जेब से टैक्स के रूप में वसूला गया धन है।

जनता का सवाल सीधा है:

'हमें मुफ्त की रेवड़ी नहीं चाहिए। हमें ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर और माहौल चाहिए जहाँ हम खुद कमा सकें। सरकारें कर्ज लेकर खैरात बांट रही हैं, जिसका बोझ अंततः आने वाली पीढ़ियों पर ही पड़ेगा। '

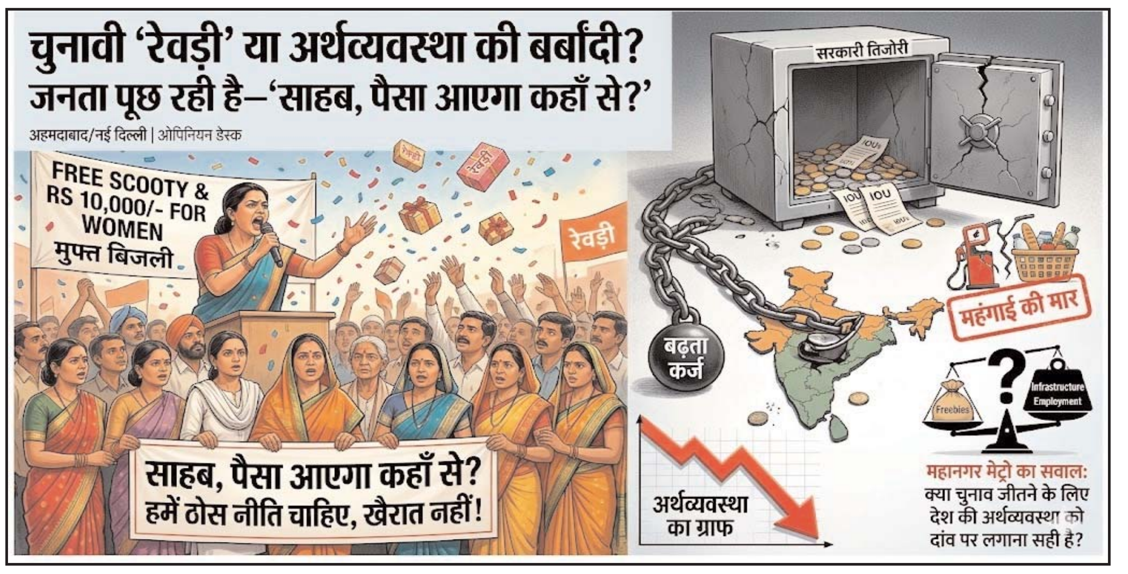

बजट का गणित: दावे हजार, तिजोरी खाली?

राजनीतिक दल चुनावों के दौरान जो बड़े-बड़े वादे करते हैं, उनकी जमीनी हकीकत कई सवाल खड़े करती है।

बिहार का उदाहरण: अगर हर महिला के खाते में 10,000 रुपये डाले जाएं, तो राज्य के बजट का एक बड़ा हिस्सा केवल इसी योजना में खत्म हो सकता है।

स्कूटी और गैजेट्स: मुफ्त स्कूटी जैसे वादे सुनने में आकर्षक लगते हैं, लेकिन क्या राज्यों के पास इतना सरप्लस बजट है, या फिर यह और अधिक कर्ज लेने की तैयारी है?

महानगर मेट्रो का कड़ा विश्लेषण

आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि कई राज्य पहले से ही लाखों करोड़ के कर्ज में दबे हुए हैं। ऐसे में मुफ्त योजनाओं के लिए पैसा कहाँ से आएगा? इसके केवल तीन ही रास्ते बचते हैं–

1. महंगाई की मार: पेट्रोल, डीजल और जरूरी चीजों पर टैक्स बढ़ाना।
2. कर्ज का जाल: विकास कार्यों को रोककर भारी ब्याज पर कर्ज लेना।
3. बुनियादी ढांचा ठप्प: स्कूल, अस्पताल और सड़कों के रखरखाव के बजट में कटौती करना।

जनता का फैसला: स्वाभिमान बनाम मुफ्तखोरी

आज का जागरूक नागरिक समझ चुका है कि 'मुफ्त' कुछ भी नहीं होता। जब कोई पार्टी मुफ्त बिजली या नकद राशि का वादा करती है, तो वह असल में जनता के विकास के अवसर छीन रही होती है।

महानगर मेट्रो का सवाल यह है कि क्या चुनाव जीतने के लिए देश की अर्थव्यवस्था को दांव पर लगाना सही है? क्या मतदाताओं को लुभाने के लिए सरकारी तिजोरी का इस्तेमाल किसी 'रिश्वत' की तरह नहीं किया जा रहा? आपका क्या मानना है? क्या विकास के बदले मुफ्त योजनाओं का यह मॉडल देश को श्रीलंका जैसी आर्थिक बदहाली की ओर ले जा रहा है? अपनी राय हमें लिखें।

— पवन माकन
ग्रुप एडिटर, धानी मीडिया

परिवर्तन संसार का नियम है, लेकिन रोजगार के सवालों का क्या? AMC ने पिछले 5 वर्षों में कितने अमदावादियों को दी सरकारी नौकरी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद: 'परिवर्तन संसार का नियम है' - यह उक्ति आज के दौर में शासन और प्रशासन दोनों पर सटीक बैठती है। एशिया की सबसे धनी नगर पालिकाओं में शुमार अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (AMC) के आंकड़ों और प्रशासनिक पारदर्शिता पर अब जनता सवाल उठा रही है। विशेष रूप से शिक्षित बेरोजगार युवा पूछ रहे हैं कि पिछले 5 वर्षों में नगर निगम प्रशासन द्वारा कितनी स्थायी सरकारी नौकरियां दी गईं?

भर्ती के दावे और जमीनी हकीकत

पिछले पांच वर्षों में AMC द्वारा स्वास्थ्य विभाग, इंजीनियरिंग शाखा और फायर ब्रिगेड में भर्ती के लिए विज्ञापन तो जारी किए गए, लेकिन उनमें से कई प्रक्रियाएं अंततः अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) पद्धति या आउटसोर्सिंग की भेंट चढ़ गईं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, हजारों पद खाली होने के बावजूद स्थायी नियुक्तियों का आंकड़ा उम्मीद से बेहद कम रहा है। जैसे-जैसे शहर का दायरा और आबादी बढ़ रही है, वैसे-वैसे प्रशासनिक स्टाफ में कमी आना गंभीर चिंता का विषय है।

परिवर्तन की लहर और युवाओं की निराशा

अहमदाबाद के 'स्मार्ट सिटी' प्रोजेक्ट्स और बुनियादी ढांचे पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जो निश्चित रूप से एक सकारात्मक बदलाव है। लेकिन युवाओं के लिए वास्तविक 'परिवर्तन' तब माना जाएगा जब उन्हें सुरक्षित और स्थायी रोजगार मिलेगा। वर्तमान में नगर निगम के अधिकांश कार्य निजी एजेंसियों को सौंपे जा रहे हैं, जिससे सरकारी नौकरी की उम्मीद रखने वाले मध्यम वर्गीय युवाओं में भारी निराशा देखी जा रही है।

जनता का तीखा सवाल: स्मार्ट टैक्स वसूली, तो भर्ती में देरी क्यों?

'महानगर मेट्रो' के माध्यम से अमदावादी यह सवाल पूछ रहे हैं कि यदि टैक्स की वसूली स्मार्ट तरीके से हो रही है, तो भर्ती प्रक्रिया में इतना विलंब क्यों? क्या परिवर्तन केवल सड़कों और पुलों तक ही सीमित रहेगा या आने वाली पीढ़ी को आर्थिक सुरक्षा भी मिलेगी? प्रशासन को अब स्पष्ट आंकड़ों के साथ जवाब देना होगा कि वास्तव में कितने स्थानीय युवाओं को नगर निगम में गरिमापूर्ण रोजगार प्राप्त हुआ है।

'अस्तित्व' का अधिकार और नारीवाद की गहरी समझ - क्या हम आज भी शिक्षा को योग्यता का पैमाना मानते हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। भारतीय संविधान केवल कानूनों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह करोड़ों वंचितों और महिलाओं के आत्मसम्मान का घोषणापत्र है। आज जब हम आधुनिक समाज की बात करते हैं, तो अक्सर संविधान सभा की उन 15 दिग्गज महिला सदस्यों के संघर्ष को भूल जाते हैं, जिन्होंने भारत के भविष्य की नींव रखी थी। हंसा मेहता और दक्षायणी वेलायुधन जैसी महान विभूतियों ने उस दौर में जो दलीलें दी थीं, वे आज भी 'सामाजिक मनोविज्ञान' के लिए एक बड़ी चुनौती हैं।

शिक्षा नहीं, 'अस्तित्व' ही अधिकार का आधार है

संविधान निर्माण के समय इन महिला सदस्यों ने एक ऐतिहासिक रुख अपनाया था। उनका स्पष्ट मानना था कि भारतीय महिलाओं को अधिकार केवल इसलिए नहीं मिलने चाहिए कि वे 'शिक्षित' हैं, बल्कि इसलिए मिलने चाहिए क्योंकि उनका अपना एक 'अस्तित्व' है। शिक्षा योग्यता हो सकती है, लेकिन मानवाधिकारों के लिए कोई पूर्व शर्त नहीं होनी चाहिए।

दक्षायणी वेलायुधन: लोकतंत्र की जमीनी परिभाषा

अनुसूचित जाति से पहली स्नातक महिला और संविधान सभा की सदस्य दक्षायणी वेलायुधन ने तर्क दिया था कि यदि हम जाति या शिक्षा के आधार पर भेदभाव जारी रखेंगे, तो लोकतंत्र कभी भी समाज की अंतिम पायदान तक नहीं पहुंचेगा। उनका यह विचार आज के 'समावेशी नारीवाद' की सबसे सटीक व्याख्या है। सच्चा नारीवाद वही है जो जाति, वर्ग या डिग्री की परवाह किए बिना हर महिला की 'निर्णय लेने की शक्ति'का सम्मान करे।

मनोवैज्ञानिक पहलू: हमारे भीतर का 'पुरुषवादी' चश्मा

मनोविज्ञान कहता है कि जब एक महिला दूसरी महिला की क्षमता पर संदेह करती है या उसे शिक्षा और वर्ग के आधार पर कमतर आंकती है, तो वह अनजाने में अपने भीतर छिपी 'पुरुषवादी मानसिकता' को ही पोषित कर रही होती है। यह 'इंटरनलाइज्ड पैट्रियार्की' का वह रूप है जो महिलाओं को ही महिलाओं के खिलाफ खड़ा कर देता है।

महानगर मेट्रो का दृष्टिकोण:

आज जरूरत इस बात की है कि हम नारीवाद को केवल किताबी परिभाषाओं से बाहर निकालें। जब तक हम समाज की सबसे पिछड़ी महिला के निर्णय लेने के अधिकार को स्वीकार नहीं करेंगे, तब तक संविधान सभा की उन 15 महिलाओं का सपना अधूरा रहेगा। समाज का मनोवैज्ञानिक विकास तभी संभव है जब हम हर व्यक्ति को उसके 'होने' मात्र से ही सम्मान दें, न कि उसकी डिग्री से।

जनता की आवाज, बेबाक अंदाज— देखते रहें 'महानगर मेट्रो'

भूपत भायाणी AAP विधायक से BJP 'कॉर्पोरेटर' उम्मीदवार तक! सेवा या सिर्फ सत्ता का मोह?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट/जूनागढ़ : गुजरात की राजनीति में 'आया राम, गया राम' की परंपरा नई नहीं है, लेकिन विसावदर के पूर्व विधायक भूपत भायाणी का राजनीतिक सफर एक बार फिर चर्चाओं के केंद्र में है। आम आदमी पार्टी के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतने वाले भायाणी अब भारतीय जनता पार्टी के झंडे तले स्थानीय निकाय चुनाव में कॉर्पोरेटर उम्मीदवार के तौर पर नजर आने की चर्चा में हैं। इस राजनीतिक यू-टर्न ने मतदाताओं के बीच कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विधायक की कुर्सी छोड़ी, अब पार्षद की आस!

भूपत भायाणी ने जब विसावदर से 'झाड़ू' के निशान पर जीत दर्ज की थी, तब इसे एक बड़ी राजनीतिक क्रांति माना गया था। लेकिन कुछ ही समय बाद उन्होंने 'अंतरात्मा की आवाज' का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया और भगवा खेमे का दामन थाम लिया।

सवाल साख का: एक नेता जो पूरे विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था, वह अब एक वार्ड तक सीमित होने को तैयार है? क्या यह जनता के भरोसे के साथ खिलवाड़ नहीं है?

पाले बदलने का खेल: विपक्ष से सत्तापक्ष की ओर बहने वाली यह एकतरफा गंगा क्या वाकई क्षेत्र के विकास के लिए है, या फिर यह व्यक्तिगत राजनीतिक सुरक्षा का कवच है?

महानगर मेट्रो का कड़ा विश्लेषण: 'बिना पेंदे के लोटे' या 'मजबूत रणनीति'?

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भायाणी का यह कदम उनकी राजनीतिक साख बचाने की कोशिश है या भाजपा की कोई बड़ी रणनीतिक चाल।

1. **विचारधारा का वस्त्र:** कल तक जो भाजपा की नीतियों को कोसते थे, आज वही उन्हीं नीतियों के गुणगान कर रहे हैं। क्या जनता इतनी भोली है कि वह इस हृदय परिवर्तन के पीछे की असलियत नहीं समझती?
2. **कार्यकर्ताओं की नाराजगी:** भाजपा के पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ता जो वर्षों से वार्ड स्तर पर मेहनत कर रहे थे, उनके ऊपर एक 'आयाती' नेता को थोपना पार्टी के भीतर भी असंतोष की चिंगारी भड़का सकता है।

जनता की अदालत: क्या मिलेगा जवाब ?

मतदाताओं का कहना है कि जब कोई नेता अपना दल बदलता है, तो वह केवल पार्टी नहीं बदलता, बल्कि उन हजारों लोगों के वोट और विश्वास को भी बदल देता है, जिन्होंने एक विशेष विचारधारा के लिए उसे चुना था।

'विधायक बनकर जो काम विसावदर के लिए नहीं कर सके, क्या वह अब एक कॉर्पोरेटर बनकर कर पाएंगे? या फिर यह सिर्फ सत्ता की मलाई चाटने की एक और जुगत है? '

लोकतंत्र का मजाक या मजबूरी ?

भूपत भायाणी का यह चुनावी दांव यह साबित करता है कि आज की राजनीति में 'नीति' गौण होती जा रही है और सत्ता प्राथमिक। अगर मतदाता इन पालाबदलुओं को सबक नहीं सिखाते, तो भविष्य में कोई भी नेता जनता के जनादेश का सम्मान नहीं करेगा।

महानगर मेट्रो का सवाल: क्या आप ऐसे नेताओं पर दोबारा भरोसा करेंगे, जो अपनी कुर्सी के लिए बार-बार वफादारी बदल देते हैं?

डोंगरगढ़ स्कूल में छात्र से मारपीट: शिक्षिका गिरफ्तार, दूसरी फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित खालसा पब्लिक स्कूल डोंगरगढ़ में कक्षा 7वीं के छात्र के साथ कथित मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। घटना में छात्र की सुनने की क्षमता स्थायी रूप से प्रभावित होने का आरोप है। पुलिस ने एक शिक्षिका को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी सुधाकर सहारे (49), निवासी मिसीयाबाड़ा, डोंगरगढ़ ने थाना डोंगरगढ़ में शिकायत दर्ज कराई कि उनका पुत्र सार्थक सहारे 2 जुलाई 2025 को स्कूल गया था। कक्षा के दौरान एस.एस.टी. की पुस्तक निकालने में देरी होने पर क्लास टीचर नम्रता साहू नाराज हो गई और इंचार्ज शिक्षिका प्रियंका सिंह को बुलाया।

आरोप है कि इसके बाद इंचार्ज शिक्षिका प्रियंका सिंह ने छात्र के दोनों कानों पर थप्पड़ मारे, जिससे उसे गंभीर चोट आई और उसकी सुनने की शक्ति प्रभावित हो गई। मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 574/2025 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 117(2), 117(3) और 3(5) के तहत कार्रवाई शुरू की।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश और अधिकारियों के मार्गदर्शन में जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी शिक्षिका प्रियंका सिंह को 11 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। वहीं, क्लास टीचर नम्रता साहू फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। मामले की जांच जारी है।

'कांग्रेस-मुक्त' का नारा और 'कांग्रेस-युक्त' भाजपा— क्या लोकतंत्र को निगल रहा है सत्ता का मोह?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद : एक समय था जब भारतीय जनता पार्टी 'कांग्रेस-मुक्त भारत' का संकल्प लेकर आगे बढ़ी थी, लेकिन आज की राजनीति की तस्वीर कई नए सवाल खड़े कर रही है। मौजूदा हालात में यह चर्चा तेज है कि भाजपा अब खुद 'कांग्रेस-युक्त' होती जा रही है। बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्ता की भूख इतनी बढ़ गई है कि विपक्षी विचारधारा को खत्म करने के लिए साम, दाम, दंड और भेद– हर हथकंडा जायज माना जाने लगा है?

एजेंसियों का डर या हृदय परिवर्तन?

देश की जनता के बीच यह चर्चा आम है कि जो नेता कल तक भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिरे थे, भाजपा की 'वाशिंग मशीन' में आते ही वे बेदाग कैसे नजर आने लगते हैं।

सीबीआई और ईडी का चक्रव्यूह: आरोप यह भी लग रहे हैं कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल केवल विपक्ष को तोड़ने के लिए किया जा रहा है। जो नेता घुटने टेक देता है, वह सत्ता का हिस्सा बन जाता है और जो सरेंडर नहीं करता, उसके खिलाफ कार्रवाई तेज हो जाती है। दबाव की राजनीति: क्या यह लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा है? एक मजबूत लोकतंत्र के लिए एक मजबूत विपक्ष जरूरी माना जाता है, लेकिन सवाल उठ रहा है कि क्या सरकार विपक्ष को पूरी तरह खत्म कर एकतंत्रीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है?

भ्रष्टाचार की नई परिभाषा: अपनों पर मेहरबानी, गैरों पर वार!

एक तरफ भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने की बातें होती हैं, तो दूसरी तरफ सरकार के कई मंत्रियों पर बड़े-बड़े घोटालों के आरोप लगते रहते हैं।

1. **जनता के पैसे की बर्बादी:** करोड़ों-अरबों रुपये के प्रोजेक्ट्स और योजनाओं में धांधली की खबरें आती हैं, लेकिन जांच की आंच अपनों तक पहुंचते ही ठंडी पड़ जाती है।
2. **सत्ता का दुरुपयोग:** क्या सत्ता का मतलब केवल अपनी तिजोरियां भरना और विरोधियों को कुचलना रह गया है? जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा विकास के बजाय राजनीतिक जोड़-तोड़ में बर्बाद होने की चर्चा है।

महानगर मेट्रो का सीधा सवाल: जनता को जवाब चाहिए!

आज देश का आम नागरिक ठगा हुआ महसूस कर रहा है। वह पूछ रहा है– क्या देश में विपक्ष का होना अपराध है? अगर सभी भ्रष्ट नेता भाजपा में शामिल होकर 'पवित्र' हो जाते हैं, तो फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का ढोंग क्यों? क्या आने वाली पीढ़ियों को हम ऐसा लोकतंत्र देंगे, जहाँ सवाल पूछने वालों के लिए केवल जेल की दीवारें होंगी? 'लोकतंत्र तभी तक जिंदा है, जब तक जनता सवाल पूछती है। जिस दिन सवाल बंद हो जाएंगे, उस दिन केवल तानाशाही बचेगी। '

वक्त है जागने का...

अगर हम आज भी सत्ता के इस नशे और एजेंसियों के इस खेल पर खामोश रहे, तो याद रखिए कि देश की संपत्ति और स्वाभिमान दोनों को ये कुर्सी के भूखे नेता नुकसान पहुंचा सकते हैं। जनता को अब यह तय करना होगा कि उन्हें 'कांग्रेस-मुक्त' या 'कांग्रेस-युक्त' भारत चाहिए, या एक ऐसा 'भ्रष्टाचार-मुक्त' भारत जहाँ कानून सबके लिए बराबर हो।

खाकी कवर: प्रमोद महाजन हत्याकांड— सगा भाई, खूनी मंशा और वो 3 गोलियां!

सत्ता के शिखर से सगे भाई की गोली तक: प्रमोद महाजन हत्याकांड की अनसुलझी गुत्थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/अहमदाबाद । शनिवार की वह मनहूस सुबह। मुंबई के वर्ली इलाके की 'पूर्णा' बिल्डिंग के 15वें माले पर स्थित आलीशान फ्लैट में सन्नाटा पसरा था। भाजपा के चाणक्य और भारत को डिजिटल क्रांति की राह दिखाने वाले प्रमोद महाजन सुबह अखबार पढ़ रहे थे। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि अगले ही पल उनकी पीठ के पीछे मौत खड़ी है–और वह मौत कोई दुश्मन नहीं, बल्कि उनका अपना सगा भाई प्रवीण महाजन था। 22 अप्रैल 2006 की सुबह प्रवीण महाजन ने पारिवारिक विवाद के बीच अपने भाई पर गोलियां चला दी थीं।

7:30 बजे की वह खौफनाक वारदात

सुबह करीब साढ़े सात बजे प्रवीण महाजन अचानक घर में दाखिल हुआ। कुछ देर की कहासुनी के बाद पूरा इलाका गोलियों की गूंज से दहल उठा। प्रवीण ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से एक के बाद एक गोलियां अपने ही भाई के सीने में उतार दीं। रिपोर्ट्स के अनुसार चार गोलियां चलाई गई थीं, जिनमें से तीन ने गंभीर रूप से प्रमोद महाजन को घायल कर दिया। वह खून से लथपथ होकर गिर पड़े और देश की राजनीति का सबसे चमकता सितारा पल भर में अंधेरे में डूब गया।

अदालत में भाई की 'विस्फोटक' और 'अश्लील' जुबानी

इस हत्याकांड ने पूरे देश को सुन्न कर दिया था, लेकिन मुकदमे के दौरान जो खुलासे हुए, उन्होंने रिश्तों की गरिमा को तार-तार कर दिया। प्रवीण महाजन ने अदालत में कई ऐसे बयान दिए, जिन्हें संवेदनशील मानते हुए इन-कैमरा रिकॉर्ड किया गया।

संपत्ति का विवाद या अहंकार?

प्रवीण का दावा था कि प्रमोद उन्हें छोटा और मामूली समझते थे। पुलिस चार्जशीट में भी injured ego और आर्थिक असंतोष को हत्या की मुख्य वजहों में बताया गया।

आरोप या षड्यंत्र? प्रवीण ने अपने बयान में प्रमोद महाजन के निजी जीवन को लेकर कई गंभीर और विवादित आरोप लगाए, जिनसे मुकदमे ने सनसनीखेज मोड़ ले लिया।

बड़ा सवाल: क्या प्रवीण महज एक सिरफिरा कातिल था या वह किसी गहरे राजनीतिक षड्यंत्र का मोहरा? यह सवाल आज भी इस केस की सबसे रहस्यमयी परतों में शामिल है।

महानगर मेट्रो विशेष:
बीजेपी के 'चाणक्य' का अंत

प्रमोद महाजन केवल एक नेता नहीं थे, वे भाजपा के संकटमोचक और आधुनिक भारत की टेलीकॉम क्रांति के प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते थे। अटल-आडवाणी युग के बाद उन्हें प्रधानमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जाता था। लेकिन एक भाई की नफरत ने भारतीय राजनीति का एक बड़ा अध्याय हमेशा के लिए खत्म कर दिया। 13 दिनों तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद 3 मई 2006 को उनका निधन हो गया।

क्या थी उस कत्ल की असली वजह?

आज भी 'खाकी कवर' की फाइलें उन सवालों से भरी हैं, जिनका मुकम्मल जवाब शायद प्रवीण के साथ ही चला गया। क्या वह महज एक भाई की ईर्ष्या थी, या प्रमोद महाजन की बढ़ती ताकत किसी की आंखों में खटक रही थी–यह रहस्य आज भी पूरी तरह सुलझ नहीं पाया है । प्रमोद महाजन के निधन के बाद उनके पीए विवेक मोइत्रा की संदिग्ध मौत और महाजन परिवार से जुड़े वे काले साये, जिन्होंने सत्ता के गलियारों को हिला कर रख दिया।

चुनाव रैली में ममता ने भाजपा पर लगाया एक और गंभीर आरोप, जनता को किया आगाह

भाजपा जल्द ही एक 'ऑपरेशन' शुरू करने की योजना बना रही है, आप सावधान रहें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता: मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर एक बड़ी साजिश रचने का आरोप लगाया है। रविवार को एक चुनाव अभियान के दौरान अपनी आशंका व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि चुनावी राज्य बंगाल में रविवार आधी रात से एक 'ऑपरेशन' शुरू होने वाला है। ममता बनर्जी ने ये बातें पूर्व बर्धमान के खंडघोष में प्रचार के दौरान कहीं।

वोटिंग मशीनरी को लेकर विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह

अपनी चिंता व्यक्त करते हुए तृणमूल प्रमुख ने कहा, 'वोटिंग मशीनरी को लेकर बहुत सावधान रहें। यह उनकी योजना है: धीमी वोटिंग और धीमी गिनती। शुरुआत में, वे ऐसा दिखाएंगे जैसे भाजपा जीत रही है। आप अच्छी तरह समझ सकते हैं कि हम किस तरह के विपक्ष का सामना कर रहे हैं। कई लोगों को गिरफ्तार करने की कोशिशें की जा रही हैं। हमें खुफिया जानकारी मिली है कि यह 'ऑपरेशन' आज आधी रात से शुरू होगा। अगर टीवी चैनल भाजपा को आगे दिखाते हैं, तो समझ लें कि वे झूठ फैला रहे हैं।' उन्होंने आत्मविश्वास के साथ यह भी घोषणा की, 'हम जीतेंगे। दुनिया की कोई भी ताकत हमें हरा नहीं सकती। तृणमूल विजयी होगी। गौरतलब है कि ममता बनर्जी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के साथ संभावित छेड़छाड़ को लेकर बार-बार चिंता जताती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने इस बार भी अपने चुनावी भाषणों में इन चिंताओं को दोहराया। इसके अलावा, उन्होंने वोटिंग में धांधली की आशंका भी जताई। आज ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा वोट खरीदने के लिए पैसे बांट रही है। उन्होंने लोगों को यह भी सलाह दी कि वे किसी के भी साथ अपने बैंक खाते की जानकारी साझा न करें।

इस मामले पर अपनी आशंका जताते हुए ममता ने चेतावनी दी, 'वे उन खातों में जमा सारा पैसा निकाल लेंगे। उसके बाद, वे उनमें 'काला धन' जमा करेंगे और फिर जांच के लिए ईडी और सीबीआई को भेज देंगे। बाहर कई विरोधी घात लगाकर बैठे हैं। उन्हें अनदेखा करें, भले ही वे दावा करें कि वे मेरी ओर से काम कर रहे हैं। '

अगर कोयला मंत्रालय आपके पास है, तो तृणमूल चोर कैसे हुई?

ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कोयला मंत्रालय केंद्र सरकार के पास है, फिर भी वे तृणमूल कांग्रेस सरकार को कोयला चोर कहते हैं। उन्होंने सीधे केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा, 'अगर कोयले के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, तो हमारे पार्टी के सदस्य चोर कैसे हो गए? आपके अपने पार्टी के नेता और मंत्री कोयले के करोड़ों रुपये ले रहे हैं। आप इसे नजरअंदाज कर रहे हैं और हमें चोर बना रहे हैं। जनता सब देख रही है और अपने वोटों का इस्तेमाल करके आपकी पार्टी के नेताओं को बंगाल से बाहर खदेड़ देगी। '

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)	आज का दिन फायदेमंद रहेगा। सामाजिक दायराबढ़ेगा व मान सम्मान में वृद्धि होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।	वृष TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो)	आज आप खुद को उजार्वान महसूस करेंगे। जीवनसाथी को किसी कार्य में सफलता मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।
मिथुन GEMINI (का की कू घ ड़ छ के को हा)	आज ऑफिस में काम का प्रेशर थोड़ा बढ़ सकता है। आप कुछ ऐसे मामलों में भी पड़ सकते हैं, जिनका समाधान निकालने में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।	कर्क CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)	किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा में बदलाव ला सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है।
सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)	आज कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुलेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की मदद मिलने से आपको फायदा होगा।	कन्या VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)	आज परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। अपने काम के लिये दूसरों को सहमत कराने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। कुछ जरूरी निर्णय आपको फायदा दिला सकते हैं।
तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते)	आज परिवार वालों के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिलेगा। आपकी सभी परेशानियाँ दूर होंगी। किसी काम से थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।	वृश्चिक SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू)	आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आयेंगे, आप पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल होंगे। शाम को बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे।
धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)	आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ होगा, आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के सिविल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है।	मकर CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)	आज पहले किये गये काम में मेहनत का बेहतर परिणाम हासिल होगा। ऑफिस का खुशनुमा वातावरण आपके मन को उत्साह से भर देगा।
कुंभ AQUARIUS (गु गो सा सी सू से सो दा)	आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद रहेंगे। अगर आप किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा।	मीन PISCES (दी दु थ झ ञ दे दो चा ची)	आज किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आज घर पर अचानक से कोई मेहमान आ सकता है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है, आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्र्बारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (self-reflection) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीँ ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और खत्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृश्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए खत्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को द्रुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इजराइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है–और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए–जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स–मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों–का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फिल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है। इसलिए भारत को गर्व करना चाहिए कि भारत की धरती पर भगवान का जन्म राम के रुप में हुआ इसलिए यहाँ की मिट्टी में अपने प्रभु राम के चरणों से हरियाली है और उसी मिट्टी में पंचतत्व का शरीर राम नाम सत्य के नाम से ईश्वर को पाने की लालसा रखता है इसलिए हम किसी दूसरे के झगड़े में क्यों अपना समय बर्बाद करें होशियार आदमी को समझाया जा सकता है लेकिन मुर्ख को नहीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति सबसे उत्कृष्ट है जिसे स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सिद्ध किया अब खबर ऐ आई है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा रहा क्या फिर युद्ध की आग में निर्दोष लोग मारे जायेंगे।

संपादकीय

युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर

अमरीका-ईरान में युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर है। जिंदा है, सांस चल रही है, लेकिन कभी भी दम तोड़ सकता है। यह युद्धविराम के मात्र दो दिन का सारांश है। यदि इन दोनों देशों के बीच शांति-समझौता नहीं हो पाया अथवा युद्धविराम 'ईमानदार' ही नहीं रहा, तो उसके बाद 'महाविनाश का युद्ध' लगभग तय मानना चाहिए, क्योंकि अमरीका के विराट युद्धपोत, लड़ाकू विमान, मिसाइलें, ड्रोन समेत सैनिक मध्य-पूर्व में ही मौजूद हैं। युद्धविराम के कुछ ही घंटों में इजरायल ने लेबनान के कुछ शहरों में, 10 मिनट के अंतराल में ही, करीब 160 बम बरसाए, नतीजतन 303 से अधिक मासूम, बेगुनाह लोग मारे गए और 1500 से अधिक घायल हुए। इनके अलावा, बहुमंजिला इमारतें ध्वस्त कर दी गईं। यह सरकारी डाटा है। लेबनान की सडकों पर हृदयविदारक चीख-पुकार ने मन के भीतर बार-बार सवाल पैदा किए कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू 'सामूहिक नरसंहार' पर आमादा क्यों हैं? क्या वह मनुष्य नहीं हैं? अथवा एक राक्षस ने मनुष्य का मुखौटा पहन रखा है? यदि ऐसे नरसंहारों के प्रभाव में नेतन्याहू चुनाव जीत कर फिर प्रधानमंत्री बन जाते हैं, तो मानवता उस पर थूकती है। वक्त इस हत्यारे का भी आएगा, जब लाश बनने में कुछ पल ही लगेंगे! इजरायल भारत का मित्र-देश है, लेकिन भारत नरसंहारों को कभी भी समर्थन नहीं देता। सवाल यह नहीं है कि युद्धविराम की परिधि में लेबनान है या नहीं है। चिंता और सरोकार यह है कि इस नरसंहार के बाद युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर पहुंच गया है। ईरान तिलमिला उठा है। ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ का मानना है कि युद्धविराम के 10 सूत्रों में से 3 सूत्रों का घोर उल्लंघन हुआ है, लिहाजा किसी शांति-वार्ता या समझौते का कोई मतलब नहीं रहा है। ईरान का आरोप है कि अमरीका इजरायल के जरिए जंग में है और जंगबंदी का ऐलान किया गया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, खासकर यूरेनियम के संवर्धन और अंततः परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बनने के सबसे अहम मुद्दे पर अमरीका-ईरान के दरमियान विरोधाभास पूर्ववत हैं।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है। वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता है। ब्रह्मांड का महान से महानतम पुरुष भी भक्त के लिए क्षुद्र चींटी से अधिक महत्वपूर्ण नहीं होता।

आशा भोसलेः सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी।

सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत 'चला चला नव बाल' गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरूआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, गजल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी।

अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दर्शाता है।

यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

जलियांवाला बागः आजादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताकत अंग्रेजों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हजार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।

किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया–फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉड्‌र्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हजारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।

इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेजों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेजी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आजादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आजादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार जरूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मजबूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आजादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

(लेखक पत्रकार हैं)

जलती चिता से हुक्का भरता नजर आया युवक! हापुड़ के इस वीडियो से लोगों में फैला आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड। ईवीएम हापुड़ का एक वीडियो इनदिनों सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा में है। इस वीडियो में एक युवक श्मशान घाट पर जलती हुई चिता के पास बैठकर गोबर के कंडे निकालकर अपने हुक्के में भरता दिख रहा है। इस वीडियो के बाद लोगो में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। हालांकि अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह

वीडियो हापुड़ के किस गांव या स्थान का है, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे हापुड़ का ही बताया जा रहा है। वीडियो के सामने आते ही लोगों में आक्रोश फैल गया और जमकर आलोचना शुरू हो गई। कई यूजर्स ने इसे अमानवीय और असंवेदनशील हरकत बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

इलाके के लोगों ने जताई नाराजगी

स्थानीय लोगों ने भी इस घटना पर नाराजगी जताई है। शहर कोतवाली क्षेत्र के निवासी अरविंद का कहना है कि उपले इतने महंगे भी नहीं हो गए कि कोई जलती चिता से निकालकर हुक्का भरे। वहीं रमेश सैनी ने कहा कि गांवों में तो लोग आसानी से उपले मुफ्त में दे देते हैं और शहर में भी यह बहुत सस्ते मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि श्मशान घाट जैसे पवित्र और संवेदनशील स्थान पर इस तरह का व्यवहार समाज की भावनाओं को आहत करने वाला है और ऐसे युवक का पता लगाकर उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए।

पुलिस प्रशासन ने जताई अनभिज्ञता

वहीं, पुलिस प्रशासन ने इस मामले में फिलहाल अनभिज्ञता जताई है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वीडियो कहां का है और इसमें दिख रहा युवक कौन है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। में छेड़छाड़ को लेकर दी चेतावनीवायरल वीडियो की जांच की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वीडियो कहां का है और इसमें दिख रहा युवक कौन है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। में छेड़छाड़ को लेकर दी चेतावन है कि वीडियो कहां का है और इसमें दिख रहा युवक कौन है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

नलकूप की टंकी में डूबकर 3 साल के माधव की चली गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ। अलीगढ़ के गांव आलमपुर कायस्थान में रहने वाला माधव कुछ बच्चों के साथ खेल रहा था। इस दौरान वह नलकूप की तरफ चला गया। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एक दुखद घटना सामने आई है। तीन वर्षीय एक मासूम अन्य बच्चों के साथ खेलते हुए पानी के टैंक में जा गिरा। नलकूप के टैंक में पानी भरा हुआ था, जिसमें डूबने से बच्चे की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है।यह घटना अतरौली कोतवाली क्षेत्र के आलमपुर कायस्थान गांव की है। 11 अप्रैल की शाम एक नलकूप के टैंक में डूबने से तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। गांव निवासी प्रवीण कुमार मजदूरी करते हैं। उनका तीन वर्षीय बेटा माधव उर्फ कान्हा गांव के बच्चों के साथ खेलते हुए घर से कुछ दूरी पर स्थित नलकूप पर पहुंच गया।खेलते समय माधव नलकूप के टैंक में गिर गया,जिसमें पानी भरा हुआ था।

नलकूप मालिक ने मचाया शोर

ग्रामीणों ने बताया कि हादसे के वक्त नलकूप के मालिक राजवीर सिंह उस समय अपने खेत में सिंचाई कर रहे थे। जब वह नलकूप पर पहुंचे, तो उन्होंने माधव को पानी की कुंडी में पड़ा देखा। उन्होंने तुरंत शोर मचाया और बच्चे को आनन-फानन बाहर निकाला।

गांव में मातम का माहौल

घटनास्थल पर परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में इक्कठा हो गए। मासूम बच्चे को तत्काल अस्पताल ले जाया गया,जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। माधव अपनी दो बहनों के बीच इकलौता भाई था। इस हादसे के बाद मासूम बच्चे के परिवार और पूरे गांव में मातम छा गया है।

'मज़ार पर कलमा, मस्ज़िद में धर्मांतरण', Love Trap में फंसा कांस्टेबल...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। बागपत से लव जिहाद का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. जहां डायल 112 में तैनात कांस्टेबल को एक महिला ने प्रेम जाल में फंसा लिया. फिर उसका धर्म परिवर्तन करा लिया. इसके बाद कांस्टेबल से रुपये मांगे गए. वहीं नहीं देने पर FIR भी दर्ज करा दी गई.

बागपत में लव ज़िहाद का ऐसा मामला सामने आया जिसका शिकार कोई लड़की नहीं बल्कि लड़का हुआ है. 'लव, ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन' के इस सनसनीखेज मामले ने लोगों को हैरान कर दिया है. डायल-112 पर तैनात एक कांस्टेबल ने एक महिला पर प्रेमजाल में फंसाकर मज़ार में कलमा और मस्जिद में धर्म परिवर्तन कराने, ब्लैकमेल करने और लाखों रुपये वसूलने का गंभीर आरोप लगाया है. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है. दरअसल कोतवाली खेकड़ा में दर्ज कराई गई शिकायत में कांस्टेबल श्रीकांत ने आरोप लगाया है कि उसकी मुलाकात दिल्ली के खानपुर निवासी मुबबसरीन उर्फ हिना से हुई थी. दोनों की मुलाकात जल्द ही प्रेम संबंध में बदल गया और वह उसके प्रभाव में आ गया. जिसके बाद वह उससे मिलने दिल्ली चला गया. इसी दौरान आरोपी महिला ने अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली के अंबेडकर नगर थाने में उसके खिलाफ एक कथित फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया. जिसके चलते उसे जेल भी जाना पड़ा.श्रीकांत का आरोप है कि मुकदमा वापस लेने के नाम पर उसके परिवार से 14 लाख रुपये वसूल लिए गए. जमानत पर रिहा होने के बाद भी आरोपियों ने मुकदमा समाप्त कराने के लिए उस पर लगातार दबाव बनाए रखा. कांस्टेबल श्रीकांत की शिकायत के अनुसार आरोपी महिला हिना ने उसे इस्लाम स्वीकार करने के लिए कहा और दावा किया कि ऐसा करने पर उसका मुकदमा खत्म हो जाएगा. साथ ही उसे आर्थिक और पारिवारिक सहायता मिलेगी. इसके लिए उसे इतना भी कहा गया कि वो भी उसके साथ अच्छे से रहेगी

पैसा डबल करने के नाम पर खपाते थे नकली नोट, बस्ती से 5 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बस्ती में एक फर्जी नोट चलाने वाले बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया गया है. मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और नकली नोटों का बंडल भी बरामद किया गया है.यूपी के बस्ती जिले में पुलिस ने फर्जी नोट चलाने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. संयुक्त अभियान में थाना वाल्टरगंज पुलिस, स्वॉट टीम और सर्विलांस टीम की अहम भूमिका रही.

गिरफ्तार अभियुक्तों में मुस्तफा, नबीउल्लाह, नबीउल्लाह उस्मानी, हबीबुर्रहमान और मणिकांत चौधरी शामिल हैं. पुलिस ने इनके पास से कुल 420000 रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं. जिनमें 500 रुपये के

पांच बंडल, 200 रुपये के पांच बंडल और 100 रुपये के सात बंडल शामिल हैं.

इसके अलावा एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और तीन मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है.

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी संगठित तरीके से नकली नोटों का नेटवर्क चला रहे थे और विभिन्न क्षेत्रों में इन्हें खपाने का काम करते थे. गिरफ्तार आरोपियों में मणिकांत चौधरी रूपनदेही नेपाल का निवासी है. जबकि मुस्तफा और नबीउल्लाह जनपद बलरामपुर, नबीउल्लाह उस्मानी जनपद महाराजगंज और हबीबुर्रहमान जनपद संतकबीर नगर का रहने वाला है.

पूरे मामले का खुलासा अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत ने प्रेसवार्ता कर बताया कि पांच लोग की गिरफ्तारी की गई है. जिसमें उनके पास से 4 लाख बीस हजार के फर्जी नोट रिकवर किए गए हैं. जिनमें 500 की पांच गड्डियां,200 की पांच गड्डियां और 100 की सात गड्डियां शामिल हैं. आरोपियों के पास से तीन बाइक भी बरामद की गई है.ये गिरफ्तारी बक्साई पुल के पास से की गई है. आरोपियों द्वारा ग्रुप बनाकर जनपद बस्ती, संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, अयोध्या, अंबेडकर नगर में घूमा जाता था. ऐसे में यहां के ग्रामीण बैंक को टारगेट किया जाता था.

आरोपी बैंक से बुजुर्गों को पैसे निकालते समय लालच देते थे. आरोपी कहते थे कि हम आपके रुपए डबल कर देंगे. जिसके चलते कुछ लोग उनकी बातों पर विश्वास भी कर लेते थे और इस तरह ये लोग अपनी नकली नोट खपा देते थे.

खेलते-खेलते बड़ा हादसा! दिल्ली में मकान के टैंक में गिरकर 9 साल के बच्चे की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के गोविंदपुरी इलाके में 9 वर्षीय बच्चे की पानी के टैंक में गिरकर मौत हो गई। बच्चे की पहचान श्रेयांश के रूप में हुई है, जो तुगलकाबाद गांव स्थित एमसीडी स्कूल में क्लास 4 का स्टूडेंट था। पुलिस के अनुसार, श्रेयांश के पिता सुरेंद्र तुगलकाबाद गांव के बाजार मोहल्ला में चाय की दुकान चलाते हैं। परिवार में पत्नी, 11 वर्षीय बेटी राशि उर्फ परी और श्रेयांश शामिल थे।

क्या था पूरा मामला

8 अप्रैल को रोज की तरह श्रेयांश स्कूल गया था। दोपहर में पिता दवा लेने गए थे, इसलिए श्रेयांश की बहन उसे स्कूल से लेने पहुंचीं। स्कूल से निकलते समय बहन राशि उसका बैग लेकर आगे चल दी, जबकि श्रेयांश अपने दो दोस्तों के साथ पीछे आ रहा था। घर पहुंचने पर बहन ने सोचा कि श्रेयांश दोस्तों के साथ खेलने रुक गया होगा। कुछ देर बाद जब पिता घर लौटे और बेटे के बारे में पूछा तो तलाश शुरू हुई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

स्कूल से लौटते वक्त टैंक में गिरा बच्चा

दोपहर करीब 1:15 बजे श्रेयांश के साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट साहिल ने घर पहुंचकर बताया कि वह पास के एक निर्माणाधीन मकान में पानी के टैंक में गिर गया है। यह सुनते ही पिता मौके पर पहुंचे। परिजनों के मुताबिक, निर्माणाधीन मकान के अंदर अंधेरा था और कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। टैंक के पास श्रेयांश की चप्पल पड़ी मिली।

राजमिस्त्री का काम करते थे मृतक के पिता

पिता ने लकड़ी के फट्टे के सहारे टैंक में उतरकर बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पिता सुरेंद्र ने बताया कि जिन बच्चों के साथ श्रेयांश खेल रहा था, उनमें से एक के पिता उसी निर्माणाधीन मकान में राजमिस्त्री का काम करते हैं। इसी कारण बच्चे वहां खेलने चले गए थे।

परिवार ने लगाए आरोप

परिजनों का आरोप है कि यदि मौके पर कोई सुरक्षाकर्मी होता या एंट्री रोकने के लिए गेट लगाया गया होता, तो यह हादसा नहीं होता। पुलिस ने बच्चे के पिता की शिकायत पर लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि निर्माणाधीन स्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी के पहलू की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में EV खरीदने का सही समय! सरकार दे रही सब्सिडी और एक्स्ट्रा बोनस का तोहफा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नई दिल्ली:दिल्ली सरकार ने ई-वीकल पॉलिसी-2026 तैयार की है। इसके तहत इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदने पर सब्सिडी, रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में भारी छूट मिलेगी। साथ ही, पुरानी गाड़ियों को स्क्रैप कराने पर आकर्षक इंसेंटिव का प्रावधान भी है। नीति को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए विशेष श्वड्ढ फंड बनेगा। सरकार ने इसे अंतिम रूप देने से पहले इसका ड्राफ्ट जरी करते हुए जनता से सुझाव मांगे हैं, ताकि 'ई-वीकल पॉलिसी 2.0' को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने पर सब्सिडी

इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर कैटिगरी वाइज सब्सिडी मिलेगी। दोपहिया पर 10,000/kWh (अधिकतम 30,000) मिलेगी, ने तीन वर्षों में घटकर 20,000 और 10,000 हो जाएगे। चार पहिया पर पहले साल है। लाख सब्सिडी मिलेगी, जो तीसरे साल तक 50,000 रह जाएगी। जल्दी खरीदारी पर अधिक लाभ मिलेगा।

रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन में भी छूट

सब्सिडी के साथ श्वड्ढ खरीदने पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन में भी छूट मिलेगी। यह छूट 30 लाख तक की गाड़ियों पर मिलेगी। पहली चार स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड गाड़ियों की खरीद पर भी रोड टैक्स व रजिस्ट्रेशन में 50 फीसदी की छूट मिलेगी।

मिलेगा 1 लाख तक का इंसेंटिव

पुरानी गड़ी को स्क्रैप कराने पर 1 लाख तक का इंसेंटिव मिलेगा। हालांकि, यह पहले की 1 लाख गाड़ियों को मिलेगा, जो बीएस-4 या उससे पुरानी होंगी। दोपहिया पर 10,000, तिपहिया पर 25,000, निजी कार पर 1 लाख और मालवाहक पर 50,000 मिलेंगे। इस लाभ के लिए स्क्रैपिंग सर्टिफिकेट मिलने के 6 महीने के अंदर नया श्वड्ढ खरीदना अनिवार्य होगा।

दिल्ली की प्रस्तावित ई वीकल पॉलिसी 2026 पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राजधानी में स्वच्छ सुलभ और मजबूत पब्लिक ट्रांसपोर्ट स्थापित करने की दिशा में अहम कदम है। यह ईवी नीति चार साल के लिए है जो 31 मार्च 2030 तक लागू की जाएगी रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री,दिल्ली सरकार

डिजिटल पोर्टल बनाया जाएगा

चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग के लिए दिल्ली ट्रासको लिमिटेड नोडल एजेंसी होगी। इसके लिए डिजिटल पोर्टल बनेगा। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति योजना, समन्वय और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेगी, जिसमे सभी संबंधित विभाग शामिल होंगे।

दिल्ली में तेज रफ्तार कार का कहर! पिता और बेटी को मारी टक्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली: राजधानी दिल्ली के तिलक नगर इलाके से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. जहां एक बेकाबू कार ने एक पिता और उसकी बेटी को टक्कर मार दी. जिससे पिता गंभीर रूप से घायल हो गए. इस हादसे के वीडियो ने लोगों में भय पैदा कर दिया है.

राजधानी दिल्ली के तिलक नगर इलाके से एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना सामने आई है, जिसने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है. यह हादसा पैसिफिक मॉल के पीछे स्थित सड़क पर हुआ, जहां एक तेज़ रफ्तार और बेकाबू कार ने एक व्यक्ति और उसकी बेटी को टक्कर मार दी.

मिली जानकारी के अनुसार घायल व्यक्ति अपनी बेटी के साथ घर के बाहर किसी काम से निकले थे. तभी अचानक एक कार तेज़ गति से आई और दोनों को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से

घायल हो गए. घटना का पूरा मंजर पास में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

सीसीटीवी के आधार पर जांच में जुटी पुलिस

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायलों की मदद की और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया. डॉक्टरों के मुताबिक दोनों को गंभीर चोटें आई हैं, लेकिन राहत की बात यह है कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है. इस घटना के बाद इलाके के लोगों में गुस्सा और चिंता दोनों देखने को मिल रही है. स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस क्षेत्र में अक्सर वाहन तेज़ रफ्तार से चलते हैं, जिससे इस तरह के हादसों का खतरा बना रहता है.

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी वाहन चालक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है. प्रशासन ने भी लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग की अपील की है. यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि शहर में बढ़ती लापरवाह ड्राइविंग पर कब लगाम लगेगीं?

दिल्ली में बीच सड़क बवाल! रोडरेज में अफसर पर हमला, सुरक्षा पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली । चाणक्यपुरी इलाके में एक मामूली टक्कर के बाद बाइक सवार ने कार चला रहे शख्स पर हेलमेट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घायल की पहचान 55 वर्षीय रविंदर दहिया के रूप में हुई है, जो गृह मंत्रालय में सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गैर इरादतन हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

क्या था पूरा मामला?

पुलिस सूत्रों के अनुसार रविंदर दहिया परिवार के साथ पालम कॉलोनी के राज नगर-1 में रहते हैं और शास्त्री भवन में कार्यरत हैं। घटना 9 अप्रैल की शाम करीब 7:30 बजे की है जब वह ऑफिस से अपनी कार से घर लौट रहे थे। सूत्रों के अनुसार पीड़ित जब विनय मार्ग स्थित पेट्रोल/ष्टहृत्र पंप पर बाईं ओर मुड़े, तभी पीछे से आए एक बाइक सवार ने उनकी कार में बाई ओर टक्कर मार दी। टक्कर मामूली थी और बाइक सवार भी नहीं गिरा, लेकिन इसके बाद विवाद बढ़ गया।

पीड़ित ने लगाए आरोप

शिकायत के मुताबिक, बाइक सवार गाड़ी खड़ी कर पीड़ित के पास आया और गाली-गलौज करने लगा। रविंदर दहिया के अनुसार, आरोपी के मुंह से बदबू आ रही थी। उन्होंने उसे दूरी बनाकर बात करने को कहा, लेकिन वह और उग्र हो गया। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने हाथ में पकड़े हेलमेट से पीड़ित के सिर पर कई वार कर दिए। हमले के चलते पीड़ित मौके पर ही बेहोश होकर गिर गए। पुलिस का कहना है कि वो गंभीरता से मामले की जांच कर रही है।

एयरपोर्ट पर सख्ती! कुत्तों को खाना खिलाने पर लगेगा प्रतिबंध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर: दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने एडवाइजरी कर लोगों से की अपील नई दिल्लीः इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर हाल ही में आवारा कुत्तों से जुड़ी आक्रामक घटनाओं का हवाला देते हुए एयरपोर्ट प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वो एयरपोर्ट परिसर या उसके आसपास, आवारा कुत्तों को खाना ना खिलाएं और उनसे दूरी बनाए रखें। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से शनिवार को ङ्ग पर कुछ विडियो भी पोस्ट किए हैं, जिनमें कुत्तों का यात्रियों के लिए आक्रामक बर्ताव नजर आ रहा है।

घटनाओं के बाद प्रशासन ने लिया एक्शन

एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि यात्रियों और कर्मचारियों के साथ हुई इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कदम उठाए जाएंगे, यात्रियों की सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। संबंधित सरकारी एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं। प्रबंधन के अनुसार, कुछ मामलों में कुत्तों के आक्रामक व्यवहार और काटने की घटनाएं सीसीटीवी फुटेज में भी सामने आई हैं।

एयरपोर्ट से शिफ्ट करे जा रहे कुत्ते

इन घटनाओं ने न केवल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि एयरपोर्ट परिसर की व्यवस्था पर भी ध्यान आकर्षित किया है। इससे पहले पिछले हफ्ते कुछ यात्रियों ने दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई थी कि वे सालों से एयरपोर्ट परिसर में रह रहे बेघर, बुजुर्ग और शांत कुत्तों को क्रूर तरीके से दूसरी जगह शिफ्ट कर रहे हैं और उनका पता भी नहीं बताया जा रहा है।एयरपोर्ट प्रशासन ने लोगों की सुरक्षा का हवाला देते हुए कहा कि एयरपोर्ट पर पिछले तीन महीनों में कुत्तों के काटने के 30 मामले आए हैं।

पासपोर्ट सेवा केंद्र में बुजुर्गों-दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधा, प्रायोरिटी डेस्क और एस-टोकन सिस्टम लागू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-19 स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रायोरिटी डेस्क और एस-टोकन प्रणाली शुरू की गई है। नोएडा के सेक्टर-19 स्थित मुख्य डाकघर में संचालित पासपोर्ट सेवा केंद्र पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधा की शुरुआत की गई है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य इन वर्गों को पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया में आने वाली दिक्कतों से राहत देना और सेवा को अधिक सहज बनाना है।

प्रायोरिटी डेस्क और एस-टोकन से आसान हुआ काम

इस महीने से केंद्र पर प्रायोरिटी डेस्क और एस-टोकन प्रणाली लागू कर दी गई है। इसके तहत वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग आवेदकों को सामान्य आवेदकों से अलग विशेष टोकन दिया जाता है, जिससे उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सेवा मिल सके और उनकी प्रक्रिया तेजी से पूरी हो सके।

लंबी कतारों से मिली राहत

डाकघर के प्रधान मनोज कुमार ने बताया कि पहले वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को पासपोर्ट बनवाने के लिए घंटों लंबी कतार में खड़ा रहना पड़ता था। कई बार उन्हें शारीरिक असुविधा का भी सामना करना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब उन्हें लाइन में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है और वे आराम से बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर सकते हैं।

टोकन के जरिए सीधे काउंटर पर प्रक्रिया

एस-टोकन मिलने के बाद आवेदकों को उनकी बारी आने पर बुलाया जाता है। इसके बाद वे अपने बायोमेट्रिक डेटा और आवश्यक दस्तावेजों के साथ सीधे काउंटर पर जाकर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इससे पूरी प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज और सुगम हो गई है।

दिल्ली-NCR अब और करीब... ढाई घंटे का सफर अब सिर्फ 75 मिनट में!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर : ग्वालियर और चंबल संभाग के लिए विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है. आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे उत्तर और मध्य भारत के बीच की दूरी को न सिर्फ कम करेगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के लिए एक 'गेम-चेंजर' साबित होगा.

ग्वालियर संभाग के लिए बड़ी अवसंरचना पहल के तहत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्र्रढ्ढ) जल्द ही आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य शुरू करने जा रहा है. लगभग 88 किमी लंबे इस 6-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर की अनुमानित कीमत करीब 4600 करोड़ रुपये है.यह एक्सप्रेसवे पूरी तरह एक्सेस-कंट्रोल्ड होगा, जिससे बिना रुकावट और सुरक्षित यात्रा संभव होगी. इसके बनने से ग्वालियर से आगरा और आगे ह्ष्टक्र तक का सफर काफी तेज और आसान हो जाएगा.इस प्रोजेक्ट से न सिर्फ यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. मुरैना, भिंड, शिवपुरी और दतिया जैसे जिलों को भी इस एक्सप्रेसवे का सीधा लाभ मिलेगा, जिससे पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी. कुल मिलाकर, यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच एक मजबूत आर्थिक सेतु साबित हो सकता है.कुल लंबाईः तकरीबन 88.40 किलोमीटर,अनुमानित लागतः 4600 करोड़ रुपय,प्रकारः 6-लेन (एक्सेस-कंट्रोल्ड),मुख्य शहरः आगरा, धौलपुर, मुरैना, ग्वालियर,समय की बचतः 2.5 घंटे से घटकर 1.25 घंटे (सवा घंटा),कार्यकारी एजेंसीः NHAI (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण)

प्रोजेक्ट की 5 बड़ी विशेषताएं

इस मार्ग पर कोई अनधिकृत कट नहीं होगा.इंटरचेंज और फ्लाईओवर के जरिए ही प्रवेश और निकास मिलेगा, जिससे वाहन 100-120 किमी/घंटा की समान गति से सुरक्षित चल सकेंगे.आगरा के माध्यम से यह मार्ग ग्वालियर को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से सीधे जोड़ देगा. ग्वालियर-मुरैना क्षेत्र के कृषि उत्पादों और औद्योगिक माल को दिल्ली-ह्ष्टक्र के बाजारों तक पहुंचाना अब सस्ता और तेज होगा.लॉजिस्टिक लागत में भारी कमी आएगी.एक्सप्रेसवे पर अत्याधुनिक ड्रेनेज सिस्टम, स्मार्ट साइनज, सेफ्टी बैरियर्स और आपातकालीन सहायता केंद्र होंगे.सड़क के दोनों ओर व्यापक पौधारोपण और हरित पट्टी का निर्माण किया जाएगा, जो इसे एक 'इको-फ्रेंडली' कॉरिडोर बनाएगा.यह एक्सप्रेसवे 'गोल्डन ट्रायंगल' (दिल्ली-आगरा-जयपुर) के करीब होने के कारण ग्वालियर के पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाएगा.आगरा आने वाले विदेशी पर्यटक अब आसानी से ग्वालियर के किले और दतिया-शिवपुरी के पर्यटन केंद्रों तक पहुंच सकेंगे

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर और साजिशः पत्नी ने रोड पर रुकवाकर करवा दिया पति का कत्ल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भिंड में एक महिला का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा था. उसने अपने पति को रास्ते से हटाने की साजिश बॉयफ्रेंड संग मिलकर रच डाली. इसके बाद बाइक से जाते समय रास्ते में हत्या करवा दी. वारदात को लूट की घटना बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की गई, लेकिन जांच में पूरी कहानी सामने आ गई. मध्य प्रदेश के भिंड में झकझोर देने वाली कहानी सामने आई है. यहां 23 साल की महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करा दी. इसके बाद महिला ने इसे लूट की घटना बताने की कोशिश की. मगर जब पुलिस ने इस पूरे मामले की गहराई से जांच-पड़ताल की तो पूरी कहानी से पर्दा उठ गया.

यह पूरा मामला अटेर थाना क्षेत्र का है. पुलिस के अनुसार, 8 अप्रैल को सूचना मिली थी कि कुछ बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है. मृतक की पहचान 27 वर्षीय निलेश जाटव के रूप में हुई, जो अपनी पत्नी रूबी और बच्चे के साथ बाइक से जा रहा था. घटना के बाद रूबी ने पुलिस को बताया कि वे लोग जमना गांव से खरिका जा रहे थे. रास्ते में अचानक उसका बैग सड़क पर गिर गया. उसने अपने पति से बाइक रोकने को कहा. जैसे ही निलेश ने बाइक रोकी और रूबी बैग उठाने के लिए उतरी, तभी पीछे से दो अज्ञात बदमाश आए और उसके पति को गोली मार दी. इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए. रूबी की इस कहानी के आधार पर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की. शुरुआती तौर पर मामला लूट और हत्या का लग रहा था, लेकिन जांच के दौरान पुलिस को कुछ बातें खटकने लगीं. भिंड के पुलिस अधीक्षक असीत यादव ने बताया कि पूछताछ के दौरान महिला के बयान बार-बार बदल रहे थे और उसमें कई विरोधाभास सामने आए. इसके बाद पुलिस ने पूछताछ की, जिससे धीरे-धीरे सच्चाई सामने आने लगी.

जांच में खुलासा हुआ कि रूबी का अपने ही एक रिश्तेदार विशाल विमल के साथ पिछले सात वर्षों से अफेयर चल रहा था. शादी के बाद भी दोनों के बीच बातचीत लगातार जारी थी. वे वॉट्सएप कॉल और चैट के जरिए संपर्क में रहते थे.समय के साथ रूबी को लगने लगा कि उसका पति निलेश उनके रिश्ते में बाधा बन रहा है. इसके बाद उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची. प्लानिंग के तहत वारदात वाले दिन रूबी ने जानबूझकर एक तय जगह पर अपना बैग गिराया. जैसे ही उसने अपने पति से बाइक रोकने को कहा, पहले से घात लगाए बैठे उसका प्रेमी विशाल विमल और उसका साथी राजेश वहां पहुंच गए. मौका मिलते ही दोनों ने निलेश पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.हत्या के बाद रूबी ने पूरे घटनाक्रम को इस तरह पेश किया, जैसे यह एक लूट की वारदात हो. लेकिन पुलिस की जांच और तकनीकी साक्ष्यों ने उसकी साजिश को उजागर कर दिया.पुलिस ने रूबी और उसके प्रेमी विशाल विमल को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं, इस हत्या में शामिल तीसरा आरोपी राजेश अभी फरार है

पड़ोसी देश के गरीब प्रधानमंत्री इतने कंगाल', शहबाज शरीफ पर संजय राउत का तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबईः शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि पाकिस्तान के गरीब सेना प्रमुख आसिम मुनीर भी ऐसा नहीं कर पाए. उन्होंने पड़ोसी मुल्क के प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख को अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर घेरा.

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर हमला बोला है. संजय राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पाकिस्तानी पीएम पर तंज किया है.

उन्होंने कहा है कि हमारी पड़ोसी देश के गरीब प्रधानमंत्री इतने कंगाल हैं कि इस्लामाबाद में किसी भी होर्डिंग या बैनर पर अपनी एक भी तस्वीर नहीं लगवा सके.

संजय राउत ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को भी नहीं बख्शा.

उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा है कि उनके (पाकिस्तान के) गरीब जनरल आसिम मुनीर भी ऐसा नहीं कर पाए. संजय राउत ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में आगे कहा कि यह कैसे किया जाता है? अगर आपको सीखना है, तो हमारे बॉस से सीखिए. उनकी तस्वीरें हर जगह हैं. शौचालय, यूरिनल्स, पेट्रोल पंप और जहां चाहें, वहां हैं.

शांति वार्ता फेल होने के बाद इजरायल ने लेबनान पर तेज किए हमले

इससे पहले, संजय राउत ने सामना के संपादकीय में लिखा कि खुद को वैश्विक महाशक्ति समझने वाले अमेरिका को ईरान जैसे एक सामान्य देश ने कैसे सबक सिखाया, यह दुनिया देख रही है. ट्रंप ने जब एक रात में ईरान को नष्ट करने की धमकी दी, वहां के लाखों लोग सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा के लिए मानव श्रृंखला बनाकर मैदान में उतर आए. अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान की डेढ करोड़ आबादी बलिदान के लिए तैयार है और ईरानी ट्रंप को शांति वार्ता की मेज पर घसीट लाए.

सामना ने संपादकीय में लिखा कि यह बातचीत आतंकियों के प्रमुख केंद्र इस्लामाबाद में है. अमेरिका पर इतिहास के सबसे भयानक आतंकी हमले को अंजाम देने वाला लादेन उसी पाकिस्तान में शरण लिए हुए था. अमेरिकी कमांडो ने पाकिस्तान में घुसकर लादेन को मारा था.

भारत में आतंकी हमले करने वाले सभी मोहरे पाकिस्तान में ही हैं. ईरान-अमेरिका बातचीत की मेजबानी कर रहे पाकिस्तान को अमेरिका ने शांतिदूत का सर्टिकफिकेट दे दिया है.

एकनाथ शिंदे मामले में कुणाल का माफी मांगने से इनकार, बोले- व्यंग्य को दबाना लोकतंत्र के खिलाफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबईः कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र विधान परिषद की समिति के सामने पेश होकर राजनीतिक व्यंग्य का बचाव किया. उन्होंने बालासाहेब ठाकरे की कार्टून परंपरा का हवाला देते हुए कहा कि व्यंग्य लोकतंत्र का हिस्सा है. कामरा ने माफी मांगने से इनकार किया और कहा कि ऐसा करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ गलत मिसाल होगा.

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश होकर राजनीतिक व्यंग्य की खुलकर पैरवी की. 9 अप्रैल 2026 को हुई इस सुनवाई के दौरान कामरा ने अपने लिखित बयान में पूरे मामले को विडंबना बताया और कहा कि उन्हें एक मजाक के लिए निशाना बनाया जा रहा है.

साथ ही उन्होंने इस दौरान बालासाहेब ठाकरे की विरासत का भी जिक्र किया.

कामरा ने अपने बयान में कहा कि बालासाहेब ठाकरे सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि देश के सबसे चर्चित राजनीतिक कार्टूनिस्टों में से एक थे. उन्होंने दशकों तक सत्ता में बैठे लोगों, यहां तक कि प्रधानमंत्रियों की भी आलोचना और मजाक उड़ाया, लेकिन कभी उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन जैसी कार्रवाई नहीं की गई. कामरा ने समिति को याद दिलाया कि राजनीतिक व्यंग्य लोकतंत्र का

अहम हिस्सा है और इसी परंपरा को आज के कलाकार भी आगे बढ़ा रहे हैं.

इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जिस विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं, उसकी नींव ही व्यंग्य और आलोचना पर टिकी रही है. ऐसे में अगर उसी परंपरा को आज के समय में रोका जाता है, तो यह उस विरासत के खिलाफ होगा जिसे नेता खुद आगे बढ़ाने की बात करते हैं.

यह पूरा मामला कामरा के एक शो नया भारत से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड के मशहूर गाने भोली सी सूरत की पैरोडी पेश की थी. समिति का आरोप है कि इस प्रस्तुति के जरिए कामरा ने जानबूझकर उपमुख्यमंत्री शिंदे का मजाक उड़ाया और महाराष्ट्र विधानसभा का अपमान किया. हालांकि कामरा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनका काम 2022 की राजनीतिक घटनाओं पर आधारित है और इससे सदन के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ता है.

कामरा ने अपने बयान में यह भी कहा कि उन्होंने गद्दार शब्द का इस्तेमाल एक निजी राय के तौर पर किया था. उन्होंने बताया कि यह शब्द पहले भी सार्वजनिक रूप से कई बड़े नेताओं द्वारा इस्तेमाल किया जा चुका है, जिनमें उद्धव ठाकरे और अजित पवार जैसे नाम शामिल हैं.

ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सवाल खड़ा करता है.

बिना माफी झुके नहीं कामरा, बोले गलत मिसाल बनेगी

सुनवाई के दौरान समिति के अध्यक्ष प्रसाद लाड ने यह माना कि कामरा का रवैया सम्मानजनक रहा, लेकिन उन्होंने बिना शर्त माफी मांगने से इनकार कर दिया. इस पर कामरा ने साफ कहा कि अगर वह माफी मांगते हैं, तो वह ईमानदार नहीं होगी और इससे एक गलत उदाहरण स्थापित होगा.

बाद में कामरा ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात दोहराई. उन्होंने कहा कि उन्होंने समिति से साफ कहा है कि माफी मांगना उनके लिए संभव नहीं है, क्योंकि इससे कलात्मक स्वतंत्रता पर खतरा पैदा होगा.

उन्होंने यह भी जोड़ा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की शक्तियों का इस्तेमाल नागरिकों को चुप कराने के लिए नहीं होना चाहिए.

इंस्टाग्राम पर कपल ने डाली आखिरी तस्वीर शादी के 15 दिन पहले खत्म कर ली जिंदगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ। राजगढ़ में एक कपल ने जान दे दी है। इससे पहले कपल ने इंस्टाग्राम पर रोमांटिक तस्वीर शेयर की थी। मृतक युवक की 15 दिन बाद शादी होने वाली थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थी। इस पहले उसने यह कदम उठा लिया है।

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र में ढाबली खुर्द गांव में प्रेमी जोड़े ने जान दे दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद खिलचीपुर थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती मौके पर पहुंचे। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। जान देने से पहले प्रेमी जोड़े ने इंस्टाग्राम पर एक रोमांटिक तस्वीर पोस्ट कर दी।

कपल के बीच लंबे समय से चल रहा था प्रेम-प्रसंग

राजगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ढाबली खुर्द निवासी 23 वर्षीय राकेश तंवर और राजस्थान के जमुनिया गांव निवासी 21 वर्षीय धापू बाई तंवर के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लेकिन परिजनों को इसकी जानकारी नहीं थी। पुलिस ने बताया कि शनिवार को जब कुछ लोग जंगल गए तो दोनों के शवों को पेड़ से लटका दे घबरा गए। इसकी बात पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीमों के पर पहुंची और दोनों के शव को पीएम के लिए अस्पताल भी भिजवाया गया।

15 दिन बाद थी राकेश की शादी

पुलिस के मुताबिक मृतक राकेश की शादी 15 दिन बाद होने वाली थी। राकेश की 8 साल पहले ही सगाई तय कर दी गई थी। ऐसे में घर में शादी की तैयारीयां चल रही थी। वहीं, पुलिस ने बताया कि धापू भाई की शादी बचपन में भोजपुर के पाटरी गांव निवासी राधेश्याम से कर दी गई थी। लेकिन वह मायके में ही रह रही थी। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। कई बार समझौते की कोशिश भी की गई लेकिन नाकाम रही।

ये हैं अहम बातें

राजगढ़ में कपल ने दी जान

मृतक युवक की 15 दिन बाद होने वाली थी शादी

राजस्थान की रहने वाली थी मृतक युवक इंस्टाग्राम पर मौत से पहलो दोनों ने पोस्ट की थी तस्वीर सुसाइड से पहले किस करते हुए इंस्टाग्राम पर डाली पोस्ट प्रेमी जोड़े ने सुसाइड से पहले दोनों की तस्वीरें ली। इसके बाद उन्हें इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। और फिर सुसाइड कर लिया।

210 से ज्यादा युवक-युवतियांः लोगों को अट्रैक्ट करने पर मिलता था हाई इंसेंटिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। इंदौर में शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर निवेशकों से ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है. आईटी कंपनी की आड़ में चल रही इस फर्जी एडवाइजरी फर्म पर पुलिस ने छापा मारकर भारी मात्रा में डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं. इसी के साथ तीन लोगों को हिरासत में लिया है.

इंदौर शहर में निवेशकों को शेयर मार्केट में भारी मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है. यह गिरोह एक आईटी कंपनी की आड़ में फर्जी एडवाइजरी फर्म चला रहा था और देशभर के लोगों को निशाना बना रहा था. जांच में सामने आया कि कंपनी में 200 से अधिक कर्मचारियों को नियुक्त किया गया था, जिन्हें सॉफ्टवेयर और स्क्रिप्ट के जरिए लोगों को निवेश के लिए आकर्षित करने का काम दिया जाता था.

जानकारी के अनुसार, इन कर्मचारियों को टारगेट पूरा करने पर मोटा इंसेंटिव भी दिया जाता था. इस मामले में

थाना तुकोगंज पुलिस ने अन्य थानों की टीम के साथ कार्रवाई करते हुए बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित इंफिनिक्स इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिस पर छापा मारा. छापेमारी के दौरान ऑफिस में अफरा-तफरी मच गई, जहां बड़ी संख्या में युवक-युवतियां काम करते पाए गए.पुलिस के मुताबिक, कंपनी के कई संचालक मिलकर इस पूरे रैकेट को संचालित कर रहे थे. आरोपियों में मनीष पांडे, अनिमेष चौहान, संदीप त्यागी, अनुराग सैंडलानी और नेहा जैन के नाम सामने आए हैं, जिनके खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.शिकायतकर्ता नीतीश भगत ने बताया कि उसे शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर कॉल किया गया था. जब उसने जानकारी न होने की बात कही, तो उसे एक महिला के जरिए भरोसे में लिया गया. इसके बाद उसे एक मोबाइल ऐप और सॉफ्टवेयर के माध्यम से फर्जी तरीके से मुनाफा दिखाया गया.धीरे-धीरे उसे ज्यादा निवेश के लिए उकसाया गया और टर्मिनल खरीदने के नाम पर उससे करीब 4 लाख 80 हजार रुपये ठग लिए गए. जब उसने पैसे निकालने की कोशिश की, तो उसे ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई.छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 23 CP, 14 लैपटॉप, छ्वङ्क्र मॉनिटर, 66 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, चेकबुक सहित बड़ी मात्रा में डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं. इनका इस्तेमाल देशभर के लोगों को कॉल और मैसेज के जरिए फंसाने में किया जा रहा था.थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह यादव के अनुसार, यह गिरोह केवल इंदौर ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों के निवेशकों को भी निशाना बना रहा था. शुरुआती जांच में ठगी की रकम लाखों में सामने आई है, लेकिन आशंका है कि यह आंकड़ा करोड़ों तक पहुंच सकता है.फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है. साथ ही जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कर और भी अहम खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है. पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए निवेश करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल जरूर करें.

ट्रक ने कुचला... 5 की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डिंडोरी। जिले में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. यह घटना गड़ासराय थाना क्षेत्र के अंतर्गत किकरातालाब गांव के पास जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर रात करीब एक बजे हुई. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.

टायर बदलने के दौरान ट्रक ने कुचला

पुलिस के अनुसार सभी लोग एक पिकअप वाहन से अपने घर लौट रहे थे. इसी दौरान वाहन का एक टायर अचानक पंक्चर हो गया. जिसके बाद चालक ने गाड़ी को सड़क किनारे रोककर टायर बदलना शुरू किया, जबकि वाहन में सवार अन्य लोग भी नीचे उतरकर पास ही खड़े हो गए. इसी बीच एक तेज रफ्तार ट्रक वहां से गुजरा और सड़क पर खड़े लोगों को अपनी चपेट में ले लिया.डिंडोरी की पुलिस अधीक्षक वहनी सिंह ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि पिकअप चालक सहित पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है.प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ट्रक चालक को झपकी आ गई थी, जिसके कारण वह सड़क पर खड़े लोगों को देख नहीं पाया. हालांकि चालक का यह भी दावा है कि पीड़ित सड़क के बीचों-बीच खड़े थे, जिससे हादसा टालना संभव नहीं हो सका. फिलहाल पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है.स्थानीय प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायल के बेहतर उपचार का आश्वासन दिया है. वहीं इस घटना से स्थानीय लोग भी आक्रोशित हैं. उनका कहना है कि हाइवे पर ट्रक चालक लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं, जिसके चलते आए दिन इस तरह के हादसे होते रहते हैं.

आपका नंबर क्क्र्य सैनिक से जुड़ा हैं'... सुनते ही डरी बुजुर्ग महिला, ठगों को ट्रांसफर कर दिए 73 लाख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणेः महाराष्ट्र राज्य के ठाणे के कल्याण में 82 साल की महिला के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है. ठगों ने खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया. इसके बाद चार दिनों में 73.3 लाख रुपये ऐंठ लिए. फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है. कभी-कभी एक फोन कॉल जिंदगी बदल देता है... ठाणे के कल्याण में रहने वाली 82 साल की एक बुजुर्ग महिला के लिए भी यह सिर्फ एक कॉल नहीं था- यह एक ऐसा जाल था, जिसमें फंसकर उन्होंने अपनी जिंदगी भर की कमाई गंवा दी. 6 अप्रैल की बात है. महिला अपने घर में थीं, जब उनका फोन बजा. दूसरी तरफ से आई आवाज सख्त थी- हम कानून प्रवर्तन एजेंसी से बोल रहे हैं. शुरुआत सामान्य लगी, लेकिन अगले ही पल जो कहा गया, उसने महिला के पैरों तले जमीन खिसका दी. कॉलर ने बुजुर्ग महिला से कहा- आपका मोबाइल नंबर एक पाकिस्तानी सैनिक से जुड़ा हुआ है, जो पहलगाम आतंकी हमले में शामिल है. यह सुनते ही महिला घबरा गई. उन्होंने कभी किसी गलत काम के बारे में सोचा तक नहीं था, और अचानक उन पर इतना गंभीर आरोप! फोन के उस पार बैठे ठग यही चाहते थे- डर. उन्होंने तुरंत अगला कदम उठाया- आप पर केस बन सकता है... आपको डिजिटल अरेस्ट किया जा सकता है. महिला को लगा कि कहीं उन्हें सच में गिरफ्तार न कर लिया जाए.

फिर ठगों ने राहत का रास्ता भी दिखाया. अगर आप सहयोग करें, तो हम आपकी मदद कर सकते हैं... आपको अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी. यहीं से शुरू हुआ असली खेल. महिला को बताया गया कि उनके बैंक खातों की जांच करनी होगी. इसके लिए उन्हें कुछ वेरिफिकेशन ट्रांजेक्शन करने होंगे. उन्हें भरोसा दिलाया गया कि यह सिर्फ प्रक्रिया का हिस्सा है और पैसे वापस मिल जाएंगे. डर और भरोसे के बीच फंसी महिला ने पहला ट्रांजेक्शन कर दिया. लेकिन यह सिर्फ शुरुआत थी. अगले चार दिन- 6 अप्रैल से 10 अप्रैल तक महिला लगातार ठगों के संपर्क में रहीं. अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल आते रहे. कभी फोन, कभी वॉट्सएप- हर जगह से निर्देश मिलते रहे. इस अकाउंट में पैसे डालिए... यह आखिरी वेरिफिकेशन है... अगर आपने सहयोग नहीं किया, तो आपको तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाएगा... हर बार डर बढ़ता गया... और हर बार महिला पैसे ट्रांसफर करती गई. उन्हें यह समझ ही नहीं आया कि वह एक जाल में फंस चुकी हैं. चार दिनों में उन्होंने कुल 73.3 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए. दूसरी तरफ से आई आवाज सख्त थी- हम कानून प्रवर्तन एजेंसी से बोल रहे हैं. शुरुआत सामान्य लगी, लेकिन अगले ही पल जो कहा गया, उसने महिला के पैरों तले जमीन खिसका दी. कॉलर ने बुजुर्ग महिला से कहा- आपका मोबाइल नंबर एक पाकिस्तानी सैनिक से जुड़ा हुआ है, जो पहलगाम आतंकी हमले में शामिल है. यह सुनते ही महिला घबरा गई. उन्होंने कभी किसी गलत काम के बारे में सोचा तक नहीं था, और अचानक उन पर इतना गंभीर आरोप! फोन के उस पार बैठे ठग यही चाहते थे- डर. उन्होंने तुरंत अगला कदम उठाया- आप पर केस बन सकता है... आपको डिजिटल अरेस्ट किया जा सकता है. महिला को लगा कि कहीं उन्हें सच में गिरफ्तार न कर लिया जाए. उन्होंने तुरंत अगला कदम उठाया- आप पर केस बन सकता है... आपको डिजिटल अरेस्ट किया जा सकता है. महिला को लगा कि कहीं उन्हें सच में गिरफ्तार न कर लिया जाए.

10 अप्रैल के बाद बंद हो गए कॉल आना

यह रकम बुजुर्ग महिला की जिंदगीभर की बचत थी, उनकी सुरक्षा थी, उनका भरोसा था. लेकिन ठगों के लिए यह सिर्फ एक टारगेट था. 10 अप्रैल के बाद अचानक कॉल आना बंद हो गया. वॉट्सएप पर कोई जवाब नहीं मिला. महिला ने कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन हर बार सन्नाटा ही मिला. और यहीं से सच्चाई सामने आने लगी. उन्हें एहसास हुआ कि जिन लोगों पर उन्होंने भरोसा किया, वे कोई अधिकारी नहीं, बल्कि साइबर ठग थे. उनके साथ ठगी हो चुकी थी. हैरान और परेशान महिला ने हिम्मत जुटाई और महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में पांच मोबाइल नंबरों की पहचान की गई है, जिनका इस्तेमाल इस ठगी में किया गया. अब पुलिस इन नंबरों के जरिए आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है.पुलिस की सलाह साफ है कि कोई भी जांच एजेंसी फोन या वॉट्सएप पर इस तरह पैसे ट्रांसफर करने के लिए नहीं कहती. अगर कोई ऐसा दावा करता है, तो तुरंत सतर्क हो जाएं और पुलिस से संपर्क करें. आज ठग हथियार नहीं, बल्कि डर का इस्तेमाल कर रहे हैं. और अगर हम सतर्क नहीं रहे, तो अगला शिकार कोई भी हो सकता है.

जेद्दा जा रहे यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान से उतारा, यात्री नाराज

लखनऊ (एजेंसी)। सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जा रहे थे। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था, लेकिन कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया। इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया। यह घटना बीती रात की है। उड़ान का तय समय तड़के 2:30 बजे था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में नाराजगी दिखी। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। शुरुआत में रिफंड न मिलने से वह आक्रोशित भी थे। बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने रिफंड का आश्वासन दिया, जिसके बाद यात्री घर लौट गए। सूत्रों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट रद्द की गई। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

वसुंधरा का छलका दर्द कहा- मैं खुद की जमीन नहीं बचा पाई तो दूसरों के लिए क्या लड़ूंगी?

जयपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री न बन पाने की टीस कहीं न कहीं भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे सिंधिया के मन में है। शायद यही वजह है कि एक बार उनका दर्द छलका और उनकी जुबान पर आ गया। उन्होंने झालावाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब मैं खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाई तो आपके लिए क्या लड़ूंगी। उनके इस बयान से राजस्थान से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मच गया। बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि मेरे बयान को तोड़मरोड़कर पेश किया गया है, मेरा मतलब मेरे खुद के अनुभवों से था। दरअसल, सभा में जनता को संबोधित करते हुए राजे ने मुस्कराते हुए कहा था कि जब वे खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाईं, तो दूसरों के लिए क्या लड़ सकती हैं। उन्होंने धौलपुर में सड़क निर्माण के दौरान अपनी जमीन चले जाने का उदाहरण देते हुए कहा, मेरा चला गया, मैं नहीं बचा सकी अपने आपको। राजे के इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक मुख्यमंत्री पद न मिलने की टीस और पार्टी आलाकमान के प्रति उनके असंतोष के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, विवाद बढ़ता देख राजे ने स्पष्टीकरण दिया कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और उनका तात्पर्य पद से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों से था। इस घटनाक्रम पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीकानेर दौरे के दौरान बेहद सधे हुए लेकिन कड़े अंदाज में प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने ठेठ राजस्थानी (मारवाड़ी) कहावत– 'चिट्ठी चूर-चूर करे, मांगे डाल और घी, मोदी सु कुन झगड़ो करे, चिट्ठी खानी नाल' का सहारा लेकर राजे को परोक्ष रूप से नसीहत दी। इस कहावत का अर्थ यह है कि जो कुछ भी प्राप्त हुआ है, उसमें संतोष कर उसका आनंद लेना चाहिए और जिस स्रोत से भरण-पोषण हो रहा है, उससे विवाद मोल लेना आत्मघाती हो सकता है। राठौड़ का यह कटाक्ष स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और वर्तमान स्थिति को स्वीकार करना ही श्रेयस्कर है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राजे आज भी पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं और उनके सभी कार्य समय पर हो रहे हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि चुनाव के काफी समय पहले ही इस तरह की बयानबाजी राजस्थान भाजपा में आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व के बीच की खाई को दर्शा रही है, जो आने वाले समय में बड़ी चुनौती बन सकती है।

बोकारो में 28 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड में संभवत: ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मामले के निष्पादन में जानबूझकर लापरवाही बरतने के आरोप में पूरे थाने को सस्पेंड किया गया हो। ऐसा उदाहरण बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाने का है। बोकारो एसपी ने इस थाने में कार्यरत 10 सब इंस्पेक्टर, पांच असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, दो हवलदार और 11 सिपाही को सस्पेंड किया है। बोकारो एसपी ऑफिस से शनिवार की देर रात यह आदेश जारी किया गया है। दरअसल, 24 जुलाई 2025 को जिले के पिंड्राजोरा थाने की रहने वाली 18 साल की पुष्पा महतो के लापता होने का मामला उसकी मां रेखा देवी ने दर्ज कराया था। लेकिन लगभग 9 महीने तक पुलिस इसे नहीं तलाश पा रही थी। इसके बाद परिजन हाईकोर्ट पहुंच गए। मामले में हाईकोर्ट में पुलिस की कार्रवाई के लिए फटकार लगाई। डीजीपी से लेकर एसपी तक को कोर्ट में हाजिर होना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने एक ही दिन में पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने लापता युवती का कंकाल भी बरामद कर लिया और आरोपी को भी अरेस्ट कर लिया।

मां वैष्णो देवी यात्रा में उमड़े श्रद्धालू, कटड़ा में दिखा उत्सव जैसा माहौल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल मां वैष्णो देवी मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन परिसर और यात्रा मार्गों तक हर जगह भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। जयकारों और भक्ति भाव से पूरा क्षेत्र उत्सवमय माहौल में डूबा नजर आ रहा है।

रविवार सुबह से ही कटड़ा के पंजीकरण काउंटरों पर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। श्रद्धालु नए ताराकोट मार्ग और दर्शनी ड्योढ़ी प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच और पंजीकरण प्रक्रिया के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। बड़ी संख्या में लोग परिवार और मित्रों के साथ मां के जयकारे लगाते हुए यात्रा मार्ग की ओर बढ़ते रहे। भवन परिसर में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगातार आगे बढ़ती रहीं। मौसम साफ रहने और दिनभर धूप खिली रहने से यात्रा का अनुभव और भी सुखद बना रहा, हालांकि ठंडी हवाओं का असर भी बना रहा, जिससे मौसम सुहावना बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यात्रा के चलते स्थानीय बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शन के बाद श्रद्धालु कटड़ा के बाजारों में प्रसाद और धार्मिक सामग्री की खरीदारी करते नजर आए, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आई है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सीआरपीएफ, पुलिस, श्राइन बोर्ड और आपदा प्रबंधन दल के जवान यात्रा मार्गों और प्रमुख स्थलों पर तैनात हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ-साथ पूरी यात्रा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से जारी रह सके।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का दावा, बोलीं- देश का सबसे बड़ा घोटाला है एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को हालिया समय का देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया। पूर्वी बर्धवान जिले के खंडाघोष में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो वह पश्चिम बंगाल के लोगों से सब कुछ छीन लेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देती है। लेकिन वे मतदान खत्म होने के तुरंत बाद अपने वादे भूल जाते हैं। यह बिहार चुनावों में देखा गया था।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए मतदान प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करेगी। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और मतदान मशीनों पर नजर रखने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने कहा कि मतदान मशीनों के बारे में सतर्क रहें। भाजपा ने धीमी वोटिंग और धीमी मतगणना की योजना बनाई है। उनकी सभी योजनाओं को असफल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर हाल के समय में देश द्वारा देखा गया सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि केंद्र में भाजपा सरकार 2026 में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि आपकी सरकार 2026 में गिर जाएगी। हम तब आपकी सरकार द्वारा लाए गए सभी जन-विरोधी कानूनों को रद्द कर देंगे।

हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो के सहारे लगाए आरोप

ममता बनर्जी ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल की सत्ता से टीएमसी को बेदखल करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के सौदे का आरोप लगाया है। उन्होंने यह आरोप एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए लगाया, जिसमें आम आदमी उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर कथित तौर पर भाजपा नेताओं के साथ संपर्क में होने और अल्पसंख्यक वोटों को बांटकर टीएमसी को हराने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के सौदे की अग्रिम राशि के तौर पर 200 करोड़ रुपये प्राप्त करने की बात कह रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ है। हालांकि, इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले के ओंडा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने (भाजपा) पश्चिम बंगाल में टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का सौदा किया है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद, उखरुल और तेंगनौपाल जिलों में सर्च ऑपरेशन तेज

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनौपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि शनिवार को उखरुल जिले के अंतर्गत लिटान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में सुरक्षा बलों ने 14 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा मोंगकोट चेपु इलाके में सात अन्य बंकरों को भी नष्ट किया गया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को 11 खाली कारतूस भी बरामद हुए, जिससे इलाके में हाल ही में हुई गतिविधियों के संकेत मिलते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये बंकर असामाजिक और उग्रवादी तत्वों द्वारा छिपने और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बनाए गए थे। इन बंकरों के नष्ट होने से क्षेत्र में उनकी छिपने और ऑपरेशन क्षमता पर बड़ा असर पड़ेगा। इसी तरह, तेंगनौपाल जिले में चलाए गए एक अलग सर्च ऑपरेशन में 13 आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी संभावित दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोटक संवेदनशील मार्गों और इलाकों को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा हो सकते थे। मणिपुर के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से सुरक्षा स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन, गश्त और तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके।

गाने पर झूमी टीएमसी सांसद, भड़की भाजपा ने कहा- ये हिंदुओं के भावना से खिलवाड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद और अभिनेत्री सायोनी घोष एक बार फिर बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर सायोनी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक सार्वजनिक मंच पर काबा इन माई हार्ट एंड मदीना इन माई आईज (मेरे दिल में काबा और मेरी आंखों में मदीना) गीत पर झूमती और गाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी ने टीएमसी पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाते हुए इसे बंगाल के हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करार दिया है। सायोनी घोष के लिए विवादों से नाता कोई नई बात नहीं है। भाजपा नेताओं ने इस वायरल वीडियो के साथ उनके उस पुराने विवादित ट्वीट को भी चर्चा में ला दिया है, जिसमें उन्होंने शिवलिंग को लेकर कथित तौर पर एक बेहद आपत्तिजनक पोस्ट किया था। भाजपा समर्थकों का तर्क है कि जो नेता हिंदू आस्था के प्रतीकों का अपमान करती रही हैं, वह अब मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए मंचों से इस तरह के गीत गा रही हैं।

कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं पर एक्शन की तैयारी में आलाकमान

-रिपोर्टों में तीन नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्पसंख्यक नेतृत्व के एकीकरण को लेकर कांग्रेस में तनाव बढ़ गया है। कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं की पार्टी विरोधी गतिविधियों से नाराज हैं। ऐसे में इन नेताओं पर पार्टी आलाकमान जल्द एक्शन ले सकता है। हाल ही में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। अब सीएम के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद को पद छोड़ने के लिए कहा गया है। शनिवार को सिद्धामैया और हाईकमान के बीच देर रात तक कई दौर की बातचीत हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकमान ने निर्देश दिया है कि दावणगेरे दक्षिण में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी और पूर्व जद(एस) नेता जमीर अहमद खान भी इस जांच के घेरे में आ गए हैं। इंटेलिजेंस विंग और एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त की दो अलग-अलग रिपोर्टों में जब्बार, नजीर अहमद और जमीर को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया। उनपर आरोप हैं कि उन्होंने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों का समर्थन किया। इसके साथ ही उनके कंपेन के लिए फंडिंग की और चुनाव में भी मदद की।

पार्टी को शक है कि इनमें से कुछ नेताओं ने वित्तीय रूप से एसडीपीआई की मदद की होगी, जो कांग्रेस के लिए किसी बड़ी राजनीतिक चुनौती से कम नहीं है। इंटेलिजेंस इनपुट्स ने दावणगेरे दक्षिण में एक एसडीपीआई उम्मीदवार के समर्थन से जुड़े वित्तीय लेनदेन को ट्रैक किया है। तीनों नेताओं ने एक अल्पसंख्यक उम्मीदवार, सादिक पहलवान के लिए भी पुरजोर दबाव बनाया था। इसके बाद सिद्धारमैया को आंतरिक असंतोष को शांत करने के लिए सेकेंड लाइन मुस्लिम नेताओं रिजवान अरशद और सलीम अहमद को आगे लाना पड़ा। जब्बार और नजीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद, सीएम अब जमीर अहमद को कैबिनेट से हटाने पर विचार कर रहे हैं।

जाति जनगणना पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला, बोली- सरकार मुद्दे को टालना चाह रही

जयराम रमेश ने बयानों की टाइमलाइन जारी कर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में जाति जनगणना को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर इस मुद्दे को ÷ठंडे बस्ते में डालने÷ का आरोप लगाया है। राज्यसभा सांसद और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला।

जयराम रमेश ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जाति जनगणना को लेकर लगातार अपना रुख बदल रही है और देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में केंद्र द्वारा दिए गए बयानों की एक टाइमलाइन साझा करते हुए दावा किया कि सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता के अनुसार, 20 जुलाई 2021 को लोकसभा में सरकार ने स्पष्ट कहा था कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं की जाएगी। इसके बाद 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में भी केंद्र ने जाति जनगणना न कराने को एक नीतिगत निर्णय बताया था।

उन्होंने आगे कहा कि 28 अप्रैल 2024 को एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जाति जनगणना की मांग को ÷अर्बन नक्सल मानसिकता÷ करार दिया था। वहीं, 30 अप्रैल 2025 को सरकार ने अचानक घोषणा की कि आगामी जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी जुटाए जाएंगे। जयराम रमेश ने यह भी उल्लेख किया कि 30 मार्च 2026 को जनगणना आयुक्त ने कहा था कि डिजिटल प्रक्रिया के कारण 2027 तक अधिकांश आंकड़े उपलब्ध हो जाएंगे। इसके बावजूद अब सरकार द्वारा यह संकेत दिया जा रहा है कि जाति जनगणना के परिणाम आने में कई साल लग सकते हैं, जिसे कांग्रेस ने विरोधाभासी बताया है।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार संविधान के प्रावधानों में संशोधन कर इस प्रक्रिया को और टालना चाहती है। पार्टी का कहना है कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने कम समय में

जातिगत सर्वेक्षण पूरा कर दिखाया है, ऐसे में केंद्र का तर्क उचित नहीं है। इस पूरे मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार पर ÷छिपे एजेंडे÷ के तहत जाति जनगणना से बचने का आरोप लगाया है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री जनता को भ्रमित कर रहे हैं और पारदर्शिता से बच रहे हैं।

तमिलनाडु चुनाव में विजय की रैलियां रद्द, डीएमके ने ली चुटकी और साधा निशाना

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रचार कार्यक्रमों में लगातार हो रही रद्दीकरण ने राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। विजय इस चुनाव में पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। 30 मार्च को नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने कुछ क्षेत्रों में प्रचार किया था, लेकिन उसके बाद उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम या तो रद्द कर दिए गए या स्थगित कर दिए गए। इनमें विल्लीवाक्कम, टी नगर, कुड्डालोर और तिरुवल्लूर जैसे क्षेत्रों में प्रस्तावित रैलियां और रोड शो शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पार्टी की ओर से इन रद्दीकरणों की कोई स्पष्ट वजह सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि कुछ मामलों में सुरक्षा कारणों और समय की कमी का हवाला दिया गया, जिससे उनकी चुनावी रणनीति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने इस मुद्दे पर विजय पर तीखा हमला बोला है। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि जहां कुछ नेता जनता से सीधे जुड़ने के लिए लगातार मैदान में उतर रहे हैं, वहीं कुछ नेता सीमित और रुक-रुककर प्रचार कर रहे हैं।

महिला आरक्षण पर चर्चा से पहले भाजपा ने जारी किया व्हिप

सभी सांसदों को 16 से 18 अप्रैल तक संसद में रहना होगा मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी।

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए। पीएम मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है।

खडगे बोले- सर्वदलीय बैठक हो

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खडगे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

बीजेपी नेता ने की एक्स पर कम्युनिटी नोट्स को बंद करने की मांग

-निशिकांत ने कहा- एक्स लाइसेंस ले और हर साल 25,000 करोड़ का टैक्स दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी नेता और संचार एवं आईटी पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने एक्स पर कम्युनिटी नोट्स को बंद करने की मांग की है। यह मांग निशिकांत ने खुद एक पोस्ट के जरिए की। उन्होंने कहा कि समिति ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सामने सर्वसम्मति से यह राय जाहिर की है। पोस्ट में दुबे ने सवाल उठाया कि कम्युनिटी नोट्स को लेकर इतना हंगामा क्यों हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत ने दावा किया कि एक्स कॉर्प भारत सरकार को कोई टैक्स नहीं देता। ऑस्ट्रेलिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलियाई कानून की तरह ही एक्स को भारत में एक पब्लिशर का लाइसेंस लेना चाहिए और हर साल 25,000 करोड़ का टैक्स देना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर ऐसा नहीं होता, तो कम्युनिटी नोट्स को बंद कर देना चाहिए।

बता दें कम्युनिटी नोट्स एक पर एक क्राउड-सोर्स्ड फैक्ट-चेकिंग टूल है, जहां यूजर्स संभावित रूप से गुमराह करने वाली या गलत पोस्ट पर नोट्स जोड़ सकते हैं। जब दूसरे यूजर्स किसी नोट को हेपफुल यानी मददगार बताते हैं, तो वह नोट मूल पोस्ट के नीचे दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश के सीएम द्वारा एआई पार्क और डेटा सेंटर के लिए पुक एआई के साथ 25,000 करोड़ के करार की घोषणा के बाद यह फीचर चर्चा में रहा है। सीएम योगी की पोस्ट पर एक कम्युनिटी नोट ने एमओयू की प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुक एआई एक साल पुराना स्टार्ट-अप है, जिसका सालाना राजस्व 50 लाख से भी कम है और उसमें इस तरह के समझौते को पूरा करने की क्षमता नहीं है। यह नोट एक्स के उन यूजर्स ने जोड़ा था, जिन्होंने इसे मददगार बताया था। चार दिन बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस करार को रद्द कर दिया था।

जंग के बीच ईरान में महंगाई और जरुरी सामान की कमी, भारत ने दिखाई इंसानियत

-भारत में अनाज का पर्याप्त भंडार, इसे ईरान भेजने पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच एक महीन से ज्यादा चले युद्ध ने साबित कर दिया है कि तीनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे ज्यादा मार आम लोगों पर पड़ी है। सीजफायर का ऐलान जरूर हो गया है, लेकिन जमीन पर हालात अब भी आसान नहीं हैं। युद्ध अपने साथ सिर्फ तबाही नहीं लाता, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी और खाने-पीने की किल्लत भी लेकर आता है। ईरान में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां आम लोग महंगाई और जरूरी सामानों की कमी से जूझ रहे हैं। वहीं भारत ने इंसानियत का परिचय देते हुए ईरानी लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। शांति वार्ता भी बेअसर रही। भारत सरकार अब युद्ध से प्रभावित ईरान समेत कई देशों को चावल भेजने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके।

यह कदम सिर्फ एक कूटनीतिक पहल नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का बड़ा उदाहरण है। ईरान में जरूरी खाद्य सामग्री महंगी हो गई है और कई जगहों पर उपलब्धता कम हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में भारत का आगे आना एक राहत भरी खबर है। सरकार के पास इस समय अनाज का पर्याप्त भंडार है, जिसे जरूरतमंद देशों तक पहुंचाया जा सकता है। यह फैसला भारत की वैश्विक भूमिका को भी मजबूत करता है, जहां वह सिर्फ एक आर्थिक ताकत ही नहीं, बल्कि संकट के समय मददगार देश के रूप में भी उभर रहा है।

भारत सरकार के स्तर पर हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों के मुताबिक देश में गेहूं और चावल का बड़ा स्टॉक मौजूद है, जिसे अब निर्यात या मानवीय सहायता के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है। खासतौर पर युद्ध से प्रभावित देशों को प्राथमिकता दी जा रही है। ईरान के लिए चावल की शिपमेंट शुरू करने का प्रस्ताव इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में नए सीजन की फसल आने वाली है, इससे गोदामों में जगह की कमी भी एक चुनौती है। दूसरी ओर वेस्ट एशिया में जारी तनाव के कारण सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित है। जहाजों की आवाजाही पर असर पड़ा है और कई देशों में खाद्य संकट गहराने की आशंका है। इसको देखते हुए शिपिंग मंत्रालय को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे इस बात की योजना बनाएं कि कैसे बड़े कार्गो जहाजों के जरिए खाद्य सामग्री को प्रभावित देशों तक पहुंचाया जा सके। यहां तक कि कुछ हाई-वैल्यू फूड आइटम्स को हवाई मार्ग से भेजने पर भी विचार किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान शांति वार्ता की मेजबानी में व्यस्त नजर आया और अंत में यह शांति वार्ता विफल भी हो गई। वहीं जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाने में उसकी कोई खास भूमिका सामने नहीं आई है।

इसके उलट भारत ने सीधे तौर पर मदद की पहल करके यह दिखा दिया है कि संकट के समय सिर्फ बातचीत ही नहीं, बल्कि ठोस कदम भी जरूरी होते हैं। यही वजह है कि भारत की इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा जा रहा है। इस कदम से भारत को दोहरा फायदा मिलेगा। एक तरफ गोदामों में जमा अतिरिक्त अनाज का इस्तेमाल हो जाएगा, जिससे भंडारण की समस्या कम होगी।

सेंसेक्स की शीर्ष आठ कंप नियों का मार्केट कैप 4.13 लाख करोड़ बढ़ा

– 10 प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम को लेकर बाजार की धारणा मजबूत बनी रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस की बाजार हैसियत घट गई।समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 91,282.67 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 76,036.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपये हो गया।बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 60,980.35 करोड़ रुपये बढ़कर 5,75,206.47 करोड़ रुपये हो गई।

लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 47,624.97 करोड़ रुपये बढ़कर 5,44,736.59 करोड़ रुपये रहा, जबकि भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 45,873.43 करोड़ रुपये बढ़कर 10,66,293.69 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 43,614.67 करोड़ रुपये बढ़कर 9,84,629.98 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का मूल्यांकन 26,303.49 करोड़ रुपये बढ़कर 9,13,331.92 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 21,287.29 करोड़ रुपये बढ़कर 5,06,477.89 करोड़ रुपये हो गया।इ स रुख के उलट इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,285.03 करोड़ रुपये घटकर 5,24,124.40 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 947.28 करोड़ रुपये घटकर 18,27,086.79 करोड़ रुपये पर आ गई।

शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल,

एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

टीसीएस की भर्ती योजना 2026-27 में 25,000 फ्रेशर्स को नौकरी देने की घोषणा

– बाजार की मांग पर आगे और भर्तियों के संकेत, अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती फिलहाल सीमित

मुंबई ।

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि आगे की भर्ती वैश्विक बाजार की मांग पर निर्भर करेगी। टीसीएस के एक मुख्य कार्यकारी ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी लगातार बड़े पैमाने पर फ्रेशर्स की भर्ती कर रही है, लेकिन भविष्य की रणनीति पूरी तरह बिजनेस डिमांड पर आधारित होगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लगभग 44,000 फ्रेशर्स को नौकरी दी थी, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक नए कर्मचारियों की भर्ती करती आ रही है। हालांकि, 2026-27 के लिए यह संख्या घटकर 25,000 निर्धारित की गई है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए फ्रेशर्स को प्रोजेक्ट्स में शामिल करने से पहले लगभग नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत कार्य शुरू कर सकते हैं। हाल ही में लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर उठे सवालों पर कंपनी ने कहा कि इसका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सीधा संबंध नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट डिलीवरी मॉडल में बदलाव इसका कारण रहा है।

मई के दूसरे सप्ताह में लागू हो सकता है एफटीए अधिकारी

नई दिल्ली ।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) मई के दूसरे सप्ताह से लागू होने की संभावना जताई जा रही है। यह बात एक अ धिकारी ने बताई है। इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षर किए गए थे। वृहद आर्थिक और व्यापार करार (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात शून्य शुल्क पर ब्रिटेन के बाजार में जाएगा। वहीं भारत कार और शराब जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क दरें घटाएगा। अधिकारी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह समझौता मई के दूसरे सप्ताह से लागू हो जाएगा। दोनों देशों ने दोहरा योगदान संधि (डीसीसी) करार पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे दोनों देशों के अस्थायी कर्मियों को सामाजिक शुल्क को दो बार नहीं देना पड़ेगा। अधिकारी ने बताया कि दोनों समझौतों को एक साथ लागू किए जाने की संभावना है।

सीईटीए का लक्ष्य 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को दोगुना कर 56 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। समझौते के तहत भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट और कॉस्मेटिक्स सहित कई उपभोक्ता उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल दिया है। वहीं उसे ब्रिटेन में कपड़ा, जूते-चप्पल, रत्न एवं आभूषण, खेल के सामान और खिलौनों जैसे क्षेत्रों के लिए अधिक बाजार पहुंच मिलेगी। इस समझौते के तहत, स्कॉच व्हिस्की पर शुल्क तुरंत 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया जाएगा, और 2035 तक इसे और घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

वाहनों पर भारत धीरे-धीरे उदार कोटा प्रणाली के तहत, पांच साल में आयात शुल्क को घटाकर 10 प्रतिशत कर देगा, जो अभी 110 प्रतिशत तक है। इसके एवज में भारतीय विनिर्माताओं को इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के लिए ब्रिटेन के बाजार में पहुंच मिलेगी।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच तेल-तिलहन बाजार में गिरावट, अधिकांश भाव कमजोर

– विदेशी बाजारों में कमजोरी और मांग में सुस्ती ने भी कीमतों को निचले स्तर तक पहुंचाया

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजार पर साफ दिखाई दिया। बीते सप्ताह घरेलू बाजार में अधिकांश प्रमुख तेलों और तिलहनों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी बाजारों में कमजोरी और मांग में सुस्ती ने भी कीमतों को नीचे धकेला। हालांकि कुछ उत्पादों की आवक सीमित रहने से गिरावट अपेक्षाकृत नियंत्रित रही। कुल मिलाकर बाजार में अस्थिरता का माहौल बना रहा। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। केवल सोयाबीन दाना स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार कमजोर रहे, जिसका सीधा असर घरेलू कारोबार पर पड़ा। सरसों की अच्छी पैदावार के बावजूद कीमतों में भारी गिरावट नहीं आई, क्योंकि किसान धीरे-धीरे माल बेच रहे हैं। सोयाबीन की आवक कम रही, लेकिन वैश्विक दबाव से कीमतें कमजोर रहीं। आयातित तेलों की तुलना में सरसों तेल अब भी 18-20 रुपये प्रति किलो सस्ता है। मूंगफली और बिनौला तेल भी कमजोर मांग और विदेशी बाजारों की गिरावट के चलते नीचे आए। विशेषज्ञों ने बाजार और नीतियों में स्थिरता की आवश्यकता बताई है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-6,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,415-2,515 रुपये और 2,415-2,560 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना स्थिर रहा जबकि सोयाबीन लूज का थोक भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 5,450-5,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 425 रुपये की गिरावट के साथ 16,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,950 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 7,050-7,525 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 650 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,685-2,985 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 375 रुपये की गिरावट के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 275 रुपये टूटकर 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 425 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

गिरावट के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 350 रुपये के नुकसान के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एनसीएलएटी का फैसला, रियल एस्टेट दिवाला प्रक्रिया अब सिर्फ संबंधित प्रोजेक्ट तक सीमित

– किसी एक प्रोजेक्ट की चूक पर पूरी कंपनी नहीं, सिर्फ उसी परियोजना पर चलेगी दिवाला कार्यवाही

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहेगी, जिसमें डिफॉल्ट हुआ है। यह प्रक्रिया किसी भी स्थिति में कंपनी की अन्य परियोजनाओं तक नहीं बढ़ाई जाएगी। एनसीएलटी ने अपने एक अहम फैसले में रियल एस्टेट कंपनियों के लिए दिवाला प्रक्रिया को लेकर बड़ा स्पष्टिकरण दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि यदि किसी रियल एस्टेट कंपनी की किसी विशेष परियोजना में चूक (डिफॉल्ट) होती है, तो उसके खिलाफ शुरू की गई कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) केवल उसी परियोजना तक सीमित रहनी चाहिए, न कि पूरी कंपनी या उसकी अन्य परियोजनाओं तक फैलाई जानी चाहिए। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परियोजना-आधारित दिवाला प्रक्रिया घर खरीदारों और अन्य हितधारकों के हित में अधिक न्यायसंगत है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी एक प्रोजेक्ट की वित्तीय समस्या का असर अन्य बिना विवाद वाली परियोजनाओं पर नहीं पड़ना चाहिए। यह फैसला नवीन एम रहेजा की अपील पर सुनाया गया है और इसका सीधा

संबंध रियल एस्टेट कंपनी रहेजार डेवलपर्स की परियोजनाओं से जुड़ा है। न्यायाधिकरण ने पहले भी एक आदेश में कहा था कि रहेजा शिलास परियोजना तक ही सीआईआरपी सीमित रहेगी। इसी सिद्धांत को आगे बढ़ाते हुए अब कृष्णा हाउसिंग स्कीम को भी अलग परियोजना के रूप में दिवाला प्रक्रिया के दायरे में रखा गया है। एनसीएलएटी ने समाधान पेशेवर को निर्देश दिया है कि वह केवल संबंधित परियोजना के हितधारकों से ही दावे आमंत्रित करे और 14 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करे। न्यायाधिकरण के अनुसार, यह व्यवस्था न केवल घर खरीदारों के हितों की रक्षा करती है, बल्कि रियल एस्टेट सेक्टर में दिवाला मामलों को अधिक व्यावहारिक और संतुलित बनाती है।

तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और लाभांश घोषणाओं से बाजार की दिशा तय होगी

– शेयर बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्ध विराम और शांति वार्ता की उम्मीदों से पिछले सप्ताह मजबूत तेजी दिखाने के बाद भारतीय शेयर बाजार अब एक बेहद अहम सप्ताह में प्रवेश कर रहा है। 12 से 17 अप्रैल के बीच निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम के साथ-साथ घरेलू आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और लाभांश घोषणाओं पर रहेगी। यह सप्ताह बाजार के लिए निर्णायक माना जा रहा है, क्योंकि बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां अपने परिणाम जारी करने वाली हैं। इस सप्ताह 25 से अधिक कंपनियां अपने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के नतीजे घोषित करेंगी। इसके साथ ही 8 से अधिक कंपनियों के बोर्ड अंतरिम और अंतिम लाभांश पर भी निर्णय लेंगे। बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो और यश बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वहीं क्रि सिल और जस्ट डायल के परिणाम भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। 13 अप्रैल को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट और जस्ट डायल अपने नतीजे जारी करेंगे, जबकि 14 अप्रैल को आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स और नुवोको विस्टास कॉर्पोरेशन जैसे कंपनियों के परिणाम आएंगे। 15 अप्रैल को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के नतीजे घोषित होंगे। 16 अप्रैल को विप्रो अपने चौथी तिमाही के परिणाम जारी करेगी और साथ ही शेयर पुनर्खरीद पर भी विचार कर सकती है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हलचल संभव है। लाभांश से जुड़ी गतिविधियों में मुथुट फायनेंस प्रमुख है, जिसने

30 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। 17 अप्रैल को यह एक्स-लाभांश ट्रेड करेगी। इसके अलावा 18 अप्रैल को बैंकिंग क्षेत्र की बड़ी कंपनियां जैसे एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक अपने ऑडिटेड नतीजे घोषित करेंगी, जिन पर पूरे बाजार की नजर रहेगी। कुल मिलाकर यह सप्ताह घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। महंगाई के आंकड़े, वैश्विक तनाव में बदलाव और कॉरपोरेट नतीजे मिलकर भारतीय शेयर बाजार की अगली दिशा तय करेंगे।

दुनिया की सबसे महंगी धातु कैलिफोर्नियम

मुंबई ।

सोना और चांदी को आमतौर पर सबसे कीमती धातु माना जाता है, लेकिन एक ऐसा कृत्रिम तत्व भी है जिसकी कीमत इन्हें भी पीछे छोड़ देती है। इसका नाम कैलिफोर्नियम है, जो अत्यंत दुर्लभ और रेडियोधर्मी धातु है। कैलिफोर्नियम एक कृत्रिम तत्व है जिसका परमाणु क्रमांक 98 है। इसे प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता, बल्कि न्यूक्लियर रिएक्शन के जरिए प्रयोगशालाओं में बनाया जाता है। पहली बार इसे 1950 में अमेरिकी वैज्ञानिकों ने तैयार किया था। इसकी बेहद सीमित उपलब्धता और जटिल उत्पादन प्रक्रिया के कारण इसकी कीमत करोड़ों रुपये प्रति ग्राम तक मानी जाती है। हालांकि यह पारंपरिक बाजार में खरीदा-बेचा नहीं जाता। इसका उपयोग न्यूक्लियर रिएक्टर शुरू करने, तेल व खनिज खोज, सुरक्षा जांच और कुछ विशेष कैंसर उपचार तकनीकों में किया जाता है।

पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' से लग्जरी कार बाजार में तेजी की उम्मीद

- बड़ी कार कंप नियों ने कहा- खरीदार लौटेंगे, सप्लाई चेन में सुधार संभव

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद घोषित युद्धविराम से भारत के लग्जरी कार बाजार में सकारात्मक माहौल बनने की उम्मीद बढ़ गई है। उद्योग से जुड़े शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि इससे उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा और महंगी कारों की बिक्री फिर रफ्तार पकड़ सकती है। देश में बीएमडब्ल्यू ग्रुप, म र्सि डिज बेंज और आडी जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि युद्धविराम के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और ग्राहक फिर से शोरूम की ओर लौट सकते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धविराम समय पर हुआ है और यह ग्राहकों के निर्णय के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कई ग्राहकों ने पहली तिमाही में खरीद टाल दी थी, लेकिन स्थिति सुधरने पर वे वापस खरीदारी कर सकते हैं। मार्च में कंपनी को अब तक के सबसे मजबूत ऑर्डर मिले थे, लेकिन कई डिलीवरी आगे बढ़ा दी गई हैं, रद्द नहीं की गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अप्रैल और आने वाले महीने बेहतर रहेंगे। बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि युद्धविराम से अनिश्चितता कम होगी और उपभोक्ताओं में खर्च करने की इच्छा बढ़ेगी। उनके अनुसार, कई ग्राहक व्यवसाय से जुड़े हैं और वैश्विक घटनाओं का सीधा असर उनकी निर्णय क्षमता पर पड़ता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि भू-राजनीतिक तनाव के दौरान कलपुर्जों और किट की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन कंपनियों ने पहले से बफर स्टॉक तैयार कर रखा था।

444 दिनों की एफडी पर सरकारी बैंकों में मिल रहा 6.6 फीसदी तक ब्याज

- कम अवधि में सुरक्षित और तय रिटर्न का विकल्प

नई दिल्ली ।

सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए 444 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सरकारी बैंक इस अवधि पर आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। बैंक एफडी लंबे समय से सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प रही है, और अब 444 दिनों की अवधि निवेशकों के बीच खासा लोकप्रिय हो रही है। मौजूदा समय में सरकारी बैंक इस अवधि पर करीब 6.10 से 6.60 फीसदी तक ब्याज दर दे रहे हैं, जो कम अवधि में स्थिर रिटर्न चाहने वालों के लिए आकर्षक माना जा रहा है। प्रमुख बैंकों की बात करें तो बैंक आफ बड़ौदा 444 दिनों की एफडी पर लगभग 6.45 फीसदी रहा है। वहीं स्टेट बैंक आफश् इं डिया (एसबीआई) इस अवधि पर 6.45 फीसदी के आसपास रिटर्न ऑफर कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक और यू नियन बैंक आफ इं डिया भी करीब 6.60 फीसदी तक की दरें दे रहे हैं। इसके अलावा इं डियन बैंक और इं डियन ओवरसीज बैंक इस कैटेगरी में भी 6.60 फीसदी तक ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं। अलग-अलग बैंकों में ब्याज दरों में थोड़ा अंतर जरूर है, इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत और रिटर्न के हिसाब से सही विकल्प चुनना चाहिए। ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के बीच 444 दिनों की एफडी उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है, जो बिना जोखिम के निश्चित कमाई चाहते हैं। हालांकि, निवेश से पहले ब्याज दर, समय अवधि और अन्य शर्तों की तुलना करना जरूरी है, ताकि बेहतर रिटर्न सुनिश्चित किया जा सके।

डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में भारी बढ़ोतरी, पेट्रोल को राहत

- सरकार का फैसला- वैश्विक तेल संकट के बीच घरेलू सप्लाई सुरक्षित करने पर जोर

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच बड़ा कदम उठाते हुए डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि पेट्रोल के निर्यात पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, डीजल पर निर्यात शुल्क 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ पर ड्यूटी 29.5 रुपये से बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। पेट्रोल के निर्यात पर फिलहाल कोई शुल्क नहीं लगाया गया है। यह नया नियम 11 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने इस फैसले को सेंट्रल एक्साइज एक्ट 1944 और फाइनेंस एक्ट के तहत लिया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि मौजूदा हालात में तुरंत हस्तक्षेप जरूरी था। दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है। अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास सप्लाई प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

मन की साधना

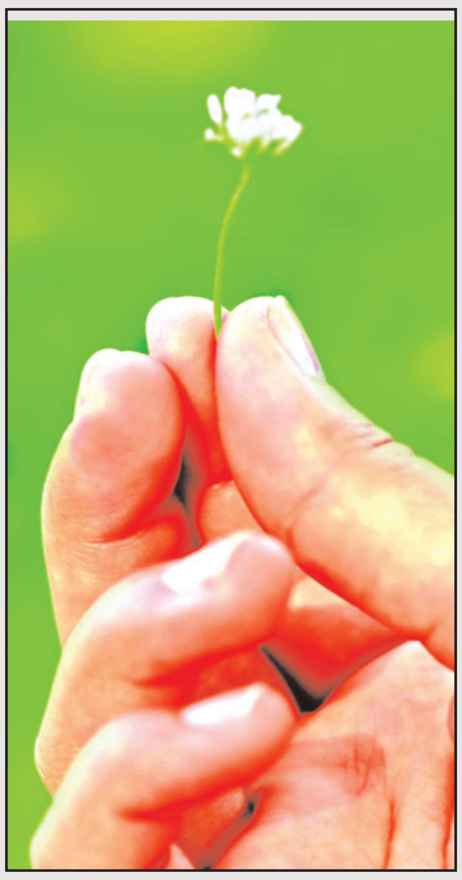

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा-भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हू कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अत: भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैंदराबाद के बीच मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रही है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स से 12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं।

गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा।

राजस्थान रॉयल्स- शिवम दुबे, वैभव सुर्यवंशी, डेवोन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई सुशांत मिश्रा, यशराज पुंजा, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह, अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन और एडम मिलने।

ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड : जाफर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था। अगर उन्होंने घातक गेंदबाजी नहीं की होती तो सीएसके नहीं जीत पाती क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े विकेट लिए। चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिए जबकि लक्ष्य 210 रनों का था। इसलिए लगता है कि यही वह अंतर था जिससे कैपिल्स उबर नहीं पायी। उन्होंने ये माना कि अगर सैमसन शतक नहीं लगाते तो टीम 200 से ऊपर नहीं पहुंच पाती पर कहा कि इस मैच में बल्लेबाजी आसान थी पर गेंदबाजी नहीं।

नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

चेन्नई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में दौहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है। वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ।

आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐस में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

गिल और बटलर के अर्धशतक, गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया

लखनऊ (एजेंसी)। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी।

सुपर जायंट्स को आठ विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

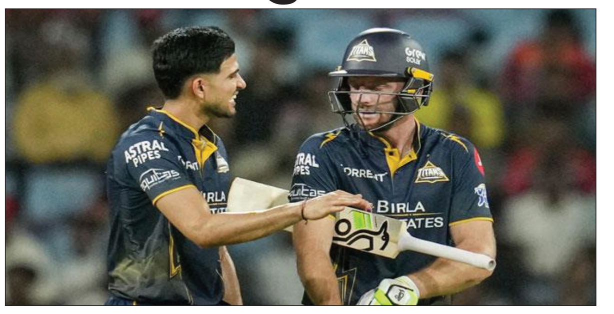

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस के सलामी बल्लेबाजों ने रक्षात्मक नीति अपनाते हुए शुरुआती चार ओवरों में सिर्फ 25 रन बनाए। शुभमन गिल ने पांचवें ओवर में शमी के खिलाफ छक्का और तीन चौके लगाकर ओवर से 20 रन बटोरे। गिल ने इस दौरान आईपीएल में अपने 4000 रन पूरे किए। अगले ओवर में गेंदबाजी के लिए आए राठी ने पहली ही गेंद पर सुदर्शन को चलता किया। क्रीज पर आए बटलर ने इसी ओवर में चौके से टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। राठी के अगले ओवर में पंत ने बटलर का आसान कैच टपका कर उन्हें जीवनदान दिया।

गिल ने दूसरे छोर से जॉर्ज लिंडे के खिलाफ चौका लगाया, तो वहीं बटलर ने जोखिम लिए बिना आवेश और राठी की गेंदों को बाउंड्री के पार भेजा। गिल ने 12वें ओवर में आवेश खान के खिलाफ एक रन चुराकर 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, तो वहीं बटलर ने ओवर का समापन हैट्रिक चौकों से किया। उन्होंने लिंडे की गेंद पर एक रन दौड़कर 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 प्रारूप में यह बटलर का 100वां अर्धशतक है। प्रिंस ने गिल को, तो वहीं शमी ने बटलर को आउट कर टाइटंस को सात गेंद के अंदर दो झटके देकर टीम की वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 21) और राहुल तेवतिया (नाबाद 10) ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की औपचारिकता पूरी की।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मिचेल मार्श (चार गेंद में 11 रन) ने दूसरे ओवर में रबाडा का स्वागत लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर किया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस अनुभवी गेंदबाज ने धीमी गेंद पर उन्हें चकमा देकर गिल के हाथों कैच करा दिया। मारक्रम ने इस ओवर का अंत चौके से किया, जिससे टीम ने 19 रन बटोरे। दूसरे छोर से सिराज ने 11 गेंद की पारी में एक छक्का और एक चौका लगाने वाले पंत को आउट कर सुपर जायंट्स को बड़ा झटका दिया। मारक्रम ने अशोक की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर छठे ओवर में टीम का अर्धशतक पूरा किया।

आयुष बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में हारे, रजत पदक मिला

निंगबो ।भारत के आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में हार के साथ ही रजत पदक ही मिल पाया है।आयुष को विश्व के दूसरे नंबर-2 खिलाड़ी चीन के शि युकी ने सीधे गेम में 21-8, 21-10 से हराया। युवा भारतीय खिलाड़ी आयुष मैच में हावी नहीं हो पाये और चीनी खिलाड़ी युकी ने पूरे समय अपना दबदबा बनाये रखा।आयुष की हार के साथ ही बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पुरुष एकल खिताब सपना फिर टूट गया है।इस टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन काफी अच्छा रह।।इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले आयुष अब तक के दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने है।इससे पहले ये उपलब्धि दिनेश खन्ना ने साल 1965 में हासिल की थी।

धोनी की तरह है सैमसन का स्वभाव : गेंदबाजी कोच

चेन्नई (ईएमएस)।चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक साइमन ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जैसे है। कोच के अनुसार जिस प्रकार धोनी शांत रहते हैं और कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आते, एसा ही सैमसन के साथ भी है। सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती तीन मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए बड़ी पारी खेली। साइमन ने कहा कि सैमसन भी शांत रहते हैं और उन्हें भी धोनी की तरह ही खेल की काफी समझ है।उन्होंने धोनी को अब तक के सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया है।साइमन ने कहा कि सैमसन भी बिल्कुल वैसी ही सोच रखते हैं, वे कभी घबराते नहीं और अपना मनोबल बनाये रखते हैं।वह धोनी की तरह ही तैयारी में ज्यादा जोर नहीं लगाते। साइमन ने कहा, 'मुझे कई सालों तक धोनी के साथ खेलने और उनके साथ जुड़े रहने का मौका मिला है।वे सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। सैमसन भी इसी प्रकार के स्वभाव वाले हैं।वह भी खेल को इसी प्रकार से समझते हैं।मैंने उनके अंदर कोई भव नहीं देखा है।' साइमन ने कहा कि सैमसन जैसे क्लास के खिलाड़ी खराब फॉर्म से अपने आप उबर जाते हैं।उनकी क्षमताओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है।उन्होंने बताया कि बड़े खिलाड़ियों को फार्म में नहीं होने पर भी अपने कौशल पर भरोसा रखते हुए मनोबल बनाये रखना चाहिये। साइमन ने कहा, 'सभी जानते हैं कि खराब फॉर्म सिर्फ अस्थायी है।इसलिए सफलता के लिए सैमसन जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताना जरुरी है।'

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरता: चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है।

इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार-बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रम

न्यूजीलैंड टीम सोमवार को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाएंगे।

पहला और दूसरा वनडेः 17 और 20 अप्रैल, ढाका

तीसरा वनडेः 23 अप्रैल, चट्टोग्राम

टी20 सीरीजः 27, 29 अप्रैल और 2 मई

बांग्लादेश टीम (स्क्वाड) - लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज (कप्तान), रिशाद हुसैन, तानवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।

बाबर आजम पीएसएल में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

लाहौर ।स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है।पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं।बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये।इस मैच में पेशावर ज़ल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये।इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए।अब बाबर के 104 मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं।बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं।वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं।इसमें उनका औसत 45.50 है। बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था।इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे।इससे पहले वह पेशावर ज़ल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं।बाबर के अच्छे प्रदर्शन से अभी पेशावर ज़ल्मी इस सत्र में शीर्ष पर है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।इसी साल हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही पाक टीम के बाहर चल रहे बाबर क प्रयास इस लीग में अपने प्रदर्शन के बल पर वापसी करना है।इस सत्र में उन्होंने एक अर्धशतक सहित चार मैचों में 212 रन बनाए हैं। वहीं फखर जमां लीग में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं।फखर के नाम इस लीग में 3039 रन हैं। वह पीएसएल में 100 मैच खेलने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।उनके नाम 87 पारियों में 2853 रन हैं।

पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

-14 अप्रैल को सीएसके के खिलाफ मैच में खेलना तय

कोलंबो ।श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है।पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है।ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे।अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा। पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी। पाथिराना आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा। पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं।

14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है।हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का का गेंदबाजी आक्रामक काफी कमजोर रहा है।जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है।पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं।

वैभव सूर्यवंशी:इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता।

आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

क्या फिल्में छोड़कर बिजनेसमैन से शादी करने वाली हैं तृषा कृष्णन?

तृषा कृष्णन बीते कई दिनों से सुर्खियों में हैं। हाल ही में वे थलापति विजय के साथ चैन्नई में एक वेडिंग रिसेप्शन में शामिल हुई थीं। इसके बाद से ही दोनों के डेटिंग की चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच ये रिपोर्ट्स भी सामने आ रही थीं कि एक्ट्रेस अब फिल्में छोड़कर एक अमीर बिजनेसमैन के साथ शादी करने वाली हैं। जिसके बाद अब इन रिपोर्ट्स का रिसपॉन्स देते हुए तृषा ने एक पोस्ट शेयर किया है।

स्टोरी के जरिए दिया जवाब

तृषा कृष्णन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर जोरदार जवाब दिया है। खबरें आ रही थीं कि वो जल्द ही फिल्मों से रिटायर होने वाली हैं और नए प्रोजेक्ट्स साइन नहीं कर रहीं, लेकिन तृषा ने इन सबको पूरी तरह गलत बताया। तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर तंज कसते हुए लिखा, 'सुना है मैंने फिल्में छोड़ दी हैं, किसी अमीर बिजनेसमैन से शादी कर ली है और 4 बच्चों की मां भी बन गई हूं, जो कल ही 2 साल के हो गए! कुछ और जोड़ना है या आज की सारी मनगढ़ंत कहानियां यहीं खत्म हो गईं?' इसका मतलब जो भी रिपोर्ट्स सामने आ रहीं थीं, वो सारी गलत थीं।

विजय के साथ जोड़ा जा रहा नाम

बता दें कि बीते कुछ दिनों से विजय और तृषा के बीच रिलेशनशिप में होने की अफवाहें चल रही हैं। ये इस वजह से भी हो रहा है कि विजय की पत्नी संगीता ने उन्हें तलाक देने की बात कही थी और किसी एक्ट्रेस के साथ अवैध संबंध का जिक्र किया था। इसके बाद से ही इस मामले में तृषा का नाम घसीटा जाने लगा।

तृषा का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो तृषा जल्द ही 'करुप्पु' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ सूर्या लीड रोल में हैं। फिलहाल, तृषा ने साफ कर दिया है कि वो न तो रिटायर हो रही हैं और न ही इन अफवाहों का उन पर कोई असर है।

स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी' में बॉक्सिंग करते नजर आएंगे पुलकित सम्राट

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा स्टारर स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी' का टीजर सामने आया है। रोमांस छोड़कर इस बार पुलकित बॉक्सिंग करते नजर आएंगे। टीजर को देखने के बाद फैंस इस सीरीज के लिए और पुलकित सम्राट को इस अंदाज में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं।
हरियाणा की ब्रूटल और इमोशनली चार्ज बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित 'ग्लोरी' का टीजर पारंपरिक स्पोर्ट्स ड्रामा से इतर एक जटिल कहानी की ओर इशारा करता है। इसमें बदला, महत्वाकांक्षा और टूटे हुए रिश्ते आपस में टकराते हैं। 1 मिनट 11 सेकंड के इस टीजर में बॉक्सिंग, मर्डर, सस्पेंस, पॉवर और थ्रिलर देखने को मिलता है। टीजर में त्याग, बलिदान और कष्ट की बात की जाती है।

1 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी सीरीज

करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित 'ग्लोरी' में दिव्येंदु शर्मा और पुलकित सम्राट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में 'धुरंधर' फेम सुविंदर विक्की, आशुतोष राणा, यशपाल शर्मा और सिकंदर खेर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एटॉमिक फिल्म्स के तहत निर्मित 'ग्लोरी' 1 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी।

पुलकित और दिव्येंदु के लिए महत्वपूर्ण है 'ग्लोरी'

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा के लिए 'ग्लोरी' काफी अहम है, क्योंकि दोनों को अपने करियर में एक बड़ी सफलता की जरूरत है। पुलकित सम्राट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार 'राहु केतु' में नजर आए थे। जबकि दिव्येंदु शर्मा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई 'साली मोहब्बत' में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्म में राम चरण की पैन इंडिया फिल्म 'पेद्दी' भी शामिल है।

एक्शन फिल्म 'एंटनी' में नजर आने वाले हैं सनी देओल

'बॉर्डर 2' जैसी दमदार फिल्म की सफलता के बाद सनी देओल अगली फिल्म की तैयारियों में लग चुके हैं। वे फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने मुंबई का शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है और अब वे गोआ में बचे हुए सीन शूट करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ कुछ और खास कलाकार शामिल होंगे।
फिल्म की कहानी गोवा में फैले एक क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें सनी देओल एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे, जो इस गैंग को खत्म करने की कोशिश करता है। इसलिए फिल्म के सबसे बड़े एक्शन सीन भी यहीं प्लान किए गए हैं।
बॉलीवुड एक्टर सनी देओल 'एंटनी' फिल्म में नजर आने वाले हैं। ये एक एक्शन फिल्म होगी। फिल्म में सनी देओल के साथ ज्योतिका और विजय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जिसमें विजय वर्मा विलेन का किरदार निभा रहे हैं। 'एंटनी' खास इसलिए भी है क्योंकि यह पहली बार है जब प्रोड्यूसर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी सनी देओल के साथ काम कर रहे हैं।
बता दें कि उन्होंने फिल्म के लिए मुंबई शेड्यूल पूरा कर लिया है। अब वह अगले शेड्यूल के लिए गोवा जा रहे हैं, जहां वह डायरेक्टर बालाजी गणेश के निर्देशन में जबरदस्त एक्शन सीन शूट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में लगभग एक महीने का लंबा शेड्यूल होगा, जो फिल्म के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। यहां फिल्म के बड़े-बड़े एक्शन सीक्वेंस शूट किए जाएंगे, जो कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।

फिल्म में होंगे दमदार एक्शन सीन

एक बड़े एक्शन सीन में तेज रफ्तार से गाड़ियों का पीछा करना दिखाया जाएगा, जो गोवा की सड़कों पर शूट होगा। इसके बाद समुद्र किनारे जोरदार फाइट सीन भी देखने को मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक बताया कि टीम एक नाइट शूट की भी तैयारी कर रही है, जिसमें धमाके और खतरनाक स्टंट्स होंगे। खास बात यह है कि सनी देओल इन एक्शन सीन का बड़ा हिस्सा खुद करते नजर आएंगे।

क्या बॉयफ्रेंड ऋषभ से अलग हुईं सान्या मल्होत्रा?

पिछले काफी वक्त से फैंस सान्या मल्होत्रा के पार्टनर के बारे में जानना चाहते थे। फिर अचानक एक दिन सान्या, मशहूर सितारवादक ऋषभ रिखीराम शर्मा के साथ दिखाई दीं। इसके बाद से फैंस उम्मीद कर रहे थे कि शायद दोनों में से कोई अपने रिश्ते पर मुहर लगाएगा। मगर अब खबरें सामने आ रही हैं कि कपल अलग हो चुका है। रिपोर्ट्स की मानें तो सान्या और ऋषभ का रिश्ता काफी गुपचुप रहा। न दोनों ने अपने कोई खास पल फैंस के साथ साझा किए और न ही कभी एक-दूसरे के बारे में कुछ कहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने साल 2025 की शुरूआत में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। मगर अब दोनों ने ब्रेकअप कर लिया।

बिना शोर-शराबे के अलग हुए

खास बात यह है कि जिस तरह दोनों चुपचाप रिलेशनशिप में रहे। ठीक वैसे ही बेहद गुप चुप तरीके से दोनों ने अलग होने का फैसला भी किया। अब दोनों ने एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो भी कर दिया। खबरें तो यहां तक हैं कि ऋषभ ने सान्या को छोड़कर किसी और को डेट करना तक शुरू कर दिया है। मगर अब तक उन्होंने इसपर कुछ भी आधिकारिक रूप से नहीं कहा है।

अब 'कंटेंट ड्रिवन' एक्शन फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं टाइगर श्रॉफ

हिंदी सिनेमा के 'एक्शन आइकन' कहे जाने वाला टाइगर श्रॉफ अपने करियर के सबसे अहम मोड़ पर खड़े हैं। 'गणपत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के उम्मीद से कम प्रदर्शन के बाद टाइगर ने अब अपनी रणनीति बदल दी है। अब वह सिर्फ स्टंट और फिटनेस के दम पर नहीं, बल्कि 'कंटेंट ड्रिवन' एक्शन फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए कन्नड़ निर्देशक सचिन रवि के साथ हाथ मिलाया है, जो 'अवाने श्रीमन्नारायण' जैसी तकनीकी रूप से मजबूत फिल्म के लिए जाने जाते हैं।

टाइगर ने अपनी फीस कम की

टाइगर की फिल्मों में अब विलेन और कास्टिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। साउथ से शिवा राजकुमार या उपेंद्र जैसे साउथ स्टार्स को लाने की तैयारी है, जबकि 'वज्र' में जयदीप अहलावत या के के मेनन जैसे दिमाग से खेलने वाले विलेन पर विचार हो रहा है। साथ ही खबर है कि टाइगर ने अपनी फीस में भी कटौती की है, ताकि फिल्मों का बजट संतुलित रहे और ओटीटी-सैटेलाइट डील के जरिए पहले ही 50% रिकवरी सुनिश्चित हो सके।

'रैम्बो' और 'वज्र' से लेंगे बड़े रिस्क और नए जोनर में एंट्री

टाइगर के लाइनअप में 'रैम्बो' सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 200 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। यह सिर्फ रीमेक नहीं, बल्कि भारतीय परिवेश में री-इमेजिन की गई फिल्म होगी, जिसकी शूटिंग लद्दाख, जॉर्जिया और आइसलैंड में होगी। वहीं राम माधवानी के साथ 'वज्र' को एक 'ग्रैंड स्केल स्पिरिचुअल एक्शन' फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें भारतीय दर्शन का पुट होगा। इसकी शूटिंग ऋषिकेश, वाराणसी और नेपाल में की जाएगी। यह टाइगर के लिए एक ऐसा क्षेत्र है जहां उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया।

'बागी 5' को रीबूट करने की तैयारी में हैं साजिद नाडियाडवाला

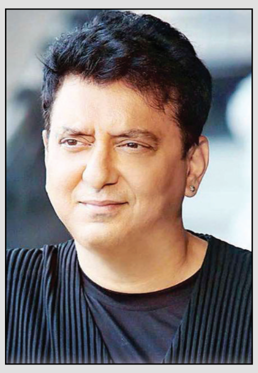

फिल्म समीक्षकों का तर्क है कि दर्शक अब केवल टाइगर के सिक्स पैक एब्स देखने के लिए थिएटर नहीं आते। वहीं 'बागी 4' की असफलता के बाद साजिद नाडियाडवाला अब दक्षिण भारतीय निर्देशक ए. हर्षा के साथ मिलकर 'बागी 5' को पूरी तरह रीबूट करने की तैयारी में हैं।

अवॉर्ड कंट्रोवर्सी पर राजपाल यादव ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच बीते दिनों उन्होंने एक अवॉर्ड शो में हिस्सा लिया। यहां जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी बतौर होस्ट मौजूद थे। इसी दौरान कथित तौर पर होस्ट ने राजपाल यादव का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी की। इसे लेकर सोशल मीडिया पर राजपाल यादव के फैंस के बीच नाराजगी देखी जा रही है, जिस पर खुद एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही फैंस से एक अपील की है।

राजपाल यादव ने क्या कहा?

एक इवेंट में होस्ट ने डॉलर और रुपये पर बात करते हुए राजपाल यादव से कहा था, 'डॉलर या रुपया कितना भी ऊपर-नीचे हो, आपको कर्ज तो उतना ही देना है, जितना बाकी है'। इस दौरान राजपाल यादव ने हंसते हुए रिएक्शन दिया था और कोई नाराजगी जाहिर नहीं की थी। मगर, राजपाल यादव के फैंस को यह बात बुरी लगी और सोशल मीडिया पर इस विषय पर विरोध किया जाने लगा।

फैंस से की ट्रोल न करने की अपील

मालमा बढ़ता देख राजपाल यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने फैंस से अपील की है कि दोनों होस्ट को कुछ न कहा जाए। एक्टर ने कहा है, 'दुनिया में युद्ध है, इकोनॉमी है, सब ऊपर-नीचे चल रहा है। इसमें आम आदमी को पिसना पड़ता है। उसी के हिसाब से स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास किया। फिल्मों में भी कभी-कभी ऐसी स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास होता है, लेकिन वह सही तरीके से ऑडियंस तक नहीं पहुंचता'।

जाकिर खान बोले- 'लव यू भाई'

राजपाल ने आगे जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी को अपना जिगरी दोस्त बताते हुए लिखा है कि उनका दिल मत दुखाइए। वे दोनों मेरे छोटे भाई जैसे हैं। उन्होंने हमेशा सम्मान किया है। व्यर्थ में इनकी निंदा करके दिल मत दुखाइए। इनका दिल दुखाने से मेरा दिल दुखेगा। राजपाल यादव के इस पोस्ट पर जाकिर खान और सौरभ ने भी टिप्पणी की है और एक्टर का आभार जताया है।

क्या है मामला?

राजपाल यादव चेक बाउंस से जुड़े एक मामले को लेकर काफी समय से सुर्खियों में हैं। उन्होंने एक फिल्म के निर्माण के लिए गए लोन लिया था। इसे वे चुका नहीं पाए। उन्होंने कंपनी को जो चेक दिए थे कथित तौर पर वे भी बाउंस हो गए थे। बीते दिनों अभिनेता ने तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण किया था। बाद में वे अंतरिम जमानत पर बाहर आ गए थे।

रजनीकांत ने पूरी की 'जेलर 2' की शूटिंग

रजनीकांत की 'जेलर 2' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म में इस बार कई कलाकार नजर आएंगे। अभिनेता ने अब फिल्म की आगे की जानकारी फैंस के साथ साझा कर दी है। साथ ही उन्होंने अपनी अगली फिल्म को लेकर भी अपडेट साझा की। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने हाल ही में मीडिया से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में चर्चा की। उनकी बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'जेलर 2' की शूटिंग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
13 अप्रैल 2026

संक्षिप्त समाचार

अमीर और गरीब देशों के बीच खाई चौड़ी हो रही है : संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट का खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चिंताजनक खुलासा हुआ है कि अमीर और गरीब देशों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल कई देशों द्वारा सहमत किए गए महत्वपूर्ण कदम, जिनमें प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थानों का पुनर्गठन भी शामिल था, अब तक केवल अधूरे वादे बनकर रह गए हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक ने संकेत दिया है कि वैश्विक विकास को उन्नत करने की योजना थी, लेकिन हालिया क्षेत्रीय संघर्षों ने विश्व अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को धूमिल कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के उप महासचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भू-राजनीतिक तनाव विकासशील देशों के लिए वित्त आकर्षित करने के प्रयासों को और अधिक जटिल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक अत्यंत खतरनाक समय है, क्योंकि भू-राजनीतिक विचार आर्थिक संबंधों और वित्तीय नीतियों को तेजी से आकार दे रहे हैं।

किम जोंग उन ने चीन के 'बहुध्रुवीय विश्व' के एजेंडे का समर्थन किया, विदेश मंत्री वांग यी के साथ बढ़ेगी दोस्ती

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने चीन द्वारा 'बहुध्रुवीय विश्व' के निर्माण के प्रयासों का पुरजोर समर्थन करते हुए दोनों पारंपरिक सहयोगियों के बीच संबंधों को और गहरा करने का आह्वान किया है। यह बात चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई मुलाकात के दौरान सामने आई। शुक्रवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरियाई सरकार चीन के 'एक चीन सिद्धांत' के आधार पर उसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के प्रयासों का पूर्ण समर्थन करेगी। यह सिद्धांत बीजिंग की उस आधिकारिक स्थिति को दर्शाता है कि ताइवान चीन का अविभाज्य अंग है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने इस बात पर जोर दिया।

ईरान ने कहा भारतीयों की नेकी व इंसानियत के हम कायल, शुक्रिया

तेहरान, एजेंसी। भारत में ईरानी दूतावास ने शुक्रवार को एलान किया कि उसने जंग के दौरान वित्तीय मदद के लिए बनाए गए सभी खाते बंद कर दिए। इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के समर्थन और मदद के लिए शुक्रिया कहा। दूतावास ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों से मिले भारी समर्थन और उनकी मदद को देखते हुए अब ये खाते निष्क्रिय कर दिए गए हैं। इसके साथ ही लोगों से दूतावास के नाम पर चल रहे किसी भी खातों में पैसा न भेजने की अपील की गई है। इससे पहले 22 मार्च को ईरानी दूतावास ने भारतीयों की नेक इरादों और इंसानियत के लिए उन्हें शुक्रिया कहा था। इसमें आगे कहा गया कि भारतीयों ने ईरान के पुनर्निर्माण के लिए पैसे और आभूषण दान किए। हम भारत की नेकी हमेशा याद रखेंगे। इसमें कश्मीरी लोगों की खास तौर से सराहना की गई। दूतावास ने खासकर एक कश्मीरी महिला के योगदान की खासी सराहना की। इस महिला ने अपने दिवंगत पति की याद में 28 साल से रखी सोने की निशानी ईरान की मदद के लिए दान कर दी थी।

ईरान को गुपचुप हथियार भेज रहा है चीन, अमेरिकी एजेंसी का खुलासा ; भड़केंगे ट्रंप?

तेहरान , एजेंसी। एक ओर चीन खुद को अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने वाले शांतिदूत के रूप में पेश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों ने दावा किया है कि चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नए कंधे से दागे जाने वाले विमान भेदी मिसाइल सिस्टम भेजने की तैयारी कर रहा है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, चीन इन प्रणालियों को तीसरे देशों के माध्यम से भेजने की योजना बना रहा है ताकि उनकी उत्पत्ति को छिपाया जा सके। ये सिस्टम कम ऊंचाई पर उड़ने वाले अमेरिकी हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू विमानों के लिए काल साबित हो सकते हैं। पिछले हफ्ते ईरान ने जिस अमेरिकी एफ-15 जेट को मार गिराया था, राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि उसमें इसी तरह की हैंडहेल्ड हीट-सीकिंग मिसाइल का इस्तेमाल हुआ था। यदि यह चीनी निर्मित है तो यह बीजिंग की सीधी भागीदारी का सबूत होगा। यह खबर ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। एक तरफ चीन ने युद्धविराम कराने में मदद का दावा किया, वहीं दूसरी ओर वह ईरान को हथियार देकर युद्धविराम का उपयोग उसकी सैन्य शक्ति को फिर से संचित करने के लिए कर रहा है। अगले महीने होने वाली ट्रंप-शी वार्ता अब इस खुफिया रिपोर्ट के कारण काफी तनावपूर्ण होने की उम्मीद है। यदि अमेरिका के पास चीनी हथियारों के पुख्ता सबूत मिलते हैं, तो न केवल युद्धविराम टूट सकता है बल्कि अमेरिका चीन पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध भी लगा सकता है।

नासा का आर्टेमिस 2 मिशन : कैप्सूल से निकाले गए चारों अंतरिक्ष यात्री, चेहरे पर दिखी खुशी

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा का आर्टेमिस 2 मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। इस मिशन में शामिल सभी अंतरिक्ष यात्री 10 दिन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने के बाद ओरियन अंतरिक्ष यान के जरिए सुरक्षित रूप से समुद्र में उतर गए। मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री- रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल थे।

यह ऐतिहासिक वापसी प्रशांत महासागर में सैन डिएगो के तट के पास हुई। कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद पैराशूट सिस्टम के माध्यम से समुद्र में सुरक्षित उतरा। इसके बाद रिकवरी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। काफी देर चली प्रक्रिया के बाद अंतरिक्षयात्रियों को सुरक्षित कैप्सूल से बाहर निकाला गया। यहां से सेना का हेलीकॉप्टर उन्हें लेने के लिए पहुंचा। नासा ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'आर्टेमिस II मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्रियों को ओरियन अंतरिक्ष यान से सफलतापूर्वक सुरक्षित निकाल लिया गया है और वे अब यूएसएस जॉन पी. मुर्था पर हैं। इसके बाद उन्हें चिकित्सा कक्ष में ले जाया जाएगा, जहां मिशन के बाद उनकी चिकित्सा जांच की जाएगी। यूएसएस जॉन पी. मुर्था के डेक पर क्रिस्टीना और विक्टर के चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी, क्योंकि वे मिशन के बाद की नियमित चिकित्सा जांच के लिए ले जाए जाने का इंतजार कर रहे थे।'

नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स ने भी ओरियन की पृथ्वी वापसी पर सोशल मीडिया पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद हमारे दल ने नासा आर्टेमिस मिशन 2 के दल को चंद्रमा की यात्रा से लौटते समय पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हुए देखा! मॉड्यूल के जलने के साथ ही हमें सबसे पहले एक तेज रोशनी और एक लकीर दिखाई दी। हमने ओरियन कैप्सूल को सीधे प्रवेश करते हुए नहीं देखा, लेकिन वायुमंडल के ऊपरी भाग में उसके द्वारा छोड़ी गई धुंधली लकीर को अवश्य देखा। अपने साथियों के इस अद्भुत मिशन के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटने पर हमें अत्यंत प्रसन्नता हुई!

पृथ्वी पर लौटने से पहले नासा ने जानकारी दी थी कि लगभग 6 लाख 90 हजार मील की लंबी यात्रा पूरी करने के बाद यह दल पृथ्वी के करीब पहुंच रहा है। यह मिशन दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि पांच दशक से अधिक समय बाद इंसान ने पृथ्वी की निचली कक्षा से आगे गहरे अंतरिक्ष में कदम रखा है। नासा के अनुसार, इस यात्रा में अंतरिक्ष यात्री अब तक की सबसे अधिक दूरी तक गए, जो भविष्य के चंद्र मिशनों के लिए रास्ता तैयार करेगी।

तनाव के बीच जवाबी कार्रवाई करते हुए इक्वाडोर पर कोलंबिया 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा है कि वह पड़ोसी देश इक्वाडोर से आयात पर शुल्क 30 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर देगा। यह कदम क्विटो द्वारा एक दिन पहले लिए गए निर्णय के अनुरूप है, क्योंकि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। व्यापार मंत्री डायना मोरालेस ने एक बयान में कहा कि इक्वाडोर द्वारा शुल्क में 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत की नवीनतम वृद्धि ने कोलंबिया को अपनी नीति में बदलाव करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने इस कदम को दोनों देशों के घरेलू उत्पादकों को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। डायना मोरालेस कहा, 'हमने सभी राजनयिक प्रयास किए और इक्वाडोर सरकार के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखे, ताकि ऐसा समाधान निकाला जा सके जिससे दोनों देशों, व्यापारियों और सबसे बढ़कर सीमा के दोनों ओर के समुदायों को लाभ हो। हालांकि, हमें कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसलिए हम अपने टैरिफ उपायों को इक्वाडोर की नई दर के अनुरूप समायोजित करने के लिए मजबूर हैं। कोलंबिया सरकार प्रभावित व्यवसायों की मदद के लिए क्रेडिट लाइन और वित्तपोषण तक पहुंच सहित सहायता उपाय शुरू करेगी।

व्यापार घाटे का हवाला देते हुए

और कोलंबिया पर साझा सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए इक्वाडोर ने हाल के महीनों में अपने बड़े पड़ोसी देश के खिलाफ टैरिफ बढ़ा दिए हैं, जबकि कोलंबिया ने इन आरोपों से इनकार किया है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के उस बयान पर भी दोनों देशों के बीच टकराव हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को 'राजनीतिक कैदी' के रूप में रखा गया है और उन्हें रिहा किया जाना चाहिए।

इक्वाडोर और कोलंबिया के बीच बढ़ता तनाव पेट्रो के राष्ट्रपति कार्यकाल के अंतिम महीनों में सामने आया है। 2022 में चुने गए पेट्रो कोलंबिया के पहले वामपंथी राष्ट्रपति हैं और देश के छह दशक लंबे सशस्त्र संघर्ष में शामिल एक पूर्व विद्रोही हैं।

हत्या का वीडियो साझा कर ट्रंप ने आव्रजन नीति को ठहराया सही

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में हुई एक महिला की हत्या का कथित वीडियो साझा करते हुए अपनी सरकार की निर्वासन नीति को सही ठहराया। यह हमला कथित रूप से हैती मूल के एक प्रवासी द्वारा किया गया। पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय रोलबर्ट जोएकिन को 2 अप्रैल को फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स में एक महिला की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह शहर मियामी से लगभग 160 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी हैती से है और 2022 में अमेरिका आया था। मृतका की पहचान 51 वर्षीय निलुफा इस्मिन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश मूल की थीं और दो बेटियों की मां थीं। ट्रंप ने गुरुवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर यह वीडियो साझा किया। ट्रंप अक्सर दावा करते रहे हैं कि प्रवासी अमेरिका में अपराध बढ़ा रहे हैं, और इस घटना को उन्होंने अपने इसी दावे के समर्थन में पेश किया। हालांकि आलोचकों का कहना है कि ट्रंप सभी प्रवासियों को अपराधी के रूप में पेश कर अपनी आव्रजन नीति को मजबूत करने की कोशिश करते हैं, जबकि कई अध्ययनों में पाया गया है कि अवैध रूप से रह रहे प्रवासी, अमेरिका में जन्मे लोगों की तुलना में हिंसक या अन्य अपराधों में कम शामिल होते हैं। पुलिस के अनुसार, निलुफा ईसमिन गैस स्टेशन के एक सुविधा स्टोर में क्लर्क के रूप में काम कर रही थीं। घटना स्टोर के बाहर हुई और आरोपी को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया कि आरोपी एक वाहन पर हथौड़े से वार करता दिखता है। इसी दौरान पीड़िता बाहर आकर उससे सवाल करती नजर आती हैं। इसके बाद आरोपी अचानक उनके सिर पर हथौड़े से हमला कर देता है, जिससे वे जमीन पर गिर जाती हैं। इसके बाद आरोपी कई बार हमला करता है और मौके से फरार हो जाता है। पुलिस के अनुसार, बाद में आरोपी को सड़क पर चलते हुए पकड़ा गया और उसने अपराध कबूल कर लिया।

भू-माफियाओं के चंगुल में गोमाता की 'गौचर' जमीन, विरोध करने पर गौभक्तों को मिल रही जान से मारने की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा (गोबलज): गुजरात के खेड़ा जिले के गोबलज गांव में करोड़ों रुपये की गौचर जमीन को लेकर विवाद चरम पर पहुंच गया है। मल्टीपल चिटफंड घोटाले के आरोपी और साबरमती जेल की हवा खा चुके दक्षेश महेंद्र शाह पर अवैध रूप से गौचर जमीन बेचने का गंभीर आरोप लगा है। इस मामले में जब स्थानीय ग्रामीणों और गौभक्तों ने आवाज उठाई, तो उन्हें भू-माफियाओं द्वारा जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं।

क्या है पूरा मामला ?

गोबलज गांव के ग्रामीणों और पूर्व सरपंच दिलीप भाई पटेल के अनुसार, यह जमीन न तो सरकार की है और न ही किसी व्यक्ति विशेष की; यह पूरी तरह से पशुधन और गोपालकों की संपत्ति है। नियमों के मुताबिक, गौचर भूमि का उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना

उल्लेखनीय है कि गुजरात हाईकोर्ट ने जनहित याचिका संख्या 17/2011 में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया था कि गौचर जमीन को किसी भी परिस्थिति में अन्य कार्यों के लिए नहीं दिया जा सकता। इसके बावजूद, भू-माफियाओं और कथित भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से इस जमीन की बंदरबांट की जा रही है।

आंकड़ों की भयावह स्थिति

गौभक्त जशुभा ने सरकारी नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा: 'सरकार की नीति है कि प्रति 100 पशुओं पर 16 हेक्टेयर गौचर जमीन होनी चाहिए, लेकिन आज गुजरात में केवल 20' गौचर जमीन ही बची है। माफियाओं और भ्रष्टाचार के कारण आज गौमाता सड़कों पर प्लास्टिक खाने को मजबूर है।'

27 वर्षों से जारी है संघर्ष

ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले 27 सालों से अपनी जान जोखिम में डालकर इस जमीन को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। सात बार जमीन की मूल शर्तों का उल्लंघन हो चुका है, जिसके आधार पर यह जमीन तत्काल सरकार को जब्त कर गोपालकों को वापस सौंप देनी चाहिए थी।

प्रधानमंत्री के आदेश के बाद भी हौसले बुलंद

हैरानी की बात यह है कि इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय से जांच के आदेश दिए जाने के बावजूद, आरोपी दक्षेश शाह नेताओं के नाम का सहारा लेकर खुलेआम लूट चला रहा है। वह सोशल मीडिया पर खुद को बड़ा नेता बताकर गवाहों और शिकायतकर्ताओं को डराने-धमकाने का काम कर रहा है।

मुख्य बिंदु:

आरोपी: दक्षेश महेंद्र शाह (चिटफंड घोटाले का मुख्य आरोपी)।

शिकायतकर्ता: गोबलज के ग्रामीण, गोपालक और पूर्व सरपंच दिलीप भाई पटेल।

मांग:अवैध सौदों को रद्द कर जमीन 'श्री सरकार' कर पशुधन के लिए आरक्षित की जाए।

कानूनी पचड़े में फंसे प्रिंस हैरी

लंदन, एजेंसी। प्रिंस हैरी ने अपनी दिवंगत मां राजकुमारी डायना की याद में अफ्रीका में एक चैरिटी की स्थापना की थी। अब उसी चैरिटी ने प्रिंस हैरी पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। हैरी ने पिछले साल इस संस्था के संरक्षक पद से इस्तीफा दे दिया था। सेंटेबाले नामक यह संस्था बोत्सवाना और लेसोथो में एचआईवी से पीड़ित युवाओं के लिए काम करती है। सेंटेबाले ने पिछले महीने लंदन के हाई कोर्ट में मुकदमा दायर किया। अब यह जानकारी सामने आई है। ऑनलाइन दस्तावेजों के अनुसार, हैरी और उनके मित्र मार्क डायर (जो पहले इस चैरिटी के ट्रस्टी रह चुके हैं) पर मानहानि का आरोप लगाया गया है, हालांकि मामले से जुड़े विस्तृत दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। चैरिटी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, '25

मार्च 2025 से चलाए जा रहे एक समन्वित नकारात्मक मीडिया अभियान के कारण संस्था के कामकाज और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसके मद्देनजर चैरिटी अदालत से हस्तक्षेप, संरक्षण और क्षतिपूर्ति की मांग कर रही है।' वहीं, हैरी और डायर के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और अपमानजनक बताते हुए खारिज कर दिया। पिछले तीन वर्षों में प्रिंस हैरी कई कानूनी पचड़ों में फंस चुके हैं। ब्रिटेन के प्रमुख टैबलाइड्स के खिलाफ निजता के उल्लंघन और फोन हैकिंग जैसे आरोपों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। करीब 20 वर्ष पहले स्थापित सेंटेबाले का अर्थ लेसोथो की भाषा में 'फॉरगेट मी नॉट' होता है। इस संस्था की सह-स्थापना हैरी ने प्रिंस सीइसो के साथ मिलकर की थी, ताकि एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर प्रिंसेस डायना ने भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। साल 2023 में संस्था में फंडरेजिंग रणनीति को लेकर मतभेद सामने आए। इसके बाद मार्च 2025 में दोनों संस्थापकों ने कुछ ट्रस्टियों के इस्तीफे के समर्थन में संरक्षक पद छोड़ दिया। बोर्ड की अध्यक्ष चंदौका ने हैरी पर उन्हें पद से हटाने के लिए धमकाने और उत्पीड़न का अभियान चलाने का आरोप लगाया।

वॉशिंगटन में बनेगा विजयी मेहराब: शेर-चील और सुनहरी प्रतिमाएं होंगी खास आकर्षण; 250 फीट ऊंचा का होगा भव्य आर्च

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राजधानी वॉशिंगटन में एक नए ट्रायम्फल आर्च (विजयी मेहराब) के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। इस प्रस्तावित स्मारक में सुनहरी सजावट, विशाल पंखों वाली प्रतिमा, दो गरुड़ (चील) और चार शेरों की मूर्तियां शामिल होंगी, जो इसे विश्व के सबसे अनोखे स्मारकों में से एक बना सकती हैं।

कैसा होगा प्रस्तावित आर्च : इस योजना के तहत बनने वाला मेहराब अपनी नींव से लेकर पंखों वाली प्रतिमा की मशाल की नोक तक कुल 250 फीट (लगभग 76.2 मीटर) ऊंचा होगा। मेहराब के दोनों ओर सुनहरे अक्षरों में 'वन नेशन अंडर गॉड' और 'लिबर्टी एंड जस्टिस फॉर ऑल' जैसे महत्वपूर्ण नारे अंकित होंगे। यह संरचना लिंकन मेमोरियल के पूर्व में और आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पश्चिम में एक प्रमुख यातायात सर्कल के बीच स्थापित की जाएगी, जो वॉशिंगटन को उत्तरी वर्जीनिया से जोड़ता है। इसकी विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह मेहराब 99 फीट (लगभग 30.2 मीटर) ऊंचे लिंकन मेमोरियल को भी बौना कर देगा।

ट्रंप ने क्या कहा : राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी इस योजना को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे महान और सबसे खूबसूरत विजयी मेहराब होगा। उन्होंने इसे वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र के लिए एक अद्भुत अतिरिक्त बताया, जिसका आनंद आने वाली कई दशकों तक सभी अमेरिकी उठा सकेंगे। ट्रंप ने इस मेहराब को लिंकन मेमोरियल के पास बनाने की इच्छा जताई है और तर्क दिया है कि राष्ट्र की राजधानी में ऐसे स्मारक की परिकल्पना 200 साल पहले की गई थी। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध के कारण यह योजना अधूरी रह गई थी और बाद में 1902 में भी इसे बनाने का प्रयास किया गया, ट्रंप का मानना है कि दुनिया के प्रमुख शहरों में ऐसे स्मारक मौजूद हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में बड़े बदलाव : यह विजयी मेहराब ट्रंप द्वारा अपने कार्यकाल में किए जा रहे कई वास्तुशिल्प परिवर्तनों में से एक है। व्हाइट हाउस में एक बड़े बॉलरूम के निर्माण के अलावा, उन्होंने ओवल ऑफिस में भी बदलाव किए हैं और रोज गार्डन को एक पत्थर से ढके आंगन में बदल दिया है। यह मेहराब व्हाइट हाउस के दायरे से भी आगे बढ़कर, ट्रंप को एक ऐसे शहर में अपनी एक स्थायी विरासत छोड़ने का अवसर देगा जो पहले से ही स्मारकों के लिए जाना जाता है।

ब्रिटेन अगले हफ्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बातचीत करेगा : रिपोर्ट

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन अगले सप्ताह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी टोल के दोबारा जहाजों के लिए खोलने के मुद्दे पर अपने सहयोगी देशों के साथ अहम बातचीत करने जा रहा है। इस अहम समुद्री मार्ग को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की मेजबानी में 2 अप्रैल को हुई वर्चुअल बैठक में शामिल देशों के प्रतिनिधियों के साथ यह अगली चर्चा होगी। इस बैठक में 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे, साथ ही यूरोपीय संघ और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए समन्वित आर्थिक और राजनीतिक कदम उठाने पर विचार किया जाएगा। इसमें संभावित प्रतिबंध लगाने जैसे विकल्प भी शामिल हैं। साथ ही, स्ट्रेट में फंसे हजारों जहाजों और नाविकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा होगी। एक अधिकारी के अनुसार, इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य मौजूदा तनाव को खत्म करने का स्थायी रास्ता तलाशना है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की रणनीति भी बनाई जाएगी, ताकि वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोल सके। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर ब्रिटेन द्वारा इस महीने आयोजित की जा रही यह तीसरी बैठक होगी। हालांकि, अगले सप्ताह होने वाली इस बैठक की सटीक तारीख अभी तय नहीं की गई है। इसी बीच, अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में दो हफ्ते का

युद्धविराम लागू है। अब दोनों देश पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अहम बातचीत करने जा रहे हैं। लेकिन दोनों पक्षों के बीच अविश्वास, अलग-अलग मांगें और दबाव के कारण बातचीत काफी चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, दोनों देशों में सिर्फ एक ही बात समान है कि युद्ध से बाहर निकलने की जरूरत। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रस्तावों को 'धोखा' करार दिया है और आरोप लगाया है कि ईरान टैंकरों की आवाजाही में बाधा डाल रहा है।

दूसरी ओर, ईरान ने भी अपनी शर्तें साफ कर दी हैं। मोहम्मद बाक़िर गालिबफ ने कहा है कि बातचीत शुरू होने से पहले 'ब्लॉक किए गए संपत्तियों' की रिहाई जैसे मुद्दों का समाधान जरूरी है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.